1 भारत की भौगोलिक विविधता

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. आपकी राय में भारत की दो महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताएँ क्या हैं? आपके विचार में वे क्यों महत्वपूर्ण हैं?

उत्तर— मेरी राय में, भारत की दो सबसे महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताएँ हिमालय पर्वत श्रृंखला और गंगा का मैदान हैं। हिमालय भारत का एक प्राकृतिक रक्षा कवच और जल स्रोत के रूप में कार्य करता है, जबकि गंगा के मैदान अपनी उपजाऊ मिट्टी के कारण देश की कृषि और जनसंख्या का आधार हैं।

प्रश्न 2. आपके विचार में यदि हिमालय नहीं होता, तो भारत का स्वरूप कैसा होता? अपनी कल्पना को व्यक्त करने के लिए एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए अथवा चित्र द्वारा अभिव्यक्त कीजिए।

उत्तर— मेरे विचार में यदि हिमालय नहीं होता, तो भारत का एक बड़ा हिस्सा शुष्क और ठंडा मरुस्थल होता। मध्य एशिया की बर्फीली हवाओं के कारण यहाँ भीषण ठंड होती और मानसून न रुक पाने से अधिकांश भू-भाग बंजर बन जाता। गंगा जैसी महत्वपूर्ण बारहमासी नदियाँ नहीं होतीं, जिससे जीवन मुश्किल होता। इसके अतिरिक्त उत्तर दिशा से विदेशी आक्रमणों का निरंतर भय बना रहता।

प्रश्न 3. अध्याय में दी गई जानकारी के आधार पर बताइए कि भारत को 'लघु महाद्वीप' क्यों कहा जाता है?

उत्तर— भारत को लघु महाद्वीप इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसके विशाल आकार के बावजूद, यहाँ किसी पूरे महाद्वीप के समान ही भौगोलिक, सांस्कृतिक, जलवायु और जैव-विविधता पायी जाती है। यहाँ हिमालय जैसे ऊँचे पहाड़, थार मरुस्थल, विशाल मैदान, पठार और लंबी तटरेखा जैसी सभी प्रमुख आकृतियाँ मौजूद हैं।

प्रश्न 4. भारत की किसी प्रमुख नदी को मानचित्र में देखिए । इसका उद्गम कहाँ से होता है? यह समुद्र में कहाँ मिलती है? इसकी यात्रा के दौरान लोग इस नदी का विभिन्न प्रकार से कैसे उपयोग करते हैं? अपनी कक्षा में इस पर चर्चा कीजिए।

उत्तर— भारत की सबसे प्रमुख नदी गंगा है, जो उत्तराखण्ड के हिमालय के गंगोत्री हिमनद (गोमुख) से निकलकर, भारत के मैदानी भागों से होते हुए बांग्लादेश के रास्ते बंगाल की खाड़ी में गिरती है। लोग इसका उपयोग पीने के पानी, कृषि, सिंचाई, जलविद्युत उत्पादन, तीर्थयात्रा स्नान तथा माल परिवहन के लिए करते हैं।

छात्र इसे भारत के मानचित्र में देख सकते हैं तथा कक्षा में चर्चा का विषय बना सकते हैं।

प्रश्न 5. भारत के दक्षिणी भाग को 'प्रायद्वीपीय पठार' क्यों कहा जाता है?

उत्तर— भारत के दक्षिणी भाग को प्रायद्वीपीय पठार इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह तीन ओर से समुद्र (जल) से घिरा हुआ एक ऊँचा, स्थिर और त्रिकोणीय भू-भाग है। मध्य पश्चिम में अरब सागर, पूर्व में बंगाल की खाड़ी और दक्षिण में हिंद महासागर से घिरा हुआ है। इसे 'प्रायद्वीपीय पठार' इसके ऊँचे, समतल और प्राचीन चट्टानी स्वभाव के कारण कहते हैं।

प्रश्न 6. इस अध्याय में वर्णित यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त कौन-से धरोहर स्थल आपको अधिक रुचिकर लगे? इसके रोचक तथ्यों का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।

उत्तर— हिमाचल प्रदेश में स्थित ग्रेट हिमालयन राष्ट्रीय उद्यान अपनी अतुलनीय जैव-विविधता, आश्चर्यजनक अल्पाइन चोटियों और लुप्तप्राय प्रजातियों (हिम तेंदुआ, कस्तूरी मृग) के संरक्षण के कारण एक अद्वितीय विश्व धरोहर स्थल है। 2014 में यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त यह स्थल अपनी अछूती प्राकृतिक सुंदरता, औषधीय वनस्पतियों और रहस्यमयी वन्यजीवों के कारण अत्यन्त रुचिकर लगता है।

प्रश्न 7. इस पुस्तक के अंत में दिए गए भारत के भौतिक और राजनीतिक मानचित्रों को देखिए। आप अभी जिस क्षेत्र में हैं, उसकी पहचान कीजिए। आप भारत की किस भौतिक विशेषता का उपयोग इस स्थान का वर्णन करने के लिए करेंगे?

उत्तर— मैं उत्तर-पश्चिम भारत में स्थित राजस्थान राज्य में निवास करता हूँ। मेरा क्षेत्र थार मरुस्थल के अन्तर्गत आता है जो रेतीले टीलों और शुष्क जलवायु से पहचाना जाता है। थार मरुस्थल की परिस्थितियों के अनुसार ही दिन अत्यधिक गर्म और रातें ठंडी होती हैं। यहाँ जल प्राप्ति हेतु लोगों को प्रतिदिन काफी लम्बा समय तय करना पड़ता है।

(**नोट**-छात्र इसी प्रकार अपने क्षेत्र का वर्णन करने हेतु भारत की किसी भी भौगोलिक विशेषता का वर्णन कर सकते हैं।)

प्रश्न 8. भारत में खाद्य संरक्षण के उपाय जगह-जगह पर भिन्न हैं, जो स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप होते हैं। 'कक्षा परियोजना' के अन्तर्गत खाद्य संरक्षण के विभिन्न उपायों के बारे में जानकारी एकत्रित कीजिए। संकेत— मौसमी (ऋतु विशेष में उपलब्ध) सब्जियों को सुखाकर उन्हें अन्य ऋतुओं में उपयोग हेतु सुरक्षित रखना)।

उत्तर—खाद्य संरक्षण का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्मजीवों की वृद्धि को रोकना और भोजन को लंबे समय तक खराब होने से बचाना है। भारत में खाद्य संरक्षण के उपाय जगह-जगह पर भिन्न हैं जो स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप होते हैं। खाद्य संरक्षण के प्रमुख उपाय निम्नलिखित है—

(i) सुखाना—फलों, सब्जियों और अनाज से नमी को कम करना (धूप में या मशीन द्वारा)।

(ii) प्रशीतन— कम तापमान पर जीवाणुओं की वृद्धि को रोकना। (फ्रिज या फ्रीजर द्वारा)।

(iii) निर्जलीकरण— भोजन को गर्म करके कीटाणुरहित करना और वायु-रोधी डिब्बों में सील करना।

(iv) पाश्चुरीकरण—दूध जैसे तरल पदार्थों को एक विशिष्ट तापमान पर गर्म करके फिर तीव्रता के साथ ठंडा करना।

(v) नमक और चीनी का उपयोग— अचार में नमक और तेल का तथा जैम में चीनी का उपयोग करके जीवाणुओं की वृद्धि को रोकना। यह जीवाणुओं की वृद्धि के लिए आवश्यक नमी को कम करते हैं।

(vi) किण्वन— लाभकारी सूक्ष्मजीवों का उपयोग करके भोजन को अम्लीय बनाना (जैसे— दही, सिरका)।

(vii) रासायनिक परिरक्षक— सोडियम बेंजोएट या सिरके का उपयोग करके खाद्य पदार्थों की सुरक्षा करना।

प्रश्न 9. इतने अलग-अलग भौतिक स्वरूपों (पर्वतीय, मरुस्थलीय, मैदानी, तटीय इत्यादि) के साथ भारत एक विशाल देश है। भारत की भौगोलिक स्थिति ने लोगों को एकजुट रहने में किस प्रकार सहायता की है? इसके बारे में आपका क्या विचार है?

उत्तर— भारत की विविध भौगोलिक स्थिति है— उत्तर में हिमालय, दक्षिण में महासागर, मध्य में उपजाऊ मैदान, पश्चिम में मरुस्थल और पठार जो वास्तव में लोगों को अलग करने के बजाय उन्हें पारस्परिक निर्भरता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और साझा संसाधनों (जैसे नदियों) के माध्यम से एकजुट करती है। यह एक भौगोलिक एकता का अनूठा उदाहरण है। इसे निम्नलिखित बिन्दुओं के माध्यम से स्पष्ट किया जा सकता है—

1. भारत में हिमालय उत्तरी सीमा की सुरक्षा करता है, नदियाँ देश को एकसूत्र में बाँधती हैं तथा सागर देश को अन्य देशों की सीमाओं के साथ साझा करता है।

2. यहाँ की भाषा, बोली और और पहनावे भले ही अलग हों लेकिन इन विविधताओं के द्वारा देश की संस्कृति विश्व को संवृद्ध एकता का पैगाम देती है।

3. मैदान और तटीय क्षेत्रों के व्यापार, परिवहन और संवाद ने लोगों को एक-दूसरे के सहयोग से आत्मनिर्भर बनाया है।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. हिमालय की सबसे ऊँची चोटी कौन-सी है?
(अ) कंचनजुंगा (ब) माउंट आबू
(स) माउंट एवरेस्ट (द) नंदा देवी

2. भागीरथी नदी किस ग्लेशियर से निकलती है?
(अ) यमुनोत्री (ब) सियाचिन
(स) गौमुख (द) जेमु

3. हिमालय के किस भाग में दार्जिलिंग और मसूरी जैसे पर्वतीय स्टेशन स्थित हैं?
(अ) हिमाद्री (ब) हिमाचल
(स) शिवालिक (द) तिब्बत

4. लद्दाख एक .... के रूप में जाना जाता है।
(अ) उष्णकटिबंधीय मरुस्थल
(ब) शीत मरुस्थल
(स) वर्षावन (द) तटीय क्षेत्र

5. इनमें से कौन-सी नदी पश्चिम में अरब सागर की ओर बहती है?
(अ) गोदावरी (ब) कृष्णा
(स) महानदी (द) ताप्ती

6. 'रेगिस्तान का जहाज' है—
(अ) घोड़ा (ब) खच्चर
(स) ऊँट (द) गधा

7. अरावली पहाड़ियाँ किसके बीच एक अवरोधक का काम करती हैं?
(अ) बंगाल की खाड़ी और पूर्वी घाट
(ब) मरुस्थल और मैदान
(ब) पठार और द्वीप
(द) तटीय मैदान और समुद्र

8. पश्चिमी घाट को इस नाम से भी जाना जाता है—
(अ) नीलगिरि (ब) शिवालिक
(स) सह्याद्रि पर्वत (द) सतपुड़ा शृंखला

9. सुंदरवन कहाँ पाए जाते हैं?
(अ) महानदी डेल्टा (ब) कृष्णा डेल्टा
(स) गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा (द) कावेरी डेल्टा

10. एशिया का सबसे स्वच्छ गाँव कहाँ स्थित है?
(अ) लद्दाख में (ब) मेघालय में
(स) सिक्किम में (द) मणिपुर में

उत्तर– **1.** (स), **2.** (स), **3.** (ब), **4.** (ब), **5.** (द), **6.** (स), **7.** (ब), **8.** (स), **9.** (स), **10.** (ब)

रिक्त स्थान पूर्ति

1. हिमालय को अक्सर .... का घर कहा जाता है।
2. .... का मरुस्थल मुख्यतः राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों में फैला हुआ है।
3. .... घाट, पूर्वी घाटों से ऊँचे हैं।
4. .... पठार एक त्रिभुज के आकार का है।
5. सुंदरवन .... टाइगर के लिए जाना जाता है।

उत्तर– **1.** जल मीनार (वाटर टावर), **2.** थार, **3.** पश्चिमी, **4.** प्रायद्वीपीय, **5.** रॉयल बंगाल।

सत्य-असत्य कथन

1. शिवालिक पहाड़ियाँ हिमालय का सबसे ऊँचा भाग हैं।
2. ताप्ती और नर्मदा नदियाँ पूर्व की ओर बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।
3. बैरन द्वीप लक्षद्वीप में एक सक्रिय ज्वालामुखी है।
4. पश्चिमी घाट, पूर्वी घाटों से अधिक खड़े ढाल वाले हैं।
5. माउंट आबू केरल में स्थित है।

उत्तर– **1.** असत्य **2.** असत्य **3.** असत्य **4.** सत्य **5.** असत्य।

सुमेलन

	खण्ड 'क'	खण्ड 'ख'
1.	गौमुख	(अ) पुरुष नाम वाली नदी।
2.	पश्चिमी घाट	(ब) प्रवाल द्वीप समूह।
3.	लक्षद्वीप	(स) गोदावरी, कृष्णा (नदियाँ यहाँ से निकलती हैं)।
4.	ब्रह्मपुत्र	(द) भागीरथी का स्रोत।

उत्तर– **1.** (द), **2.** (स), **3.** (ब), **4.** (अ)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. भारत के किस भाग में सबसे अधिक वर्षा होती है?

उत्तर– उत्तर-पूर्वी भाग में (मेघालय पठार)।

2. पश्चिमी घाट पर पाए जाने वाले एक राज्य का नाम बताएँ और उसकी एक विशेषता समझाएँ।

उत्तर– महाराष्ट्र, विपुल जैव विविधता।

3. भारत में दुनिया का सबसे बड़ा डेल्टा कौन-सी दो नदियाँ बनाती हैं?

उत्तर– गंगा-ब्रह्मपुत्र नदियाँ।

4. भारत के तटीय मैदानों के नाम बताएँ।

उत्तर– पश्चिमी तटीय मैदान और पूर्वी तटीय मैदान।

5. कौन-सा पर्वत भारत को मध्य एशिया से अलग करता है?

उत्तर– हिमालय भारत को मध्य एशिया से अलग करता है।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें :

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।
(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।
(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।
(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A):** पठार पर अनेक आदिवासी समुदाय रहते हैं।
कारण (R): पठार वनों और खनिजों से समृद्ध होते हैं।

उत्तर– (अ) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

2. **कथन (A):** ब्रह्मपुत्र असम में बाढ़ का कारण बनती है।
कारण (R): यह बर्फ पिघलने और भारी बारिश के कारण चौड़ी हो जाती है।

उत्तर– (अ) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

"सुंदरवन एक डेल्टा है जो गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों द्वारा बनता है। यह मैंग्रोव वनों और दलदली आर्द्रभूमि से भरा हुआ है। यह क्षेत्र रॉयल बंगाल टाइगर के लिए जाना जाता है और इसे एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।"

1. सुंदरवन में आमतौर पर किस प्रकार की वनस्पति पाई जाती है?
(अ) सदाबहार (ब) मानसूनी
(स) मैंग्रोव (द) शुष्क

2. सुंदरवन क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर विशेष क्यों माना जाता है?
(अ) मरुस्थल के कारण
(ब) यूनेस्को संरक्षित होने के कारण
(स) महानदी के कारण
(द) ये सभी

3. सुंदरवन का एक हिस्सा किस भारतीय राज्य में स्थित है?
(अ) राजस्थान (ब) मध्य प्रदेश
(स) पश्चिम बंगाल (द) उत्तर प्रदेश

उत्तर– **1.** (स) मैंग्रोव वन। **2.**(ब) यूनेस्को संरक्षित होने के कारण। **3.** (स) पश्चिम बंगाल।

मानचित्र कार्य

भारत के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित भौगोलिक विशेषताओं को ढूँढें और उन्हें चिह्नित करें–

1. उत्तर में स्थित बर्फ से ढकी एक पर्वत शृंखला।
2. वह समतल, उपजाऊ भूमि जहाँ गंगा नदी बहती है।
3. पश्चिमी भारत में स्थित रेतीला और शुष्क क्षेत्र।
4. दक्षिणी भारत में स्थित बड़ा त्रिभुजाकार पठार।

उत्तर– **1.** हिमालय **2.** उत्तरी मैदान/गंगा का मैदान **3.** थार का मरुस्थल **4.** दक्कन का पठार।

2 मौसम को समझना

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. मौसम के तत्वों का उनको मापने वाले उपकरणों के साथ मिलान कीजिए–

	प्रयुक्त उपकरण	**मौसम के तत्व**
1.	आर्द्रतामापी (हाइग्रोमीटर)	(क) वर्षण (प्रेसिपिटेशन)
2.	पवन वेगमापी (एनीमोमीटर)	(ख) वायुमंडलीय दबाव
3.	वायुदाबमापी (बैरोमीटर)	(ग) वायु की दिशा और गति
4.	तापमापी (थर्मामीटर)	(घ) आर्द्रता
5.	वर्षामापी (रेनगेज)	(ङ) तापमान

उत्तर–1. (घ), 2. (ग), 3. (ख), 4. (ङ), 5. (क)।

प्रश्न 2. ज्योत्सना यह सोच रही है कि जून में मुंबई में अपनी विद्यालय यात्रा के समय कौन-से कपड़े साथ ले जाए। वह मौसम के पूर्वानुमान को देखती है, जो 29 डिग्री सेल्सियस तापमान और 54 प्रतिशत आर्द्रता की भविष्यवाणी करता है। आप उसको क्या सलाह देंगे?

उत्तर–चूँकि ज्योत्सना जून में मुंबई जा रही है और पूर्वानुमान में 29 डिग्री सेल्सियस तापमान और 54 प्रतिशत आर्द्रता बताई गई है। इसलिए उसकी यात्रा के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते हैं–

(i) सूती कपड़े से बने हल्के, ढीले-ढाले और हवादार कपड़े क्योंकि ये हवा के उचित संचार की अनुमति देते हैं, पसीना सोखते हैं और शरीर को ठंडा रखने में मदद करते हैं।

(ii) धूप से बचने के लिए टोपी और धूप का चश्मा साथ ले जाना।

(iii) मुंबई में जून के महीने में होने वाली मानसून की वर्षा से बचाव के लिए छाता या रेनकोट साथ ले जाएँ।

(iv) बारिश होने की स्थिति में वाटरप्रूफ जूते या सैंडल पहनना बेहतर होगा। अत: उन्हें भी साथ ले जावें।

(v) पानी की बोतल रखें, क्योंकि मुंबई में उच्च आर्द्रता के कारण गर्मी अधिक महसूस हो सकती है। इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना महत्वपूर्ण है।

प्रश्न 3. कल्पना कीजिए कि आपका एक छोटा समूह वर्षामापी यंत्र स्थापित कर रहा है। यहाँ उसे स्थापित करने के स्थान के कुछ विकल्प दिए गए हैं-

1. विद्यालय का सब्जी उद्यान।

2. विद्यालय भवन की छत।

3. ऊँचे चबूतरे के साथ खुला मैदान।

4. विद्यालय परिसर की दीवार।

5. विद्यालय प्रयोगशाला का बरामदा।

अपने समूह के साथ चर्चा कीजिए और सर्वाधिक उपयुक्त स्थान का निर्धारण कीजिए। अपने निर्णय के कारणों को लिखिए।

उत्तर— सर्वाधिक उपयुक्त स्थान ऊँचे चबूतरे के साथ खुला मैदान है। इस स्थान को चुनने के कारण इस प्रकार हैं—

(i) यह स्थान समतल सतह प्रदान करता है जिससे वर्षामापी यंत्र हवा चलने पर भी स्थिर और सीधा खड़ा रहता है।

(ii) यह स्थान खुला है और इसके आस-पास पेड़, दीवारें या इमारतें नहीं हैं जो वर्षा को रोक सकें। अतः वर्षा का पानी सीधे कंटेनर में आसानी से गिर सकता है। फलस्वरूप सटीक मान प्राप्त होगा।

प्रश्न 4. नीचे भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, जम्मू और कश्मीर से ली गई एक सारणी है। उपलब्ध आँकड़ों को देखते हुए, दिखाए गए दिन को, जम्मू और कश्मीर के विभिन्न भागों में मौसम की स्थिति को दर्ज करने हेतु एक लघु आलेख लिखिए।

(संकेत—ताप सीमा, अधिकतम और न्यूनतम तापमान, आर्द्रता, वर्षा आदि को सम्मिलित करें।**)**

दैनिक मौसम मापदण्ड

जम्मू और कश्मीर (सायंकाल)

दिनांक-01.02.2024

केन्द्र	दिनांक का अधिकतम तापमान			दिनांक का न्यूनतम तापमान			8:30 बजे से 17:30 बजे तक (मि.मी./से.मी.)		24 घण्टे में 8:30 बजे तक होने वाली वर्षा की मात्रा (मि.मी./से.मी.) दिनांक को		सापेक्षिक आर्द्रता	
	ACT (°से.)	NOR (°से.)	DEP (°से.)	ACT (°से.)	NOR (°से.)	DEP (°से.)	R/F (mm)	S/N (cm)	R/F (mm)	S/N (cm)	0830 (%)	1730 (%)
श्रीनगर	6.5	8.9	–2.4	0.2	–0.7	0.9	TR	0.0	13.4	2.4	89	89
काजीगुंड	3.2	8.5	–5.3	–0.4	–2.1	1.7	11.8	10.0	36.2	22.0	97	90
पहलगाम	1.1	5.6	–4.5	–4.1	–6.1	2.0	6.0	8.0	19.4	23.0	96	96
कुपवाड़ा	5.1	8.5	–3.4	–0.7	–2.3	1.6	0.5	0.0	21.9	10.0	97	94
कूकेरंग	2.6	6.6	–4.0	–1.4	–2.4	1.0	12.0	8.0	35.2	30.0	96	97
गुलमर्ग	–2.6	1.4	–4.0	–7.6	–7.6	0.0	8.2	6.35	35.2	35	76	100
मुजफ्फराबाद	8.5	–	–	5.6	–	–	–	–	25.8	–	93	–

ध्यान दें—ACT (एक्चुअल अर्थात् वास्तविक), NOR (नॉर्मल अर्थात् सामान्य), DEP (डिपार्चर अर्थात् सामान्य से हटकर), R/F (रेनफॉल अर्थात् वृष्टि), S/N (स्नोफॉल अर्थात् हिमपात), TR (टेंस अमाउंट अर्थात् वर्षण की माप)।

उत्तर— 14 फरवरी, 2024 को जम्मू और कश्मीर में मौसम बहुत ठंडा था। कई स्थानों पर अधिकतम और न्यूनतम तापमान बहुत कम दर्ज किया गया। गुलमर्ग में अत्यधिक ठंड पड़ी और तापमान 0° से नीचे चला गया, जिसके परिणामस्वरूप हिमपात हुआ।

श्रीनगर, पहलगाम और कुपवाड़ा जैसे कई क्षेत्रों में बारिश और हिमपात हुआ, जबकि दिनभर आर्द्रता का स्तर बहुत अधिक रहा। उच्च आर्द्रता और कम तापमान के कारण संकेत मिलते हैं कि मौसम ठंडा, गीला और बादलों से घिरा हुआ था।

कुल मिलाकर, इस क्षेत्र में भीषण शीतकाल की स्थिति रही, विशेषकर ऊँचे इलाकों में।

यह मौसम रिपोर्ट स्पष्ट रूप से जम्मू और कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में बर्फबारी और उच्च आर्द्रता के साथ ठंडे मौसम को दर्शाती है।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. वायुमण्डल की कौन–सी परत पृथ्वी की सतह के सबसे निकट है?
(अ) समतापमण्डल (ब) क्षोभमण्डल
(स) मध्यमण्डल (द) तापमण्डल

2. पृथ्वी की सतह पर पड़ने वाले वायु के दबाव को हम क्या कहते हैं?
(अ) पवन बल (ब) आर्द्रता
(स) वायुमण्डलीय दबाव
(द) वायु प्रवाह

3. हवाई अड्डों पर हवा की दिशा दिखाने के लिए आमतौर पर किस उपकरण का उपयोग किया जाता है?
(अ) वात शंकु (विंड सॉक) (ब) वर्षामापी
(स) बैरोमीटर (द) हाइग्रोमीटर

4. ओजोन परत का क्या कार्य है?
(अ) बादलों के बनने में मदद करती है
(ब) वायुदाब को बढ़ने से रोकती है
(स) हमें सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाती है
(द) आर्द्रता को सोखती है

5. निम्नलिखित में से किसका उपयोग आर्द्रता मापने के लिए किया जाता है?
(अ) थर्मामीटर (तापमापी)
(ब) हाइग्रोमीटर (आर्द्रतामापी)
(स) बैरोमीटर (वायुदाबमापी)
(द) वर्षामापी

6. वर्षा को आमतौर पर कैसे मापा जाता है?
(अ) सेंटीमीटर प्रति सेकंड
(ब) मिलीलीटर प्रति घण्टा
(स) मिलीमीटर
(द) मिलीबार प्रति इंच

7. मौसम का कौन–सा तत्व मुख्यतः चक्रवात बनने की संभावना का अनुमान लगाने में मदद करता है?
(अ) आर्द्रता (ब) वायुदाब
(स) तापमान (द) पवन की गति

8. अधिकांश मौसमी घटनाएँ; जैसे–बारिश और तूफान किस परत में घटित होती हैं?
(अ) समतापमण्डल (ब) मध्यमण्डल
(स) क्षोभमण्डल (द) बहिर्मण्डल

9. आर्द्रता के बारे में इनमें से कौन–सा कथन सही है?
(अ) यह ऊँचाई के साथ बढ़ती है
(ब) यह रेगिस्तानी क्षेत्रों में सबसे अधिक होती है
(स) यह वायु को शुष्क महसूस कराती है
(द) यह वायु में जलवाष्प को मापती है

10. एनीमोमीटर (वायु वेगमापी) का उपयोग किसे मापने के लिए किया जाता है?
(अ) पवन की गति (ब) वायुदाब
(स) बादलों की गति
(द) सूर्यप्रकाश की तीव्रता

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (स), **3.** (अ), **4.** (स), **5.** (ब), **6.** (स), **7.** (ब), **8.** (स), **9.** (द), **10.** (अ)

रिक्त स्थान पूर्ति

1. .... हमें एक क्षेत्र में वर्षा की मात्रा दर्ज करने में मदद करता है।

2. वायु .... दबाव वाले क्षेत्रों से............... दबाव वाले क्षेत्रों की ओर बहती है।

3. .... वह परत है जहाँ उपग्रह पृथ्वी की परिक्रमा करते हैं।

4. .... वायु में जलवाष्प की मात्रा होती है।

5. मौसम विज्ञानी मौसम के आँकड़े एकत्र करने के लिए .... का उपयोग करते हैं।

उत्तर– **1.** वर्षामापी, **2.** उच्च, निम्न, **3.** बर्हिमंडल, **4.** आर्द्रता, **5.** स्वचालित मौसम केंद्र (AWS)।

सत्य-असत्य कथन

1. थर्मामीटर का उपयोग वायु की गति मापने के लिए किया जाता है।

2. मध्यमण्डल वायुमण्डल की सबसे गर्म परत है।

3. उच्च आर्द्रता पसीने को धीमे सूखने देती है।

4. वर्षामापी को वर्षा एकत्र करने के लिए खुले क्षेत्रों में रखा जाता है।

5. मौसम पूर्वानुमान आपदा प्रबंधन में मदद करता है।

उत्तर– **1.** असत्य **2.** असत्य **3.** सत्य **4.** सत्य **5.** सत्य।

सुमेलन

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. वर्षामापी	(अ) वायुदाब
2. बैरोमीटर	(ब) वर्षा का मापन
3. वात शंकु	(स) मौसम का पूर्वानुमान लगाता है
4. मौसम विज्ञानी	(द) वायु में जलवाष्प
5. आर्द्रता	(य) वायु की दिशा

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (अ), **3.** (य), **4.** (स), **5.** (द)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सापेक्षिक आर्द्रता क्या है?

उत्तर– सापेक्ष आर्द्रता एक निश्चित तापमान पर हवा में मौजूद जल वाष्प की मात्रा का प्रतिशत है, जो उस तापमान पर हवा द्वारा धारण की जा सकने वाली अधिकतम आर्द्रता की मात्रा को दर्शाती है।

2. मौसम केंद्र में प्रयुक्त होने वाले किन्हीं दो उपकरणों के नाम लिखिए।

उत्तर– थर्मामीटर, बैरोमीटर, वर्षामापी, पवन वेग मापी, आर्द्रतामापी (कोई दो)।

3. मौसम की भविष्यवाणी के लिए वायु क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर– हवा की दिशा और गति तूफान या वर्षा जैसे मौसमी परिवर्तनों का संकेत देती है।

4. ऊँचाई के साथ वायुदाब कैसे बदलता है?

उत्तर– वायुदाब ऊँचाई के साथ घटता है।

5. किस प्रकार का तापमापी अधिकतम और न्यूनतम दोनों प्रकार के तापमान दिखाता है?

उत्तर– अधिकतम न्यूनतम तापमापी।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A) :** वायुमण्डल पृथ्वी पर जीवन की रक्षा करता है।

   कारण (R) : यह सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी किरणों को सोख लेता है।

उत्तर– (अ) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

2. **कथन (A) :** तटीय क्षेत्रों में आर्द्रता मरुस्थलीय क्षेत्रों की तुलना में कम होती है।

   कारण (R) : तटीय क्षेत्रों की हवा में अधिक जलवाष्प होती है।

उत्तर– (अ) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

वर्षा को मापने के लिए वर्षामापी नामक एक साधारण उपकरण का उपयोग किया जाता है। इसमें बेलन से जुड़ा एक कीप होता है, जिसमें बारिश का पानी एकत्र होता है। बेलननुमा भाग के किनारे पर लगे पैमाने से पता चलता है कि कितना पानी पात्र में एकत्र हुआ है। मौसम विज्ञानी इस जानकारी का उपयोग कृषि गतिविधियों की योजना बनाने और बाढ़ या सूखे की भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं।

1. वर्षामापी क्या एकत्र करता है ?
   (अ) तापमान (ब) वायु
   (स) वर्षा का पानी (द) धूल
2. वर्षामापी से एक मापक क्यों जुड़ा होता है?
   (अ) हवा की गति मापने के लिए
   (ब) वर्षा मापने के लिए
   (स) तापमान के आँकड़े एकत्रित करने के लिए
   (द) वायुदाब का पता करने के लिए
3. गद्यांश में वर्णित वर्षा सम्बन्धी आँकड़ों का उपयोग होता है–
   (अ) भूकंपों की भविष्यवाणी करने में
   (ब) ज्वालामुखी उद्गार का पता लगाने में
   (स) बाढ़ का पूर्वानुमान लगाने में
   (द) समय कटिबंध की गणना करने में

उत्तर– **1.** (स) वर्षा का पानी। **2.** (ब) वर्षा मापने के लिए। **3.** (स) बाढ़ का पूर्वानुमान लगाना।

मानचित्र कार्य

भारत के रूपरेखा मानचित्र में निम्न को दर्शाइये–

1. भारत का सर्वाधिक वर्षा वाला राज्य

2. शीत मरुस्थल वाला भारतीय राज्य

3. सर्वाधिक शुष्क जलवायु वाला राज्य

4. सुंदरवन डेल्टा से सम्बन्धित राज्य

उत्तर– **1.** मेघालय, **2.** लद्दाख, **3.** राजस्थान, **4.** पश्चिम बंगाल

3 भारत की जलवायु

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. जलवायु के कारकों का उनके प्रभावों के साथ निम्नलिखित सूची से मिलान कीजिए–

(अ)	(ब)
(1) अक्षांश	(क) भारत में गर्मी के दौरान नमीयुक्त पवन को लाता है।
(2) ऊँचाई	(ख) उत्तर एवं दक्षिण में अलग-अलग जलवायु बनाता है।
(3) समुद्र से निकटता	(ग) ऊँचे स्थानों को अधिक ठंडा रखता है।
(4) मानसूनी पवन	(घ) तापमान को प्रभावित करता है।

उत्तर– 1. (ख), 2. (ग), 3. (घ), 4. (क)।

प्रश्न 2. नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए–

(क) मौसम और जलवायु में क्या अंतर है?

उत्तर– मौसम और जलवायु में मुख्य अंतर सारणीबद्ध हैं–

अंतर का आधार	मौसम	जलवायु
अवधि	यह किसी स्थान की वायुमंडल की अल्पकालिक स्थिति है।	यह किसी विशाल क्षेत्र के मौसम की दीर्घकालिक (30 + वर्ष) औसत स्थिति है।
परिवर्तन	यह बहुत तेजी से बदलता है (सुबह धूप, शाम को बारिश)।	यह बहुत धीमी गति से बदलती है और स्थिर रहती है।
क्षेत्र	यह छोटे स्थान (जैसे एक शहर या गाँव) के लिए होता है।	यह बड़े भौगोलिक क्षेत्र (जैसे देश या महाद्वीप) के लिए होती है।
तत्व	तापमान, वर्षा, वायुदाब, हवा।	औसत तापमान, औसत वर्षा (कई वर्षों का औसत)।
उदाहरण	आज बहुत ठंड है।	भारत की जलवायु उष्णकटिबंधीय है।

(ख) समुद्र के निकट स्थित स्थानों का तापमान समुद्र से दूर स्थित स्थानों की तुलना में कम क्यों होता है?

उत्तर– समुद्र के निकट स्थित स्थानों का तापमान समुद्र से दूर स्थित स्थानों की तुलना में कम होता है क्योंकि जल और भूमि की गर्म व ठंडी होने की दर अलग-अलग होती है। समुद्र के पानी के धीरे-धीरे गर्म और ठंडा होने के कारण, तटीय क्षेत्रों में समुद्र से आने वाली नमी युक्त हवाएँ तापमान को नियंत्रित करती हैं, जिससे वहाँ न तो बहुत अधिक गर्मी पड़ती है और न ही बहुत अधिक सर्दी।

(ग) भारतीय जलवायु को प्रभावित करने में मानसूनी पवन की क्या भूमिका है?

उत्तर– भारतीय जलवायु को प्रभावित करने में मानसूनी पवनों की मुख्य भूमिका है। ये हवाएँ जून से सितम्बर के बीच दक्षिण-पश्चिम दिशा से हिंद महासागर की ओर से नमी लाकर देश में भारी वर्षा करती हैं। ये पवनें

न केवल कृषि के लिए आवश्यक पानी प्रदान करती हैं, बल्कि अत्यधिक गर्मी से राहत देकर तापमान को नियंत्रित करती हैं।

(घ) चेन्नई पूरे वर्ष गर्म रहता है, जबकि लेह ठंडा रहता है?

उत्तर— चेन्नई और लेह की जलवायु में अंतर का मुख्य कारण उनकी भौगोलिक स्थिति और ऊँचाई है। चेन्नई समुद्र के किनारे (बंगाल की खाड़ी) और कम ऊँचाई पर उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में है, जिससे वहाँ वर्षभर गर्मी व उमस रहती है। वहीं लेह हिमालय में बहुत अधिक ऊँचाई पर स्थित है, जहाँ हवा पतली है और ऊँचाई के कारण अत्यधिक ठंड रहती है।

प्रश्न 3. इस पुस्तक के अंत में दिए गए भारत के मानचित्र को देखिए। लेह, चेन्नई, दिल्ली, पणजी इन शहरों की जलवायु को पहचानिए।

● क्या यह स्थान समुद्र के समीप है, पर्वत पर है या रेगिस्तान में है?

● ये कारक वहाँ की जलवायु को किस प्रकार प्रभावित करते हैं?

उत्तर— स्थान आधरित जलवायु का विश्लेषण—

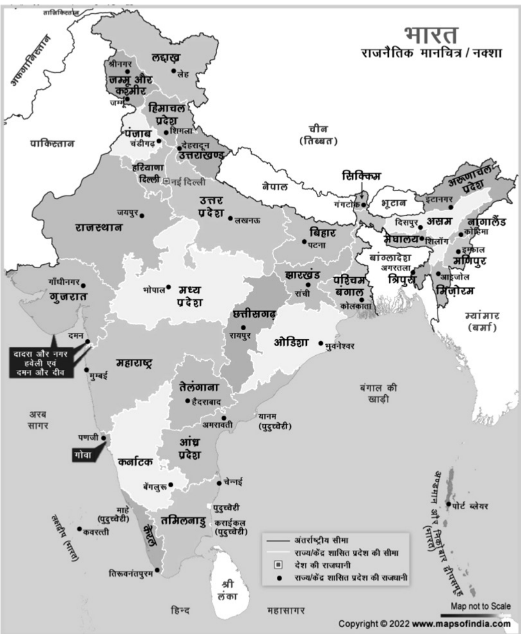

1. लेह

स्थान— हिमालय के निकट, अत्यधिक ऊँचाई पर।

जलवायु— अत्यधिक ठंडी और शुष्क (शीत मरुस्थलीय जलवायु)।

प्रभाव— अधिक ऊँचाई के कारण यहाँ हवा बहुत पतली और ठंडी होती है, जिससे यहाँ वर्षभर कड़ाके की ठंड रहती है और वर्षा बहुत कम होती है।

2. चेन्नई

स्थान— तटीय क्षेत्र, बंगाल की खाड़ी के निकट।

जलवायु— गर्म और आर्द्र (उष्णकटिबंधीय समुद्री जलवायु)।

प्रभाव— महासागर तापमान को नियंत्रित करता है, जिससे ग्रीष्म ऋतु बहुत गर्म रहती, लेकिन सर्दियाँ हल्की और उच्च आर्द्रता वाली होती हैं।

3. दिल्ली

स्थान— अंतर्देशीय (Inland), उत्तरी मैदानों के निकट।

जलवायु— बहुत गर्म ग्रीष्मकाल और ठंडी सर्दियाँ (उपोष्णकटिबंधीय जलवायु)।

प्रभाव— समुद्र से दूर होने के कारण मौसमों के बीच तापमान में बहुत अधिक अंतर आता है।

4. पणजी

स्थान— तटीय क्षेत्र, अरब सागर के निकट।

जलवायु— मध्यम, गर्म और आर्द्र (उष्णकटिबंधीय आर्द्र जलवायु)।

प्रभाव— गर्मियों में भारी मानसूनी बारिश के साथ समुद्री हवाएँ यहाँ के तापमान को मध्यम बनाए रखती हैं।

प्रश्न 4. भारत के मानचित्र पर गर्मी और सर्दी के मानसून चक्र को प्रदर्शित कीजिए।

● गर्मियों और सर्दियों में पवनें कहाँ चलती हैं, इसके प्रतीक लगाइए।

● मानसून के दौरान पवनों की दिशा दिखाइए।

उत्तर—

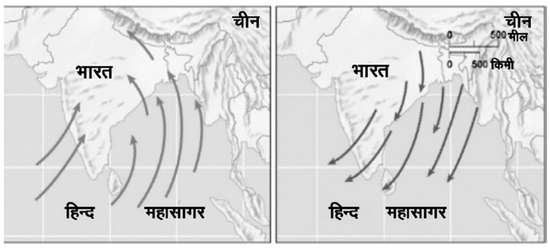

चित्र— दक्षिणी पश्चिमी व उत्तरी-पूर्वी मानसूनी पवनें

ग्रीष्म मानसून (जून से सितंबर)— दक्षिण-पश्चिम (हिंद महासागर) से चलने वाली हवाएँ भारत में नमी और वर्षा लाती हैं। वर्षा दक्षिणी छोर से शुरू होती है और उत्तर की ओर बढ़ती है जिससे जुलाई के मध्य तक पूरा भारतीय उपमहाद्वीप वर्षा से ढक जाता है।

शीतकालीन मानसून (अक्टूबर से फरवरी)— हवाएँ विपरीत दिशा में बहकर जमीन से समुद्र की ओर चलती हैं जिससे शुष्क मौसम और ठंडा तापमान होता है। ये हवाएँ पूर्वी और दक्षिणी भारत के कुछ हिस्सों में वर्षा लाती हैं।

प्रश्न 5. भारत में कृषि और मौसम से जुड़े त्योहारों (जैसे- बैसाखी, ओणम) को दिखाते हुए एक रंगीन पोस्टर बनाइए। इन त्योहारों की तस्वीरें या रेखाचित्र लगाइए।

उत्तर— भारत में कृषि और मौसम का गहरा संबंध है। यहाँ के अधिकतर त्योहार प्रकृति, फसल चक्र और मौसम में बदलाव के आधार पर मनाए जाते हैं, जो किसानों के लिए समृद्धि और खुशी लाते हैं। भारत में कृषि और मौसम से जुड़े प्रमुख त्योहार हैं— मकर संक्रांति/ पोंगल/ माघ बिहू (जनवरी), बैसाखी/ लोहड़ी (जनवरी), वैसाखी (अप्रैल), ओणम (अगस्त–सितंबर), गुड़ी पड़वा (मार्च–अप्रैल) आदि। इन त्योहारों के माध्यम से किसान प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं और अच्छी फसल की कामना करते हैं।

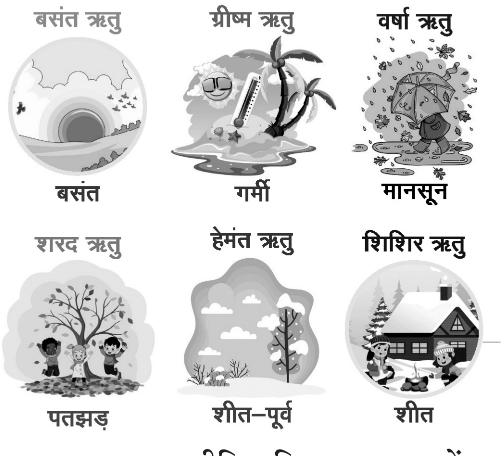

प्रश्न 6. कल्पना कीजिए कि आप भारत में एक किसान हैं। बरसात के मौसम के लिए आप कैसे तैयारी करेंगे? इस बारे में डायरी में संक्षेप में लिखिए।

उत्तर— डायरी प्रविष्टि— मानसून की तैयारी

दिनांक— 15 मई 2026 समय— रात 8 बजे

आज का दिन बहुत व्यस्त रहा। आसमान में बादल छाने लगे हैं और अब खरीफ की फसल (जैसे- धान, मक्का, सोयाबीन) के लिए मानसून की तैयारी का समय आ गया है।

मैंने आज निम्नलिखित कार्य किए—

1. खेत की जुताई— मानसून की पहली बारिश से पहले मैंने ट्रैक्टर से खेत की गहरी जुताई कर दी है ताकि नमी अंदर तक जाए और खरपतवार खत्म हो जाएँ।

2. बीज और खाद का प्रबंध— सहकारी समिति से उच्च गुणवत्ता वाले, रोग-प्रतिरोधी बीज और जरूरी खाद (जैसे यूरिया, डीएपी) लाकर उनका भंडारण कर लिया है।

3. जल निकासी व्यवस्था— भारी बारिश की स्थिति में फसलों को जलभराव से बचाने के लिए खेत के किनारे नालियों को साफ कर दिया है।

4. उपकरणों की जाँच— ट्रैक्टर और अन्य औजारों की जाँच कर ली है, ताकि बारिश शुरू होते ही बुवाई में देरी न हो।

5. फसल बीमा— मैंने सरकारी योजना के तहत अपनी फसल का बीमा भी करा लिया है ताकि प्राकृतिक आपदा की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा बनी रहे।

कल सुबह मुझे बीज उपचार का काम करना है ताकि फसल को रोगों से बचाया जा सके। अब बस बारिश का इंतजार है। उम्मीद है कि यह मानसून मेरे परिवार के लिए अच्छी फसल और समृद्धि लेकर आएगा।

रामू

(एक भारतीय किसान)

प्रश्न 7. किसी प्राकृतिक आपदा (जैसे-चक्रवात, बाढ़, भूस्खलन या दावानल) की पहचान कीजिए और एक छोटा निबंध लिखिए, जिसमें इसके कारण और प्रभाव सम्मिलित हों। ऐसे सुझाव दीजिए जो व्यक्ति, समुदाय और सरकार को इस आपदा के प्रभाव को कम करने में सहायक हो सकते हैं।

उत्तर— भूस्खलन : एक विनाशकारी प्राकृतिक आपदा भूस्खलन, जिसे लैंडस्लाइड भी कहते हैं, एक ऐसी प्राकृतिक आपदा है जिसमें गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव के कारण पहाड़ या ढलान वाली जमीन का एक बड़ा भाग अचानक मिट्टी, पत्थरों और मलबे के रूप में नीचे खिसकने लगता है। भारत विशेषकर हिमालय और पश्चिमी घाट के क्षेत्रों में, यह एक प्रमुख आपदा है जहाँ 12.6 प्रतिशत भू-क्षेत्र इससे प्रभावित है।

भूस्खलन के कारण— भूस्खलन के कारण प्राकृतिक और मानवीय दोनों हो सकते हैं—

1. भारी वर्षा— लगातार बारिश से मिट्टी में पानी भर जाता है, जिससे वह ढीली होकर नीचे गिरने लगती है।

2. भूकंप— कंपन के साथ पहाड़ों के अस्थिर ढलान टूटकर गिरते हैं।

3. वनों की कटाई— पेड़ों की जड़ें मिट्टी को पकड़े रहती हैं। पेड़ों के कटने से मिट्टी की पकड़ कमजोर हो जाती है।

4. निर्माण कार्य— पहाड़ी रास्तों पर सड़क, टनल और अवैध निर्माण के कारण पहाड़ों का संतुलन बिगड़ जाता है।

भूस्खलन के प्रभाव

1. जान-माल की हानि— घर, गाँव और रास्ते मलबे के नीचे दब जाते हैं, जिससे लोगों और जानवरों की मौत होती है।

2. परिवहन में रुकावट— सड़कें और पुल टूट जाने से राहत और बचाव कार्य ठप हो जाते हैं।

3. जैव-विविधता का नुकसान— जंगल और वन्य जीवों के आवास नष्ट हो जाते हैं।

4. बाढ़— जब मलबे से नदी-नालों का बहाव रुक जाता है, तो पानी इकट्ठा होकर अस्थायी झीलें बना लेता है। इन बाँधों के टूटने से नीचे के क्षेत्रों में भयानक बाढ़ आती है।

5. पलायन— उपजाऊ कृषि भूमि के नष्ट होने से स्थानीय लोगों को पलायन करना पड़ता है।

6. आर्थिक नुकसान— भूस्खलन से बुनियादी ढाँचे का विनाश होता है।

प्रभाव को कम करने के सुझाव

व्यक्तिगत स्तर— भूस्खलन-प्रवण ढलानों के नीचे घर बनाने से बचें, भारी वर्षा के दौरान यात्रा सीमित करें और घरों के पास जल निकासी की अच्छी व्यवस्था रखें।

समुदाय स्तर— वनों की कटाई को रोकें और ढलानों पर अधिक वृक्षारोपण करें क्योंकि जड़ें मिट्टी को थामे रखती हैं। सामुदायिक आपदा प्रबंधन टीमों का गठन करें। सीढ़ीनुमा खेत बनाएँ।

सरकार स्तर— सरकारें भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की मैपिंग करें और विकास कार्यों से पहले भू-तकनीकी सर्वेक्षण अनिवार्य करें।

उपसंहार—भूस्खलन एक विनाशकारी आपदा है। यह जन-जीवन के साथ-साथ पर्यावरण को भी प्रभावित करती है। यदि सरकार के साथ लोग मिलकर सहयोग करें तो इस संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. निम्नलिखित में से किस शहर में अल्पाइन जलवायु होने की सबसे अधिक संभावना है?
(अ) चेन्नई (ब) मुंबई
(स) लेह (द) जयपुर

2. भारतीय मानसून का मुख्य कारण क्या है?
(अ) पृथ्वी का घूर्णन
(ब) सागरीय और स्थलीय समीर (पवनें)
(स) जल व थल का असमान तापमान
(द) विवर्तनिकी प्लेटों की गति

3. मानसून के कारण इनमें से किस स्थान पर सबसे अधिक वर्षा होती है?
(अ) राजस्थान (ब) केरल
(स) गुजरात (द) पंजाब

4. 'चक्रवात की आँख' किसका प्रतिनिधित्व करती है?
(अ) सबसे तूफानी हिस्सा
(ब) शांत और साफ क्षेत्र
(स) बादल वाला क्षेत्र
(द) तूफान का सबसे ठंडा हिस्सा

5. हिमनदीय विस्फोट के लिए कौन-सा राज्य अत्यधिक संवेदनशील है?
(अ) तमिलनाडु (ब) उत्तराखण्ड
(स) गुजरात (द) ओडिशा

6. अधिकांश मध्य भारत में किस प्रकार की जलवायु पाई जाती है?
(अ) उष्णकटिबंधीय आर्द्र (ब) अल्पाइन
(स) अर्ध-शुष्क (द) समशीतोष्ण

7. निम्नलिखित में से कौन तटीय क्षेत्रों में तापमान को संतुलित रखने में मदद करता है?
(अ) अक्षांश (ब) पवनें
(स) समुद्र (द) पहाड़

8. चट्टानों और मिट्टी के अचानक नीचे खिसकने को क्या कहा जाता है?
(अ) चक्रवात (ब) भूकम्प
(स) बाढ़ (द) भूस्खलन

9. वायुमण्डल में ऊष्मीय विकिरण को रोकने के लिए मुख्य रूप से कौन-सी गैस जिम्मेदार है?
(अ) नाइट्रोजन (ब) ऑक्सीजन
(स) कार्बन डाइ-ऑक्साइड (द) हीलियम

10. कौन-सी ऋतु दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन के साथ शुरू होती है?
(अ) बसंत (ब) ग्रीष्म
(स) वर्षा (द) शीत

उत्तर— **1.** (स), **2.** (स), **3.** (ब), **4.** (ब), **5.** (ब), **6.** (स), **7.** (स), **8.** (द), **9.** (स), **10.** (स)

रिक्त स्थान पूर्ति

1. ....किसी क्षेत्र में मौसम का दीर्घकालिक प्रारूप है।
2. पश्चिमी घाट को....................पवनों के कारण भारी वर्षा प्राप्त होती है।
3. ....एक प्रमुख ग्रीनहाउस गैस है, जो जीवाश्म ईंधन जलाने से निकलती है।
4. ....प्रभाव पृथ्वी के वायुमण्डल में ऊष्मीय विकिरण को रोकने में मदद करता है।
5. ....जलवायु राजस्थान में पाई जाती है।

उत्तर– **1.** जलवायु, **2.** मानसूनी (द.प. मानसूनी), **3.** कार्बन डाइऑक्साइड, **4.** ग्रीन हाउस, **5.** शुष्क।

सत्य-असत्य कथन

1. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग चक्रवातों की भविष्यवाणी करने में मदद करता है।
2. दावानल प्राकृतिक रूप से नहीं हो सकती और हमेशा मनुष्यों के कारण होती है।
3. अक्षांश किसी स्थान की जलवायु तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
4. थार मरुस्थल में समशीतोष्ण जलवायु पाई जाती है।
5. शहर बाढ़ के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं क्योंकि वे कम पानी सोखते हैं।

उत्तर– **1.** सत्य **2.** असत्य **3.** सत्य **4.** असत्य **5.** सत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1.	ऊटी	(अ) उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु
2.	चेन्नई	(ब) समशीतोष्ण जलवायु
3.	दिल्ली	(स) उष्ण कटिबंधीय जलवायु
4.	लेह	(द) शुष्क जलवायु
5.	जैसलमेर	(य) अल्पाइन जलवायु

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (स), **3.** (अ), **4.** (य), **5.** (द)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. 'मौसम' और 'जलवायु' को परिभाषित कीजिए।

उत्तर– मौसम दिन-प्रतिदिन की अल्पकालिक वायुमंडलीय दशा है जबकि जलवायु लंबे समय का औसत मौसमी प्रारूप है।

2. जलवायु को प्रभावित करने वाले किन्हीं दो कारकों के नाम लिखिए।

उत्तर– अक्षांश और ऊँचाई।

3. 'सूक्ष्म जलवायु' शब्द से क्या अभिप्राय है?

उत्तर– सूक्ष्म जलवायु किसी बड़े क्षेत्र के भीतर एक छोटे या स्थान विशिष्ट की जलवायु होती है।

4. कौन-से भारतीय राज्य लौटती मानसूनी पवनों से वर्षा प्राप्त करते हैं?

उत्तर– तलिमनाडु व आन्ध्र प्रदेश

5. चक्रवात क्या है?

उत्तर– चक्रवात एक वाताग्री प्रणाली है जिसमें तेज हवाएँ और भारी वर्षा होती है और जो गर्म समुद्रों के ऊपर बनते हैं।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं, जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्पों के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A) :** भारत में जलवायु की स्थितियों में बहुत विविधता मिलती है।

   कारण (R) : भारत एक बहुत बड़ा देश है जिसमें अलग-अलग अक्षांश, ऊँचाई और भू-आकृतियाँ हैं।

उत्तर– (अ) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

2. **कथन (A) :** भारत की जलवायु मुख्य रूप से मानसूनी पवनों से प्रभावित होती है।

   कारण (R) : मानसून देश के अधिकांश भागों में मौसमी वर्षा लाता है।

उत्तर– (अ) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें—

जब सूर्य समुद्र की सतह को गर्म करता है, तो पवन गर्म होकर ऊपर की ओर उठती है। इससे एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनता है, और आस-पास के क्षेत्रों से पवन गतिमान होकर अंदर आती है। जैसे ही यह पवन नमी ग्रहण करती है और पृथ्वी के घूर्णन के कारण घूमने लगती है इससे एक चक्रवात बनता है, इस चक्रवात के केंद्र को चक्रवात की आँख कहा जाता है, इसमें पवनें शांत होती हैं, लेकिन इसके आस-पास की पवनें बहुत तेज होती हैं।

1. चक्रवात में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने का प्रमुख कारण क्या है?
(अ) सूर्य द्वारा समुद्र की सतह को गर्म करना
(ब) पृथ्वी का घूर्णन
(स) समुद्र के ऊपर ठण्डी पवन का नीचे बैठना
(द) भारी वर्षा

2. चक्रवात बनते समय पवन घूमने क्यों लगती है?
(अ) क्योंकि निम्न दबाव इसे अंदर खींचता है
(ब) पवन में नमी के कारण
(स) पृथ्वी के घूर्णन (कोरिऑलिस प्रभाव) के कारण
(द) क्योंकि गर्म पवन ऊपर उठती है

3. 'चक्रवात की आँख' क्या होती है?
(अ) सबसे तेज पवनों वाला क्षेत्र
(ब) शांत, निम्न दबाव वाला केंद्र
(स) बाहरी वर्षा वाली पट्टियाँ
(द) सबसे अधिक वर्षा वाला क्षेत्र

उत्तर— **1.** (अ) सूर्य द्वारा समुद्र की सतह को गर्म करना। **2.** (स) पृथ्वी के घूर्णन के कारण (कोरिऑलिस प्रभाव) **3.** (ब) शांत, निम्न दबाव का केंद्र

मानचित्र कार्य

भारत के रेखा मानचित्र पर, **1** से **4** तक चिह्नित क्षेत्रों और स्थानों के लिए जलवायु के प्रकार को पहचानिए।

1. यह क्षेत्र अपने उच्च अक्षांश और ऊँचाई के कारण ठण्डा और बर्फीला रहता है। (उदाहरण—हिमालयन क्षेत्र-लेह)

2. एक गर्म और शुष्क क्षेत्र जहाँ वर्षा दुर्लभ है। (उदाहरण— थार मरुस्थल-जैसलमेर)

3. एक तटीय क्षेत्र जो वर्ष के अधिकांश समय गर्म और आर्द्र रहता है। (उदाहरण—पश्चिमी तट-मुंबई या केरल)

4. एक बड़ा अंतर्देशीय क्षेत्र जहाँ गर्म ग्रीष्म ऋतु और हल्की शीत ऋतु होती है, जो मानसूनी वर्षा पर निर्भर है। (उदाहरण: मध्य भारत/दक्कन का पठार-हैदराबाद या नागपुर)

उत्तर— **1.** लेह (हिमालय क्षेत्र) **2.** थार का मरुस्थल (जैसलमेर) **3.** पश्चिमी तट (केरल मुम्बई) **4.** मध्य भारत (दक्कन का पठार)

4 नवारंभ : नगर और राज्य

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. अध्याय के आरंभ में दिए गए उद्धरण पर विचार करें और समूह में चर्चा करें। अपने निरीक्षणों तथा निष्कर्षों की तुलना करें कि कौटिल्य ने एक राज्य के लिए क्या अनुशंसा की थी? क्या यह आज की परिस्थिति से भिन्न है?

उत्तर— कौटिल्य के अर्थशास्त्र में राजा के प्राथमिक कर्तव्य (प्रजा-पालन), मजबूत शासन, कर प्रणाली और सप्तांग सिद्धांत (राजा, मंत्री, जनपद, दुर्ग, कोष, दंड, मित्र) की अनुशंसाएँ की गई हैं। अध्याय के आरंभिक उद्धरण और कौटिल्य के सिद्धांतों के आधार पर समूह-चर्चा के मुख्य बिंदु और निष्कर्ष निम्नलिखित हैं-

1. **कौटिल्य की अनुशंसाएँ (सप्तांग सिद्धांत)—** कौटिल्य के अनुसार, एक सुदृढ़ राज्य सात अंगों (स्वामी, अमात्य, जनपद, दुर्ग, कोश, दंड और मित्र) से मिलकर बनता है। उनकी मुख्य अनुशंसाएँ थीं—

(i) प्रजा का सुख— राजा का अपना कोई निजी सुख नहीं होता; प्रजा का सुख ही उसका सुख है।

(ii) मजबूत अर्थव्यवस्था— राज्य की शक्ति उसके खजाने में निहित है।

(iii) दंड नीति— न्याय और अनुशासन बनाए रखने के लिए कानून का कड़ाई से पालन।

(iv) सुरक्षा और गुप्तचर— राज्य की आंतरिक और बाहरी शत्रुओं से रक्षा के लिए एक कुशल गुप्तचर प्रणाली का होना अनिवार्य है।

2. आज की परिस्थिति से तुलना— (i) कौटिल्य का काल— (1) राजतंत्र (राजा सर्वोपरि था)। (2) राजा का धर्म प्रजा की सेवा था। (3) कृषि और व्यापार आजीविका के मुख्य आधार थे। (4) दुर्ग (किले) और पैदल सेना।

(ii) वर्तमान समय में— (1) लोकतंत्र (जनता द्वारा चुनी गई सरकार)। (2) आज भी सरकारें 'कल्याणकारी राज्य' के सिद्धांत पर कार्य करती हैं। (3) आज वैश्वीकरण, डिजिटल अर्थव्यवस्था और उद्योगों की प्रधानता है। (4) आधुनिक तकनीक, मिसाइलें और साइबर सुरक्षा।

निष्कर्ष— यद्यपि आज शासन का स्वरूप बदल गया है (राजतंत्र से लोकतंत्र), लेकिन कौटिल्य के मूल सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं।

(i) समानता— आज भी किसी देश की शक्ति उसकी अर्थव्यवस्था (कोश) और न्याय व्यवस्था (दंड) पर टिकी है।

(ii) भिन्नता— आज मानवाधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अधिक बल दिया जाता है, जबकि कौटिल्य के समय राज्य की सुरक्षा के लिए कठोर नियंत्रण को प्राथमिकता दी जाती थी। अत: कौटिल्य की अनुशंसाएँ आज भी प्रशासनिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाती हैं।

प्रश्न 2. पाठ के अनुसार प्रारंभिक वैदिक समाज में शासकों का चयन कैसे किया जाता था?

उत्तर— प्रारंभिक वैदिक समाज (ऋग्वैदिक काल लगभग 1500–1000 ईसा पूर्व) में शासकों का चयन कबीले के लोगों द्वारा उनकी योग्यता, वीरता और युद्ध क्षमता के आधार पर किया जाता था। राजा वंशानुगत नहीं होते थे, बल्कि सभा, समिति, विदथ और गण जैसी जनजातीय सभाओं के माध्यम से उनका चयन होता था, जो आम सहमति पर आधारित प्रक्रिया थी।

प्रश्न 3. कल्पना कीजिए कि आप प्राचीन भारत के इतिहास का अध्ययन करने वाले एक इतिहासकार हैं। महाजनपदों के विषय में अधिक जानकारी हेतु आप कौन-कौन से स्रोतों (पुरातात्विक, साहित्यिक इत्यादि) का उपयोग करेंगे? प्रत्येक स्रोत से आपको क्या जानकारी प्राप्त हो सकती है, वर्णन करें।

उत्तर— एक इतिहासकार के रूप में, मैं 16 महाजनपदों (छठी ईसा पूर्व) के अध्ययन के लिए मुख्य रूप से बौद्ध ग्रंथ (अंगुत्तर निकाय), जैन ग्रंथ (भगवती सूत्र) और पुरातात्विक साक्ष्यों (उत्तरी काले चमकीले मृद्‌भांड) का उपयोग करूँगा। साहित्यिक साक्ष्य राजनीतिक संरचना (राजतंत्र या गणतंत्र) बताएँगे, जबकि पुरातत्व स्थलों (वैशाली, राजगृह) की खुदाई से नगरीकरण, बस्तियों की योजना और आर्थिक स्थिति का पता चलेगा।

इतिहास की जानकारी के स्रोतों का विवरण -

1. साहित्यिक स्रोत—(i) बौद्ध ग्रंथ (अंगुत्तर निकाय— ये 16 महाजनपदों की सबसे स्पष्ट सूची प्रदान करते हैं और उस समय की सामाजिक-राजनीतिक स्थिति (जैसे लिच्छवि का गणराज्य होना) को समझने में मदद करते हैं।

(ii) जैन ग्रंथ (भगवती सूत्र)— यह भी महाजनपदों के बारे में जानकारी देते हैं और महावीर के विहार के समय के विभिन्न राज्यों का वर्णन करते हैं।

(iii) पाणिनि की अष्टाध्यायी— यह पाँचवीं शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास के महाजनपदों की भाषाई और भौगोलिक जानकारी देती है।

(iv) कौटिल्य का अर्थशास्त्र— यद्यपि यह बाद की अवधि का है, लेकिन यह शासन व्यवस्था, कर प्रणाली और राजतंत्र के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है।

2. पुरातात्विक स्रोत— (i) **उत्तरी काले चमकीले मृद्‌भांड—** इस काल की प्रमुख विशेषता, जो व्यापक व्यापार और समृद्ध भौतिक संस्कृति को दर्शाती है।

(ii) उत्खनन स्थल— राजगृह (मगध), वैशाली (वज्जि), तक्षशिला (गांधार) और श्रावस्ती (कोसल) की खुदाई से नगर नियोजन, किलेबंदी और प्रशासनिक इमारतों के प्रमाण मिलते हैं।

(iii) सिक्के— महाजनपद काल के शुरुआती सिक्कों से आर्थिक विकास, विनिमय के माध्यम और व्यापारिक संजाल (नेटवर्क) की जानकारी मिलती है।

3. अन्य स्रोत— बाद के समय के यूनानी लेखकों के विवरण, जो सिकंदर के आक्रमण के समय उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों (जैसे कम्बोज) का उल्लेख करते हैं।

इन स्रोतों के संयोजन से, मैं महाजनपदों की राजनीतिक व्यवस्था, नगरीकरण की शुरुआत, लोहे का प्रयोग और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों का पुनर्निर्माण कर सकूँगा।

प्रश्न 4. प्रथम सहस्राब्दी सामान्य संवत् पूर्व (सा. सं. पू.) में नगरीकरण हेतु लौह धातु-विज्ञान का विकास इतना महत्वपूर्ण क्यों था? उत्तर देने हेतु आप पाठ में दिए गए तथ्यों के साथ-साथ अपनी जानकारी या कल्पना का भी उपयोग कर सकते हैं।

उत्तर— प्रथम शताब्दी ईसा पूर्व (और उससे कुछ समय पहले, लगभग 600 ईसा पूर्व से) के आसपास भारत में नगरीकरण (द्वितीय नगरीकरण) के लिए लौह धातु विज्ञान का

विकास अत्यंत महत्वपूर्ण था, क्योंकि इसने— कृषि, युद्ध और शिल्प में क्रांतिकारी परिवर्तन किए, जिससे एक बड़ा आर्थिक अधिशेष उत्पन्न हुआ।

इसके मुख्य कारण निम्नलिखित हैं-

(i) कृषि उत्पादकता में भारी वृद्धि- लोहे के औजारों, विशेष रूप से हल की फाल, कुदाल और हँसिये के उपयोग से गंगा के मैदानी इलाकों की कठोर मिट्टी को जोतना आसान हो गया। इसने कृषि योग्य भूमि का विस्तार किया और अनाज के उत्पादन में अतिरिक्त वृद्धि की, जो शहरी आबादी के भरण-पोषण के लिए आवश्यक थी।

(ii) घने जंगलों की कटाई— लौह कुल्हाड़ियों के विकास ने गंगा घाटी के घने जंगलों को साफ करने में मदद की, जिससे खेती योग्य जमीन उपलब्ध हुई और बस्तियों का विस्तार हुआ।

(iii) सैन्य श्रेष्ठता और साम्राज्य निर्माण— लोहे के उन्नत हथियारों (जैसे- तलवारें, भाले) और कवच ने युद्ध के तरीकों को बदल दिया, जिससे महाजनपदों और मगध जैसे शक्तिशाली राज्यों के निर्माण में मदद मिली।

(iv) शिल्प और तकनीकी विकास— लोहे के उपकरणों से बढ़ईगिरी, रथ निर्माण और अन्य शिल्पों में विशेषज्ञता आई, जिससे व्यापार में वृद्धि हुई और व्यापारिक नगरों का विकास हुआ।

(v) व्यापार और बस्तियों का विस्तार— लोहे की उपलब्धता ने आवागमन के साधनों में सुधार किया और नयी बस्तियाँ बसने से शहरीकरण को बढ़ावा मिला, जिसे अक्सर उत्तरी काले चमकीले मृदभांड चरण से जोड़ा जाता है।

संक्षेप में, लोहे ने उत्पादकता और युद्ध क्षमता को बढ़ाकर ग्रामीण आधारित समाज को शहरी और जटिल राजनीतिक संरचना में बदलने में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. जनपद शब्द का तात्पर्य है :
(अ) एक पवित्र ग्रंथ
(ब) एक किलेबंद शहर
(स) एक विशाल अधिवासित क्षेत्र
(द) एक शासक की उपाधि

2. इनमें से कौन-सा एक शक्तिशाली महाजनपद था?
(अ) धौलावीरा (ब) मगध
(स) उज्जैन (द) तक्षशिला

3. आहत सिक्कों का मुख्य उपयोग क्या था?
(अ) धार्मिक चढ़ावा (ब) सजावट
(स) व्यापार और विनिमय (द) ये सभी

4. **1000** ईसा पूर्व के बाद उपकरणों और हथियारों में किस धातु का व्यापक रूप से उपयोग होने लगा?
(अ) ताँबा (ब) चाँदी
(स) कांस्य (द) लोहा

5. गंगा घाटी मुख्य रूप से क्यों प्रसिद्ध है?
(अ) बंदरगाह (ब) वन आवरण
(स) कृषि विस्तार (द) मंदिर निर्माण

6. निम्नलिखित में से कौन-सा इस अवधि में विकसित हुआ एक दक्षिणी राज्य है?
(अ) चोल (ब) पाटलिपुत्र
(स) हस्तिनापुर (द) वाराणसी

7. शासकों को सेनाएँ रखने और शहर बनाने में किसने मदद की?
(अ) वस्तु-विनिमय प्रणाली
(ब) आहत सिक्के
(स) केवल विदेशी व्यापार
(द) मुफ्त सेवाएँ

8. वर्ण व्यवस्था में कितने मुख्य समूह शामिल थे?
(अ) तीन (ब) चार
(स) छह (द) दो

9. जाति क्या है?
(अ) एक योद्धा वर्ग
(ब) एक कर प्रणाली
(स) एक व्यवसाय-आधारित समुदाय
(द) एक प्रकार का किला

10. कौन-सा मार्ग उत्तरी-पश्चिमी भारत को पूर्वी गंगा के मैदानों से जोड़ता थ?
(अ) दक्षिणापथ (ब) आर्यावर्त
(स) उत्तरापथ (द) देशपथ

उत्तर— **1.** (स), **2.** (ब), **3.** (स), **4.** (द), **5.** (स), **6.** (अ), **7.** (ब), **8.** (ब), **9.** (स), **10.** (स)

रिक्त स्थान पूर्ति

1. .... के उपकरणों के उपयोग ने जंगल साफ करने और खेती का विस्तार करने में योगदान दिया है।

2. अधिकांश आहत सिक्के .... के बने होते थे।
3. जनपद शब्द का अर्थ एक जनजाति का .... है।
4. .... (तोशली) प्राचीन कलिंग का एक महत्वपूर्ण शहर था।
5. .... एक जाति के भीतर छोटे समूह होते थे।

उत्तर– **1.** लोहे, **2.** चाँदी, **3.** अधिवास/ठिकाना, **4.** शिशुपालगढ़, **5.** उपजातियाँ।

सत्य-असत्य कथन

1. सभी प्राचीन भारतीय शहर हड़प्पा सभ्यता वाले शहरों की तरह योजनाबद्ध थे।
2. दक्षिणापथ एक व्यापार मार्ग था, जो दक्षिण की ओर जाता था।
3. प्राचीन भारत में मध्यकाल से पहले कभी भी सिक्कों का उपयोग नहीं किया गया था।
4. वर्ण–जाति प्रणाली समय के साथ और कठोर होती गई।
5. कुछ शहरों में मजबूत किलेबंदी और अच्छी तरह से योजनाबद्ध सड़कें होती थीं।

उत्तर– **1.** असत्य **2.** सत्य **3.** असत्य **4.** सत्य **5.** सत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1.	मगध	(अ) आहत सिक्कों का उपयोग
2.	लोहे के उपकरण	(ब) दक्षिणापथ का प्रारंभिक शहर
3.	कौशांबी	(स) कृषि के विस्तार में सहायक
4.	जाति	(द) व्यवसाय–आधारित समुदाय
5.	नगरीय अर्थव्यवस्था	(य) महाजनपद

उत्तर– **1.** (य), **2.** (स), **3.** (ब), **4.** (द), **5.** (अ)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. महाजनपद शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर– महाजनपद का अर्थ है "महान बस्ती/राज्य", जो छोटे जनपदों के मिलने से बना होता था।

2. इस अवधि के दौरान पूर्वी भारत में विकसित हुए किसी एक शहर का नाम बताइए।

उत्तर– शिशुपालगढ़ (कलिंग में)।

3. आहत सिक्कों से क्या तात्पर्य है?

उत्तर– प्रतीकों से अंकित प्रारंभिक भारतीय सिक्के, जिनका उपयोग व्यापार के लिए होता था।

4. इस अवधि में लोहे के उपकरण क्यों महत्वपूर्ण थे?

उत्तर– पत्थर/कांसे से अधिक मजबूत और तेज होने तथा जंगल साफ करने और खेती के लिए उपयुक्त होने के कारण।

5. जाति, वर्ण से किस प्रकार भिन्न थी?

उत्तर– वर्ण एक व्यापक सामाजिक विभाजन था जबकि जाति वर्णों के भीतर एक छोटा व्यवसाय–आधारित समुदाय था।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।
(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।
(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।
(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A) :** लोहे के उपकरणों ने बस्तियों और कृषि के विस्तार में मदद की थी।
   कारण (R) : लोहा, पत्थर और कांस्य से मजबूत होता है और जमीन साफ करने के लिए अधिक प्रभावी होता है।

उत्तर– (अ) (A) व (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

2. **कथन (A) :** जाति विशेष पेशे या जीविका से सम्बन्धित लोगों का समूह था।
   कारण (R) : वर्ण की अवधारणा प्रारंभिक वैदिक ग्रंथों से आई है।

उत्तर– (ब) (A) व (R) दोनों सही हैं किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

"कुछ शहर विशाल दीवारों से घिरे हुए थे और उनमें चौकोर या आयताकार प्रारूप में बनी चौड़ी सड़कें थीं। ये व्यापार और प्रशासन के केंद्र थे और अक्सर लेन-देन के लिए सिक्कों का उपयोग करते थे।''

1. दीवारों से शहरों को मजबूत करने का उद्देश्य क्या था?
(अ) सजावट (ब) सुरक्षा
(स) धार्मिक कारण (द) फसल उगाना

2. कुछ शहरों का प्रतिरूप किस पर आधारित था?
(अ) गोलाकार आकृतियाँ
(ब) त्रिकोणीय प्रतिरूप
(स) योजनाबद्ध जालीनुमा
(द) प्राकृतिक जंगल

3. उस समय के शहरों में सिक्के क्यों महत्वपूर्ण थे?
(अ) केवल कर चुकाने के लिए
(ब) आसान व्यापार के लिए
(स) मंदिरों को सजाने के लिए
(द) रीति-रिवाजों के लिए

उत्तर– **1.** (ब) सुरक्षा, **2.** (स) योजनाबद्ध जालीनुमा, **3.** (ब) आसान व्यापार के लिए।

मानचित्र कार्य

प्राचीन भारत के रेखा मानचित्र पर नीचे दिए गए महाजनपदों या महत्वपूर्ण शहरों की पहचान करें और उन्हें प्रदर्शित करें।

1. पूर्व में स्थित एक शक्तिशाली महाजनपद जो अपनी राजधानी राजगृह के लिए प्रसिद्ध था।

2. वज्जि महाजनपद की राजधानी, जो अपनी प्रारंभिक लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए जानी जाती थी।

3. गंगा घाटी में स्थित एक प्रमुख शहर और महाजनपद की राजधानी (आज के प्रयागराज के पास) जो व्यापार के लिए महत्वपूर्ण था।

4. एक किलेबंद पूर्वी शहर जिसमें अच्छी तरह से योजनाबद्ध सड़कें थीं, जो वर्तमान ओडिशा में स्थित है।

उत्तर– **1.** मगध (बिहार) **2.** वैशाली (बिहार) **3.** कौशाम्बी (उत्तर प्रदेश) **4.** शिशुपालगढ़ (ओडिशा)।

5 साम्राज्यों का उदय

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. साम्राज्य की विशेषताएँ क्या हैं और यह राज्य से किस प्रकार भिन्न है? इसकी व्याख्या कीजिए।

उत्तर– साम्राज्य की मुख्य विशेषताएँ– (i) अनेक छोटे राज्यों या क्षेत्रों का संघ होता है। (ii) एक शक्तिशाली सम्राट या शासक-समूह शासन करता है। (iii) छोटे क्षेत्रों के अपने राजा होते हैं, लेकिन वे सम्राट के अधीन होते हैं। (iv) राजधानी से संपूर्ण साम्राज्य का संचालन होता है। (अ) सम्राट को 'राजाधिराज' या 'सर्वोच्च शासक' कहा जाता है।

साम्राज्य और राज्य में निम्नलिखित अंतर हैं–

राज्य	साम्राज्य
(i) अपेक्षाकृत छोटा क्षेत्र	(i) विशाल भूभाग पर फैला हुआ
(ii) एक भाषा, संस्कृति वाले लोग	(ii) अनेक भाषाएँ, संस्कृतियाँ, परंपराएँ
(iii) एक ही प्रकार की प्रजा	(iii) विविध जातियों और समुदायों के लोग
(iv) सीमित संसाधन	(iv) व्यापक संसाधन और विविधता

प्रश्न 2. राज्यों से साम्राज्यों में परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण कारक क्या हैं?

उत्तर– राज्यों से साम्राज्यों में परिवर्तन के लिए निम्नलिखित कारक महत्वपूर्ण थे–

1. शक्तिशाली सेना– पड़ोसी राज्यों को जीतने और सीमाओं की सुरक्षा के लिए।

2. प्रचुर संसाधन– उपजाऊ भूमि, वन, खनिज, विशेषकर लौह अयस्क।

3. व्यापार और आर्थिक समृद्धि– कर राजस्व में वृद्धि।

4. भौगोलिक स्थिति– नदियाँ परिवहन और सिंचाई के लिए।

5. कुशल प्रशासन– कौटिल्य जैसे रणनीतिकारों की सलाह।

6. सैन्य तकनीक– लोहे के हथियार और रथ।

7. कृषि उत्पादन में वृद्धि– लोहे के हल से अधिक उपज।

प्रश्न 3. सिकंदर (एलेक्जेंडर) को विश्व इतिहास में एक महान शासक माना जाता है, आपके विचार से ऐसा क्यों है?

उत्तर– सिकंदर (एलेक्जेंडर) को महान शासक माने जाने के कारण निम्नलिखित हैं–

1. उसने मात्र 32 वर्ष की आयु तक एक विशाल साम्राज्य स्थापित किया।

2. उसने ग्रीक संस्कृति को एशिया तक फैलाया।

3. उसकी सैन्य रणनीतियाँ अद्वितीय थीं।

4. उसने विभिन्न संस्कृतियों के मेल को बढ़ावा दिया।

5. उसने भारतीय दार्शनिकों के साथ संवाद किया और उनका सम्मान किया।

6. उसके अभियानों ने पूर्व और पश्चिम के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान के द्वार खोले।

प्रश्न 4. प्रारंभिक भारतीय इतिहास में मौर्य वंश को महत्वपूर्ण माना जाता है। कारण बताएँ।

उत्तर– मौर्य वंश के महत्वपूर्ण होने के कारण–

1. प्रथम विशाल साम्राज्य– चंद्रगुप्त मौर्य ने भारत के बड़े भूभाग पर एकछत्र शासन स्थापित किया।

2. कुशल प्रशासन– कौटिल्य के अर्थशास्त्र के अनुसार व्यवस्थित प्रशासन था।

3. आर्थिक समृद्धि– सिक्कों का प्रचलन, व्यापार मार्गों का विकास किया।

4. अशोक का धम्म– अहिंसा और करुणा पर आधारित नीति को अपनाया।

5. कला और वास्तुकला– स्तंभ, स्तूप, गुफाओं का निर्माण कराया।

6. लेखन परंपरा– ब्राह्मी लिपि में शिलालेख लिखे गये।

7. अंतर्राष्ट्रीय संबंध– श्रीलंका, मध्य एशिया में धर्म प्रचार किया गया।

प्रश्न 5. कौटिल्य के कुछ प्रमुख विचार क्या थे? इनमें से कौन-से विचार आप आज भी आस-पास देख सकते हैं?

उत्तर– कौटिल्य के प्रमुख विचार–

1. सप्तांग सिद्धांत– राज्य के सात अंग– (i) स्वामी (राजा), (ii) अमात्य (मंत्री), (iii) जनपद (राज्य/भूभाग), (iv) दुर्ग (किला), (v) कोष (खजाना), (vi) दंड (सेना), (vii) मित्र (मित्र राष्ट्र)।

2. प्रजा कल्याण– ''प्रजा के सुख में राजा का सुख निहित है।''

3. भ्रष्टाचार पर नियंत्रण– कठोर दंड का प्रावधान किया गया।

4. नगर नियोजन– सुनियोजित नगरों की अवधारणा को विकसित किया गया।

5. कृषि और सिंचाई– तटबंधों और नहरों का निर्माण कराया गया।

आज भी दिखने वाले विचार– (i) भ्रष्टाचार नियंत्रण कानून, (ii) नगर नियोजन (सड़कें, जल निकासी), (iii) कृषि विकास योजनाएँ, (vi) प्रशासनिक ढाँचा, (v) लोक कल्याणकारी योजनाएँ।

प्रश्न 6. अशोक और उसके साम्राज्य के बारे में असाधारण बातें क्या थीं? उनमें से कौन-सी बातें आज भी भारत को प्रभावित करती रही हैं और क्यों? अपने विचार लगभग 250 शब्दों में लिखिए।

उत्तर– अशोक और उसके साम्राज्य की असाधारण बातें–

1. कलिंग युद्ध के बाद परिवर्तन– युद्ध में भीषण विनाश देखकर अशोक ने हिंसा का त्याग किया और बौद्ध धर्म अपनाया। यह किसी भी शासक का अद्वितीय निर्णय था।

2. धम्म नीति– उन्होंने अहिंसा, करुणा, सत्य, दया और सभी धर्मों के प्रति सहिष्णुता का संदेश दिया।

3. शिलालेखों के माध्यम से संदेशों का प्रचार-प्रसार– उन्होंने अपने संदेश जनसामान्य तक पहुँचाने के लिए चट्टानों और स्तंभों पर शिलालेख खुदवाए, जो प्राकृत भाषा और ब्राह्मी लिपि में थे।

4. प्रजा कल्याण– चिकित्सा सुविधाएँ, कुएँ, विश्राम गृह, छायादार वृक्ष लगवाना।

5. पशु कल्याण– पशुओं के प्रति क्रूरता पर प्रतिबंध, पशु चिकित्सा की व्यवस्था की गयी।

6. अंतर्राष्ट्रीय संबंध– श्रीलंका, थाईलैंड, मध्य एशिया में धर्म दूत भेजना।

आज भी भारत को प्रभावित करने वाली बातें–

1. राष्ट्रीय प्रतीक– सारनाथ स्तंभ का शीर्ष भाग भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाया गया।

2. धर्मचक्र– राष्ट्रीय ध्वज में धर्मचक्र अंकित है।

3. सत्यमेव जयते– यह आदर्श वाक्य मुंडक उपनिषद् से लिया गया है और राष्ट्रीय प्रतीक का हिस्सा है।

4. धार्मिक सहिष्णुता– सभी धर्मों के प्रति सम्मान की भावना आज भी भारत की पहचान है।

5. अहिंसा का आदर्श– महात्मा गांधी ने इसी सिद्धांत को अपनाया।

6. प्रजा कल्याण की अवधारणा– सरकार की कल्याणकारी योजनाएँ।

इस प्रकार, अशोक का शासन जन कल्याण और मानवता पर आधारित था, जो आज भी समाज के लिए आवश्यक है। उन्होंने धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा दिया, जो वर्तमान भारत के धर्मनिरपेक्ष संविधान में दिखाई देता है, जहाँ सभी धर्मों को समान अधिकार प्राप्त है। अत: अशोक की बातें आज भी भारत को प्रभावित करती रही हैं।

प्रश्न 7. ''देवताओं के प्रिय राजा पियदसी कहते हैं

...... मेरे धम्माधिकारी सार्वजनिक लाभ के लिए अनेक विषयों में व्यस्त हैं। वे सभी संप्रदायों के सदस्यों, तपस्वियों और गृहस्थों के बीच व्यस्त हैं।

मैंने कुछ को बौद्ध संघ, ब्राह्मणों और आजीवकों जैनियों..... और विभिन्न संप्रदायों के लिए नियुक्त किया है। अधिकारियों की अनेक श्रेणियाँ हैं और उनके कई प्रकार के कर्तव्य हैं। मेरे धम्माधिकारी इन और अन्य संप्रदायों के विषयों में व्यस्त हैं।''

अशोक के उपरोक्त शिलालेख को पढ़ने के उपरांत, क्या आपको लगता है कि वे अन्य धार्मिक विश्वासों और विचारधाराओं के प्रति सहिष्णु थे? अपने विचार कक्षा में साझा कीजिए।

उत्तर– हाँ, सम्राट अशोक निश्चित रूप से अन्य धार्मिक विश्वासों और विचारधाराओं के प्रति सहिष्णु थे। इसके प्रमाण निम्नलिखित हैं–

1. उन्होंने विभिन्न संप्रदायों के लिए अधिकारी नियुक्त किए– बौद्ध संघ, ब्राह्मण, आजीवक, जैन आदि।

2. वे चाहते थे कि सभी संप्रदाय एक-दूसरे की उचित शिक्षाओं को स्वीकार करें और उनका अध्ययन करें।

3. उनके धम्म का अर्थ केवल बौद्ध धर्म नहीं था, बल्कि नैतिक नियमों और कर्तव्यों का पालन था।

4. उन्होंने कभी भी किसी धर्म या संप्रदाय के खिलाफ कोई आदेश नहीं दिया।

5. उनका दृष्टिकोण था कि सभी धर्मों का सार एक ही है– सत्य, अहिंसा और करुणा।

प्रश्न 8. ब्राह्मी लिपि एक लेखन प्रणाली थी जिसका प्राचीन भारत में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता था। इस लिपि के बारे में अधिक जानने का प्रयास कीजिए। जहाँ भी आवश्यक हो, अपने शिक्षक से सहायता लीजिए। एक लघु कार्य परियोजना बनाएँ और इस दौरान आपने ब्राह्मी लिपि के बारे में जो कुछ भी सीखा, उसे संलग्न कीजिए। परियोजना बनाएँ।

उत्तर– ब्राह्मी लिपि भारत की सम्पूर्ण भाषाओं की जननी मानी गयी है। यह लिपि भारत की सबसे प्राचीन लिपि है। सम्राट अशोक के अधिकांश शिलालेख ब्राह्मी लिपि में लिखे गए हैं। ब्राह्मी लिपि बाएँ से दाएँ लिखी जाने वाली एक ध्वन्यात्मक व मात्रात्मक लिपि है। इसमें व्यंजन मुख्य होते हैं जो मात्राओं के रूप में जुड़ते हैं। इनमें वर्णों का क्रम वैज्ञानिक है जो आधुनिक भारतीय लिपियों के समान ही है। ये लिपि दक्षिण-पूर्व एशिया की कई लिपियों का आधार रही है।

लघु कार्य परियोजना: ब्राह्मी लिपि

1. ब्राह्मी लिपि– ये भारत की प्राचीनतम लेखन प्रणालियों में से एक है। इसका व्यापक प्रयोग मौर्य काल में हुआ। विद्वान इसे भारत की आधुनिक लिपियों की जननी मानते हैं।

2. विशेषताएँ–(अ) यह लिपि स्वरों तथा व्यंजनों के संयोग से लिखी जाती है।

(ब) यह लिपि बाएँ से दाएँ लिखी जाती है।

(स) यह सबसे प्राचीन लिपि है।

3. उपयोग–अशोक स्तंभों, बौद्ध ग्रंथों तथा ताम्रपत्रों में इसी लिपि का उपयोग हुआ है। इसे व्यापारिक दस्तावेजों तथा प्रशासनिक आदेशों में भी प्रयोग किया गया।

4. आधुनिक प्रभाव–इस लिपि का प्रभाव आज भी- देवनागरी, बंगाली, तमिल, कन्नड़ लिपियों में देखा जाता है।

प्रश्न 9. मान लीजिए कि आपको तीसरी शताब्दी सा.सं.पू. में कौशांबी से कावेरीपट्टनम की यात्रा करनी है। आप यह यात्रा कैसे करेंगे? इस यात्रा के दौरान आप कहाँ-कहाँ ठहरेंगे और आपको इसमें कितना समय लगेगा?

उत्तर– यात्रा मार्ग और समय–

1. प्रारंभ– कौशांबी (वर्तमान उत्तर प्रदेश), **2. पहला पड़ाव–** पाटलिपुत्र (पटना)-7 दिन, **3. दूसरा पड़ाव–** वाराणसी-5 दिन, **4. तीसरा पड़ाव–** उज्जयिनी (उज्जैन)- 15 दिन, **5. चौथा पड़ाव–** प्रतिष्ठान (पैठण)- 12 दिन, **6. पाँचवाँ पड़ाव–** मैसूर पठार- 10 दिन, **7. अंतिम पड़ाव–** कावेरीपट्टनम- 8 दिन, यात्रा का कुल समय– लगभग 57 दिन (लगभग 2 महीने)।

यात्रा के साधन– (i) स्थल मार्ग– बैलगाड़ी, घोड़े, पैदल। **(ii) जल मार्ग–** नदियों में नावें।

रुकने के स्थान– (i) सराय (विश्राम गृह), (ii) व्यापारिक केंद्र, (iii) राजकीय आतिथ्य गृह, (iv) गाँवों में।

सुविधाएँ– (i) अशोक द्वारा बनवाए गए विश्राम गृह, (ii) कुएँ और छायादार वृक्ष, (iii) सुरक्षित मार्ग।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. अशोक ने यह दिखाने के लिए कि वह ''देवताओं का प्रिय'' है, कौन-सी उपाधि ग्रहण की थी?
(अ) संवत
(ब) देवानामपिय पियदसी
(स) राजाधिराज (द) अधिराज

2. कौन-सी धातु ने बिम्बिसार और अजातशत्रु के अधीन मगध को शक्तिशाली बनने में मदद की?
(अ) ताँबा (ब) लोहा
(स) सोना (द) कांस्य

3. अर्थशास्त्र के ''सात स्तंभ'' (सप्तांग) में शामिल नहीं है :
(अ) शासक (ब) कोष
(स) न्यायपालिका (द) सहयोगी

4. श्रेणियाँ (गिल्ड्स) किसके संघ थे :
(अ) सैनिक (ब) पुजारी
(स) व्यापारी और शिल्पकार
(द) केवल किसान

5. सिकंदर से मिलने के बाद पोरस को किस नदी के पास एक क्षत्रप के रूप में शासक बने रहने की अनुमति दी गई थी?
(अ) हाइडेस्पीज (झेलम)
(ब) गौगामेला
(स) बोस (द) सिंधु

6. मेगस्थनीज ने **इंडिका** में किसका विवरण लिखा था?
(अ) मौर्य साम्राज्य में जीवन
(ब) कलिंग युद्ध
(स) मगध में कर नियम
(द) यूनानी नगर-राज्य

7. इतिहासकार निम्नलिखित में से किसे एक महान संचारक कहते हैं :
(अ) चंद्रगुप्त मौर्य (ब) चाणक्य
(स) अशोक (द) मेगस्थनीज

8. मौर्य साम्राज्य लगभग किस समय तक पूरी तरह से विघटित हो गया था?
(अ) **232** ईसा पूर्व (ब) **185** ईसा पूर्व
(स) **321** ईसा पूर्व (द) **600** ईसा पूर्व

9. अशोक के शिलालेखों में ''धम्म'' किसको संदर्भित करता है :
(अ) सैन्य विजय
(ब) नैतिक कर्त्तव्य और व्यवस्था
(स) कर संग्रह
(द) अनाज भंडारण

10. अशोक ने प्रमुख सड़कों के किनारे क्या स्थापित किए?
(अ) किलेबंद दीवारें
(ब) विश्राम गृह और कुएँ
(स) मीनारें
(द) बाजार के स्टॉल

उत्तर– 1. (ब), **2.** (ब), **3.** (स), **4.** (स), **5.** (अ), **6.** (अ), **7.** (स), **8.** (ब), **9.** (ब), **10.** (ब)

रिक्त स्थान पूर्ति

1. पहला महान भारतीय साम्राज्य .... मौर्य ने स्थापित किया था।

2. कौटिल्य की राजनीति पर आधारित पुस्तक को .... कहा जाता है।

3. श्रेणियाँ बाजारों के बारे में जानकारी साझा करती थीं और अपने स्वयं के .... निर्धारित करती थीं।

4. अशोक के शिलालेख .... भाषा में लिखे गए थे और .... लिपि में उत्कीर्ण किए गए थे।
5. ''सत्यमेव जयते'' का आदर्श वाक्य .... उपनिषद से लिया गया है।

उत्तर– **1.** चंद्रगुप्त, **2.** अर्थशास्त्र, **3.** नियम, **4.** प्राकृत, ब्राह्मी, **5.** मुंडक।

सत्य-असत्य कथन

1. चंद्रगुप्त मौर्य ने मौर्य साम्राज्य बनाने के लिए दक्षिण-पूर्व में सिकंदर के उत्तराधिकारियों को हराया।
2. सोहगौरा ताम्रपत्र अकाल रोकने के लिए एक अन्नागार के निर्माण के बारे में जानकारी देता है।
3. सम्राट के शासन में श्रेणियों को अपने स्वयं के नेता चुनने की अनुमति नहीं थी।
4. अशोक ने धम्म प्रचारक श्रीलंका और मध्य एशिया तक भेजे।
5. एक मजबूत शासक हमेशा एक साम्राज्य को प्राकृतिक आपदाओं से प्रतिरक्षित बना देता था।

उत्तर– **1.** असत्य **2.** सत्य **3.** असत्य **4.** सत्य **5.** असत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1.	सम्राट	(अ) यूनानी राजदूत
2.	मेगस्थनीज	(ब) ''राजाओं का राजा''
3.	राजाधिराज	(स) अशोक द्वारा प्रयुक्त उपाधि
4.	क्षत्रप	(द) भारत का प्रारंभिक यूनानी विवरण
5.	इंडिका	(य) सिकंदर के अधीन प्रांतीय गवर्नर

उत्तर– **1.** (स), **2.** (अ), **3.** (ब), **4.** (य), **5.** (द)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. पाणिनि की प्रसिद्ध पुस्तक का क्या नाम है?

उत्तर– अष्टाध्यायी यह संस्कृत व्याकरण पर पाणिनी की प्रसिद्ध पुस्तक है।

2. प्राचीन व्यापारियों ने श्रेणियाँ क्यों बनाईं?

उत्तर– व्यापार में सहयोग करने, मानक तय करने और सदस्यों के हितों की रक्षा करने के लिए।

3. पशु कल्याण के लिए अशोक द्वारा आदेशित दो सार्वजनिक कार्यों के नाम बताएँ।

उत्तर– अशोक ने क्रूर शिकार पर प्रतिबंध लगाया और लोगों तथा जानवरों दोनों के लिए अस्पताल स्थापित किए।

4. अशोक के बाद मौर्य साम्राज्य के पतन का मुख्य कारण क्या था?

उत्तर– कमजोर उत्तराधिकारी और दूर के प्रांतों का अलग हो जाना।

5. शक्तिशाली बनने के लिए मगध ने अपने प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कैसे किया? इसका एक उदाहरण दीजिए।

उत्तर– मगध ने हथियार बनाने के लिए लोहे और तांबे का इस्तेमाल किया तथा कृषि के लिए उपजाऊ भूमि व नदी घाटियों तथा विशाल सेना और विकास के लिए बड़ी जनसंख्या का प्रयोग किया था।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A) :** मौर्यों ने व्यापार मार्गों के सहारे विश्राम गृह बनवाए।
   कारण (R) : वे सुनिश्चित करना चाहते थे कि व्यापारियों के पास आराम करने के लिए सुरक्षित स्थान हों।

उत्तर– (अ) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **कथन (A) :** अशोक ने अपने साम्राज्य में पशु बलि के सभी रूपों को प्रतिबंधित कर दिया था।
   कारण (R) : उनका मानना था कि जीवित प्राणियों के विरुद्ध हिंसा धम्म के विरुद्ध है।

उत्तर– (अ) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

"यहाँ गिरनार की पहाड़ियों में मैंने क्रूर शिकार पर प्रतिबंध लगा दिया है और बीमार जानवरों और यात्रियों के लिए सुविधाएँ स्थापित की हैं। कोई भी प्राणियों को न मारे। सभी दया के नियम का पालन करें।"

1. इस शिलालेख को किस सम्राट ने बनवाया था?
(अ) चंद्रगुप्त मौर्य (ब) बिम्बिसार
(स) अशोक (द) घनानंद

2. यह शिलालेख किस मुख्य सिद्धांत को दर्शाता है?
(अ) कर संग्रह (ब) सैन्य रणनीति
(स) कल्याण और अहिंसा (द) कर सुधार

3. चट्टानों और स्तंभों पर शिलालेख खुदवाना संचार का एक प्रभावी तरीका क्यों था?
(अ) यह आगंतुकों को प्रभावशाली लगता था।
(ब) इससे दूतों की आवश्यकता नहीं पड़ती थी।
(स) यह टिकाऊ व स्थायी था और इसे सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित किया जा सकता था।
(द) इससे स्याही और कागज की बचत होती थी।

उत्तर– **1.** (स) अशोक **2.** (स) कल्याण और अहिंसा **3.** (स) यह अधिक टिकाऊ, स्थायी और सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित किए जा सकता था।

मानचित्र कार्य

भारत के रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण स्थानों को ढूँढ़ें और चिह्नित करें जिन्होंने साम्राज्यों के उदय को आधार प्रदान किया था।

1. पूर्व में वह शक्तिशाली राज्य जो पहले प्रमुख साम्राज्य की नींव बना।

2. वह क्षेत्र जिसकी विजय के बाद एक महान सम्राट ने हिंसा का त्याग किया और धम्म अपनाया।

3. वह स्थान जहाँ एक प्रसिद्ध सिंह चतुर्मुख स्तंभ स्थापित किया गया था, जो अब भारत का राष्ट्रीय प्रतीक है।

4. एक प्रमुख शिलालेख का स्थान जिसने सम्राट का संदेश उसकी प्रजा तक फैलाया।

उत्तर– **1.** पाटलिपुत्र (बिहार), **2.** कलिंग (ओडिशा), **3.** सारनाथ (उत्तर प्रदेश), **4.** गिरनार (गुजरात)।

6 पुनर्गठन का काल

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. मौर्योत्तर काल को पुनर्गठन का काल क्यों कहा जाता है?

उत्तर– मौर्योत्तर काल (लगभग 185 ईसा पूर्व से तीसरी शताब्दी ईस्वी तक) को 'पुनर्गठन का काल' कहने के निम्नलिखित कारण हैं–

1. राजनीतिक पुनर्गठन– मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद अनेक नए राजवंशों का उदय हुआ– शुंग, सातवाहन, चेदि, चोल, चेर, पांड्य, इंडो-ग्रीक, शक, कुषाण आदि।

2. क्षेत्रीय शक्तियों का उदय– मौर्य साम्राज्य के अधीन रहे क्षेत्रों ने स्वतंत्र राज्य स्थापित किए और आपसी प्रतिस्पर्धा में एक-दूसरे से संघर्ष किया।

3. प्रशासनिक पुनर्गठन– प्रत्येक नए राजवंश ने अपनी प्रशासनिक व्यवस्था विकसित की, जो स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप थी।

4. सांस्कृतिक पुनर्गठन– विभिन्न क्षेत्रों में कला, साहित्य, वास्तुकला की नई शैलियाँ विकसित हुईं– भरहुत स्तूप, गांधार कला, मथुरा कला।

5. आर्थिक पुनर्गठन– व्यापार मार्गों का पुनर्गठन हुआ, नए व्यापारिक केंद्र स्थापित हुए, सिक्कों का प्रचलन बढ़ा।

6. धार्मिक पुनर्गठन– वैदिक धर्म का पुनरुत्थान हुआ, साथ ही बौद्ध, जैन धर्म भी फलते-फूलते रहे। विभिन्न धार्मिक संप्रदायों का सह-अस्तित्व देखने को मिला।

7. सामाजिक पुनर्गठन– नए सामाजिक समूहों का उदय हुआ, श्रेणियों (गिल्ड) का महत्व बढ़ा, व्यापारी वर्ग समृद्ध हुआ।

इस प्रकार, यह काल राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से पुनर्गठन का युग था, जिसने भारतीय उपमहाद्वीप को एक नई दिशा प्रदान की।

प्रश्न 2. संगम साहित्य पर 150 शब्दों में एक लेख लिखिए।

उत्तर– संगम साहित्य– संगम साहित्य दक्षिण भारत का प्राचीनतम साहित्य है, जो तमिल भाषा में रचित है। यह लगभग 300 ईसा पूर्व से 300 ईसवी तक के काल में रचा गया था। 'संगम' शब्द का अर्थ है 'समिति' या 'सभा'- यह कवियों की उन सभाओं को संदर्भित करता है जहाँ ये रचनाएँ प्रस्तुत की गईं।

प्रमुख विशेषताएँ–

1. **दो मुख्य वर्ग–** अकम (प्रेम काव्य) और पुरम (युद्ध और वीरता काव्य)।
2. आठ संग्रह (एट्टुटोकै) और दस गीत (पट्टुपट्ट)।
3. **कुल रचनाएँ–** लगभग 2381 कविताएँ, 473 कवि।

ऐतिहासिक महत्व–

1. तत्कालीन समाज, संस्कृति, राजनीति की जानकारी।
2. चोल, चेर, पांड्य राजवंशों का वर्णन।
3. व्यापार, वाणिज्य, कृषि, नगरों का विवरण।
4. प्रेम, वीरता, उदारता जैसे मानवीय मूल्यों का चित्रण।
5. रोमन साम्राज्य के साथ व्यापार संबंधों के प्रमाण।

संगम साहित्य तमिल संस्कृति का अमूल्य खजाना है और दक्षिण भारत के इतिहास को समझने का प्रमुख स्रोत।

प्रश्न 3. इस अध्याय में उल्लिखित किन शासकों ने अपनी उपाधि में माता का नाम सम्मिलित किया? उन्होंने ऐसा क्यों किया?

उत्तर– माता का नाम उपाधि में सम्मिलित करने वाले शासक–

1. **गौतमीपुत्र शातकर्णी–** सातवाहन वंश के इस प्रमुख शासक का नाम उनकी माता गौतमी बलश्री के नाम पर रखा गया था।
2. **अन्य सातवाहन शासक–** सातवाहन वंश में प्रचलित परंपरा के अनुसार, राजकुमारों के नाम प्राय: उनकी माताओं के नाम पर रखे जाते थे।

माता का नाम उपाधि में शामिल करने के कारण–

1. **मातृसत्तात्मक परंपरा–** सातवाहन वंश में मातृसत्तात्मक परंपरा का प्रभाव था, जहाँ माता का महत्व अधिक माना जाता था।
2. **माता की प्रतिष्ठा–** गौतमी बलश्री जैसी रानियाँ अत्यंत शक्तिशाली और प्रभावशाली थीं। उन्होंने बौद्ध भिक्षुओं को भूमि दान दी और नासिक में महत्वपूर्ण शिलालेख खुदवाए।
3. **वंश परंपरा–** यह सातवाहन वंश की विशिष्ट परंपरा थी, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही थी।
4. **सामाजिक मान्यता–** इससे समाज में माता के प्रति सम्मान और महिलाओं की स्थिति का पता चलता है।
5. **राजनीतिक प्रभाव–** शक्तिशाली रानियों के राजनीतिक प्रभाव को स्वीकार करना।
6. **धार्मिक कारण–** माताएँ अक्सर धार्मिक कार्यों में सक्रिय रहती थीं, जिससे उनका सम्मान बढ़ता था।

यह परंपरा दर्शाती है कि सातवाहन काल में महिलाओं को सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त थी, और वे राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती थीं।

प्रश्न 4. इस अध्याय में वर्णित किसी एक राज्य जो आपको रोचक लगता है, के विषय में 250 शब्दों का एक लेख लिखिए। अपने कुछ राज्य का चयन क्यों किया? अपने लेख कक्षा में प्रस्तुत कीजिए और यह जानने का प्रयास कीजिए कि आपके सहपाठियों ने कौन-से राज्यों का सर्वाधिक चयन किया है।

उत्तर– सातवाहन साम्राज्य– दक्षिण भारत का गौरवशाली राजवंश सातवाहन वंश (लगभग 60 ईसा पूर्व - 225 ईस्वी) दक्षिण भारत के सबसे शक्तिशाली और दीर्घजीवी राजवंशों में से एक था। यह वंश मौर्योत्तर काल में उभरा और लगभग 300 वर्षों तक दक्कन के विशाल भूभाग पर शासन किया।

यह साम्राज्य मुख्यत: वर्तमान आंध्रप्रदेश, तेलंगाना तथा महाराष्ट्र के प्रदेशों में विस्तृत था। भिन्न-भिन्न समय पर इसकी राजधानी अनेक स्थानों पर रही जिसमें अमरावती और प्रतिष्ठान विशेष रूप से प्रसिद्ध थीं। ऐसा माना जाता है कि सातवाहनों के साम्राज्य में व्यापार और वाणिज्य बहुत फला-फूला।

भौगोलिक विस्तार– सातवाहन साम्राज्य का विस्तार पश्चिम में गुजरात से लेकर पूर्व में आंध्र प्रदेश

तक और उत्तर में मालवा से लेकर दक्षिण में कर्नाटक तक था।

व्यापारिक विस्तार–सातवाहनों के पास सक्रिय व्यापार तंत्र था जो रोमन साम्राज्य तक विस्तृत था। इस व्यापारिक गतिविधि में मसालों, वस्त्रों, चंदन और विलासिता की वस्तुएँ, जैसे–स्वर्णभूषित मोती, हाथीदाँत इत्यादि का व्यापार होता था जबकि सुगंधित मलहम जैसे उत्पादों का आयात किया जाता था। व्यापार पर लगने वाले कर एवं शुल्क राज्य की आय में वृद्धि करते थे।

प्रमुख शासक–

1. **सिमुक–** संस्थापक।

2. **गौतमीपुत्र शातकर्णी–** सबसे महान शासक, जिन्होंने शकों को पराजित किया।

3. **वासिष्ठीपुत्र पुलुमावी–** कला संरक्षक।

विशेषताएँ–

1. **मातृसत्तात्मक परंपरा–** राजाओं के नाम में माता का नाम शामिल (गौतमीपुत्र, वासिष्ठीपुत्र)।

2. **धार्मिक सहिष्णुता–** वैदिक धर्म के साथ बौद्ध और जैन धर्म का संरक्षण।

3. **व्यापार और वाणिज्य–** रोमन साम्राज्य के साथ समुद्री व्यापार, सिक्कों पर जहाज के चित्र।

4. **कला संरक्षण–** कार्ले गुफाएँ, नासिक गुफाएँ, अमरावती स्तूप।

रोचक तथ्य–

1. गौतमी बलश्री जैसी शक्तिशाली रानियों का प्रभाव।

2. नानेघाट गुफाओं में अश्वमेध यज्ञ का विवरण।

3. पीतलखोरा में एक सुनार द्वारा बनाई गई यक्ष मूर्ति।

4. आधुनिक अंकों के प्रारंभिक रूप का उपयोग।

(छात्र कक्षा में लेख प्रस्तुत करें व अन्य छात्रों से चर्चा करें।)

प्रश्न 5. कल्पना कीजिए कि आपको एक स्वतंत्र राज्य स्थापित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। आप कौन-सा राजचिह्न चुनेंगे और क्यों? आप एक शासक के रूप में कौन-सी उपाधि धारण करेंगे? अपने राज्य के विषय में एक लेख लिखिए जिसमें राज्य के मूल्य, नियमावली एवं विशिष्टताएँ सम्मिलित हों।

उत्तर– मेरा स्वप्निल राज्य– ''धर्मपुर''

राज्य का नाम– धर्मपुर (धर्म का नगर) **राजचिह्न–** मैं अपने राज्य का राजचिह्न एक वट वृक्ष (बरगद) के नीचे विराजमान सिंह और हाथी को चुनूँगा, जिसके ऊपर धर्मचक्र अंकित हो।

चयन के कारण–

1. **वट वृक्ष–** ज्ञान, स्थिरता और दीर्घायु का प्रतीक, जो सभी को छाया प्रदान करता है।

2. **सिंह–** साहस, शक्ति और न्याय का प्रतीक।

3. **हाथी–** बुद्धि, धैर्य और सेवा का प्रतीक।

4. **धर्मचक्र–** धर्म, सत्य और कर्तव्य का प्रतीक।

उपाधि– मैं ''प्रजापालक सम्राट'' की उपाधि धारण करूँगा।

राज्य का विवरण–

मूल मंत्र– 'प्रजासुखे सुखं राज्ञः' (प्रजा के सुख में राजा का सुख)

राज्य के मूल्य–

1. **सत्य और अहिंसा–** अशोक के धम्म से प्रेरित।

2. **धार्मिक सहिष्णुता–** सभी धर्मों का सम्मान।

3. **प्रकृति संरक्षण–** वन, वन्यजीवों की रक्षा।

4. **शिक्षा का प्रसार–** सभी के लिए निःशुल्क शिक्षा।

नियमावली–

1. सभी नागरिक समान, जाति-पाँति का भेदभाव नहीं।

2. महिलाओं को समान अधिकार।

3. भ्रष्टाचार पर कठोर दंड।

4. व्यापार और वाणिज्य को प्रोत्साहन।

5. कृषि के लिए सिंचाई की व्यवस्था।

प्रशासनिक व्यवस्था–

1. ग्राम स्तर पर पंचायतें। 2. नगरों में नगर सभाएँ। 3. महिलाओं के लिए आरक्षण। 4. नियमित निरीक्षण प्रणाली।

विशिष्टताएँ–

1. **शिक्षा केंद्र–** तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय।

2. **चिकित्सा सुविधाएँ–** सभी के लिए निःशुल्क चिकित्सा।

3. **सड़कें और विश्राम गृह–** यात्रियों के लिए सुविधाएँ।

4. **कला संरक्षण–** चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत का प्रोत्साहन।

यह राज्य सभी प्राणियों के कल्याण के लिए

समर्पित होगा, जहाँ प्रत्येक नागरिक सुखी और समृद्ध होगा।

प्रश्न 6. आपने मौर्योत्तर काल के वास्तुकलात्मक विकास के बारे में पढ़ा है। भारतीय उपमहाद्वीप के एक रेखांकित मानचित्र पर इस अध्याय में उल्लिखित कुछ स्थापत्य कलाओं के स्थान को चिह्नित कीजिए।

उत्तर–

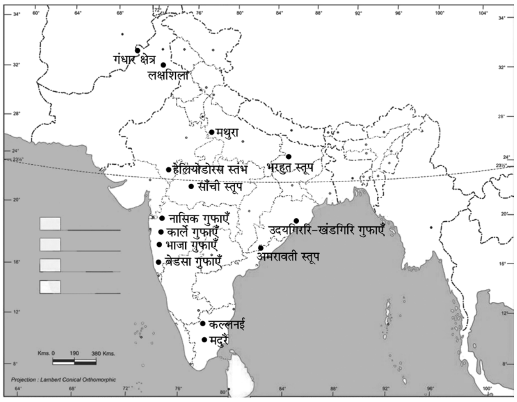

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ को किसने **185** ईसा पूर्व में गद्दी से हटाया था?
(अ) कनिष्क प्रथम (ब) पुष्यमित्र शुंग
(स) खारवेल (द) शातकर्णी प्रथम

2. ग्रैंड एनीकट (कल्लनई) दुनिया के सबसे पुराने सिंचाई बाँधों में से एक है। इसे किस राजा ने बनवाया था?
(अ) करिकाल चोल
(ब) गौतमीपुत्र शातकर्णी
(स) कुजुल कडफिसेस
(द) मेनांडर प्रथम

3. शक संवत पंचांग जिसे **1957** में भारत के राष्ट्रीय नागरिक कैलेंडर के रूप में अपनाया गया, किस वर्ष से शुरू होता है?
(अ) **78** ईसा पूर्व (ब) **127** ईस्वी
(स) **230** ईसा पूर्व (द) **185** ईसा पूर्व

4. कण्णगी और कोवलन की कहानी का सम्बन्ध किस महाकाव्य से है?
(अ) महाभारत (ब) रामायण
(स) सिलप्पदिकारम् (द) पट्टिनप्पलई

5. हेलियोडोरस स्तंभ का शिलालेख किस देवता की प्रशंसा ''देवों के देव'' के रूप में करता है?
(अ) शिव
(ब) वासुदेव (कृष्ण)
(स) बुद्ध (द) सूर्य

6. नानाघाट गुफा शिलालेख सबसे अधिक किसलिए प्रसिद्ध है :
(अ) बौद्ध चित्रफलक के लिए
(ब) प्रारंभिक ब्राह्मी अंक और भूमि अनुदान के लिए
(स) यूनानी शैली की मूर्तियों के लिए
(द) कुषाण युग की तिथियों के लिए

7. गांधार की मूर्तियाँ किससे तराशी गई हैं?
(अ) लाल बलुआ पत्थर से
(ब) चूना पत्थर से
(स) धूसर-काले सिस्ट से
(द) संगमरमर से

8. किस शासक ने कुंडलवन में चौथी बौद्ध संगीति बुलाई थी?
(अ) अशोक ने
(ब) पुष्यमित्र शुंग ने
(स) कनिष्क प्रथम ने
(द) शातकर्णी प्रथम ने

9. संगम साहित्य में ''संगम'' शब्द का अर्थ है :
(अ) कवियों की सभा (ब) मंदिर उत्सव
(स) शाही जुलूस (द) घोड़े की बलि

10. किस विदेशी समूह ने इंडो-ग्रीक राज्य को जन्म दिया था?
(अ) कुषाण (ब) यूएझी
(स) सिकंदर के क्षत्रपों ने (द) शक

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (अ), **3.** (अ), **4.** (स), **5.** (ब), **6.** (ब), **7.** (स), **8.** (स), **9.** (अ), **10.** (स)

रिक्त स्थान पूर्ति

1. शुंग शासक पुष्यमित्र ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए .... किया था।

2. .... अपने जटिल चूना पत्थर के फलकों के लिए प्रसिद्ध है।

3. खारवेल ने .... धर्म के समर्थन में उदयगिरि-खंडगिरि की गुफाओं को तराशा था।

4. इंडो-ग्रीक सिक्कों पर कभी-कभी .... और लक्ष्मी को स्थानीय मान्यताओं का सम्मान करने के लिए दर्शाया जाता था।
5. मथुरा स्कूल ने अपनी मूर्तियों के लिए मुख्य रूप से .... बलुआ पत्थर का इस्तेमाल किया था।

उत्तर– **1.** अश्वमेघ यज्ञ, **2.** अमरावती स्तूप, **3.** जैन, **4.** वासुदेव-कृष्ण, **5.** लाल।

सत्य-असत्य कथन

1. सातवाहनों ने अपने समुद्री व्यापार को दर्शाने करने के लिए समुद्र-यात्री जहाजों वाले सिक्के जारी किए थे।
2. कनिष्क का संवत 78 ईसा पूर्व में शुरू हुआ था।
3. संगम कवियों ने चट्टानों को काटकर बनाई गई गुफाओं की दीवारों पर संस्कृत में लिखा था।
4. हेलियोडोरस स्तंभ का शिलालेख प्राकृत और ब्राह्मी लिपि में है।
5. शंक संवत पूरे वर्ष ग्रेगोरियन कैलेंडर से ठीक 78 साल पीछे रहता है।

उत्तर– **1.** सत्य **2.** सत्य **3.** असत्य **4.** सत्य **5.** असत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'		स्तम्भ 'ब'
1.	भरहुत स्तूप	(अ)	ग्रैंड एनीकट
2.	कल्लनई	(ब)	वेदिकाएँ
3.	खारवेल	(स)	हाथीगुफा
4.	मथुरा स्कूल	(द)	भिक्षु राजा
5.	उदयगिरि-खंडगिरि गुफाएँ	(य)	लाल बलुआ पत्थर प्रयोग

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (अ), **3.** (द), **4.** (य), **5.** (स)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. उस राजवंश का नाम बताएँ जिसने **185** ईसा पूर्व के बाद उत्तर भारत में मौर्यों का उत्तराधिकार संभाला था।

उत्तर– शुंग वंश।

2. सातवाहनों ने दोहरी फसल के लिए किस नदी का उपयोग किया था?

उत्तर– कृष्णा-गोदावरी नदी मैदानी तंत्र।

3. कौन-सा तमिल महाकाव्य कण्णगी की भक्ति और एक शासक के कर्त्तव्य (धर्म) को दर्शाता है?

उत्तर– महाकाव्य सिल्पप्पादिकारम।

4. विदिशा में वासुदेव की प्रशंसा करते हुए एक स्तंभ किसने खड़ा किया था, यह किस राज्य का प्रतिनिधित्व करता था?

उत्तर– हेलियोडोरस ने स्तंभ खड़ा किया और यह इंडो-ग्रीक राज्य का प्रतिनिधित्व करता था।

5. हेलियोडोरस स्तंभ के शिलालेख में किस लिपि और भाषा का उपयोग किया है?

उत्तर– **लिपि :** ब्राह्मी, **भाषा :** प्राकृत।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।
(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।
(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।
(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A) :** ग्रैंड एनीकट आज भी सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है।

   कारण (R) : इसे चावल की खेती के लिए कावेरी के पानी को नहरों में मोड़ने के लिए बनाया गया था।

उत्तर– (अ) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **कथन (A) :** कनिष्क ने अपने सिक्कों पर बुद्ध और शिव दोनों की छवियाँ अंकित की थीं।

   कारण (R) : वह अपने बहु-धार्मिक साम्राज्य को एक शासक के अधीन एकजुट रखना चाहता था।

उत्तर– (अ) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

"गौतमी पुत्र राजा शातकर्णी वैदिक विद्वानों, जैन भिक्षुओं और बौद्ध शिक्षकों के सम्मान के लिए भूमि, गायें, हाथी और सोना दान करते थे। उनके दान यह सुनिश्चित करते थे कि शिक्षा और आस्था डर के बिना बनी रहे।''

1. यह शिलालेख किस प्रथा को दर्शाता है?
(अ) समुद्री व्यापार
(ब) शाही भूमि अनुदान (दान)
(स) अश्वमेध यज्ञ
(द) मंदिर निर्माण

2. अपनी माता का नाम शामिल करना क्यों महत्वपूर्ण था?
(अ) इसने मातृवंशीय उत्तराधिकार की गारंटी दी।
(ब) इसने रानी के प्रभाव और शाही वंश को उजागर किया।
(स) यह ब्राह्मी लिपि के नियमों द्वारा आवश्यक था।
(द) इसने शक युग की शुरुआत को चिह्नित किया।

3. यह शिलालेख सुझाव देता है कि सातवाहन शासक ने .... महत्व दिया।
(अ) केवल सैन्य विजय
(ब) धार्मिक बहुलवाद और विद्वता
(स) केवल एक धर्म का समर्थन
(द) समुद्री व्यापार विनियमन

उत्तर– **1.** (ब) शाही भूमि अनुदान (दान)। **2.** (ब) इसमें रानी के प्रभाव और शाही वंश पर प्रकाश डाला। **3.** (अ) धार्मिक बहुलवाद और विद्वता।

मानचित्र कार्य

प्राचीन भारत के रेखाचित्र पर मौर्यों के बाद उभरे निम्नलिखित राजवंशों का स्थान निर्धारित करें और उन्हें चिह्नित करें–

1. वह राजवंश जिसने उत्तर में मौर्यों का उत्तराधिकार संभाला और अश्वमेध यज्ञ किया।

2. वह पूर्वी राज्य जो अपनी चट्टानों को काटकर बनाई गई गुफाओं और एक जैन भिक्षु-राजा के लिए प्रसिद्ध है।

3. वह दक्षिणी राजवंश जो कावेरी डेल्टा के स्वामी और एक भव्य सिंचाई बाँध के निर्माताओं के रूप में जाना जाता है।

4. वह दक्षिणी राजवंश जिसने मालाबार तट से मसाले के व्यापार पर नियंत्रण किया था।

उत्तर– **1.** शुंग वंश (यूपी, बिहार, एमपी के कुछ हिस्से) **2.** चेदी वंश-कलिंग (ओडिशा) **3.** चोल वंश (तमिलनाडु) **4.** चेर वंश (केरल)

7 गुप्त काल : अथक सृजनशीलता का युग

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. कल्पना कीजिए कि आपको गुप्त साम्राज्य में रहने वाले किसी व्यक्ति से एक पत्र मिलता है। पत्र का आरंभ इस प्रकार होता है– ''पाटलिपुत्र से अभिवादन। यहाँ का जीवन सुखमय और उत्साह से भरा है। कल ही मैंने देखा......'' गुप्त साम्राज्य में जीवन का वर्णन करते हुए एक संक्षिप्त लेख (250-300) शब्दों के साथ पत्र को पूरा कीजिए।

उत्तर– पाटलिपुत्र से अभिवादन।

यहाँ का जीवन सुखमय और उत्साह से भरा है। कल ही मैंने देखा कि गंगा तट पर व्यापारी दूर-दराज के प्रदेशों से आए सामान की खरीद-बिक्री कर रहे थे। रेशमी वस्त्र, मसाले, धातु के बर्तन और सुंदर आभूषणों से बाजार सजा हुआ था। नगर की सड़कों पर रथ और बैलगाड़ियाँ चलती हैं और आसपास के गाँवों से किसान अपना अनाज लेकर आते हैं।

यहाँ शिक्षा और ज्ञान का बड़ा सम्मान है। विद्वान गणित, ज्योतिष और साहित्य पर चर्चा करते दिखाई देते

हैं। मैंने सुना है कि महान गणितज्ञ आर्यभट्ट ने ग्रहों की गति के बारे में अद्भुत विचार प्रस्तुत किए हैं। राजदरबार में कवियों और विद्वानों को आदर मिलता है। प्रसिद्ध कवि कालिदास की रचनाएँ लोगों को बहुत प्रिय हैं।

नगरों में मंदिरों और विहारों का निर्माण हो रहा है। धार्मिक सहिष्णुता दिखाई देती है– हिंदू, बौद्ध और जैन सभी अपने-अपने धर्म का पालन करते हैं। त्योहारों के समय पूरा नगर दीपों और फूलों से सज जाता है। संगीत और नृत्य के कार्यक्रमों से वातावरण आनंदमय हो उठता है।

राजा की प्रशासन व्यवस्था सुव्यवस्थित है। कर नियमित रूप से एकत्र किए जाते हैं और बदले में सुरक्षा तथा अन्य व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है। लोग अपने काम-धंधों में संतुष्ट दिखते हैं।

इस प्रकार पाटलिपुत्र में जीवन समृद्ध, सांस्कृतिक और ज्ञान से परिपूर्ण है। यहाँ रहकर ऐसा लगता है मानो हम एक स्वर्णिम युग का हिस्सा हों।

आपका, स्नेही।

प्रश्न 2. किस गुप्तकालीन शासक को 'विक्रमादित्य' के नाम से भी जाना जाता है?

उत्तर– गुप्तकालीन शासक चंद्रगुप्त द्वितीय को 'विक्रमादित्य' के नाम से भी जाना जाता है।

प्रश्न 3. ''शांतिकाल सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन, साहित्य तथा विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास लाने में सहायक होते हैं।'' गुप्त साम्राज्य के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए।

उत्तर– गुप्त काल में राजनीतिक स्थिरता और अपेक्षाकृत शांति का वातावरण था, जिससे सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक और वैज्ञानिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। कृषि, व्यापार और शिल्प का विकास हुआ। नगरों का विस्तार हुआ और लोगों के जीवन-स्तर में सुधार दिखाई देता है। धार्मिक सहिष्णुता भी इस काल की विशेषता थी, जिससे विभिन्न परंपराएँ साथ-साथ विकसित हो सकीं। सांस्कृतिक और साहित्यिक क्षेत्र में अद्भुत उन्नति हुई। संस्कृत भाषा को राजकीय संरक्षण मिला। महान कवि कालिदास ने इसी काल में अपनी श्रेष्ठ कृतियाँ रचीं। नाटक, काव्य और पुराण साहित्य का विकास हुआ।

कला और मूर्तिकला में भी सुंदर मंदिरों और प्रतिमाओं का निर्माण हुआ। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हुईं। गणितज्ञ आर्यभट्ट ने खगोल और गणित में नए सिद्धांत प्रस्तुत किए। धातु विज्ञान में प्रगति का प्रमाण दिल्ली का लौह स्तंभ है, जो आज भी जंग रहित खड़ा है।

अत: यह स्पष्ट है कि गुप्त साम्राज्य में शांति और स्थिरता ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विकास को प्रोत्साहित किया, जिससे यह काल भारतीय इतिहास में 'स्वर्ण युग' के रूप में प्रसिद्ध हुआ।

प्रश्न 4. किसी गुप्तकालीन शासक की राजसभा के एक दृश्य का नाटकीय रूपांतरण कीजिए, जिसमें राजा, मंत्री और विद्वानों जैसी भूमिकाएँ हों। इस प्रकार आप गुप्त युग को पुनर्जीवित कर सकते हैं?

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

प्रश्न 5. मिलान कीजिए–

स्तम्भ 'अ'		स्तम्भ 'ब'
1. कांचीपुरम्	(क)	जातक कथाओं को दर्शाने वाले जीवंत गुफा चित्रों के लिए प्रसिद्ध है।
2. उज्जयिनी	(ख)	यह स्थान चट्टान काटकर बनाई गई गुफाओं के लिए प्रसिद्ध है, जिनमें हिंदू देवी-देवताओं, विशेषकर भगवान विष्णु की उत्कृष्ट प्रतिमाएँ उत्कीर्ण की गई हैं।
3. उदयगिरि	(ग)	गुप्त शासकों की राजधानी
4. अजंता	(घ)	एक हजार मंदिरों का शहर के रूप में प्रसिद्ध है।
5. पाटलिपुत्र	(ङ)	प्राचीन भारत में शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र

उत्तर–1. (घ), 2. (ङ), 3. (ख), 4. (क), 5. (ग)।

प्रश्न 6. पल्लव कौन थे और उन्होंने कहाँ शासन किया?

उत्तर– पल्लव एक प्राचीन दक्षिण भारतीय राजवंश था, जिसने लगभग तीसरी से नौवीं शताब्दी के बीच शासन किया। उनका मुख्य शासन क्षेत्र दक्षिण भारत का तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश का कुछ भाग था। उनकी राजधानी कांचीपुरम् थी, जो उस समय शिक्षा, धर्म और संस्कृति का प्रमुख केंद्र था।

प्रश्न 7. अपने शिक्षकों के साथ निकट के किसी ऐतिहासिक स्थल, संग्रहालय या विरासत भवन की यात्रा का आयोजन कीजिए। यात्रा के बाद अपने अनुभव का वर्णन करते हुए एक विस्तृत

रिपोर्ट लिखिए। रिपोर्ट में इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व, वास्तुकला, कलाकृतियों और यात्रा के दौरान आपके द्वारा सीखे गए किसी भी रोचक तथ्य के बारे में अपने महत्वपूर्ण अवलोकनों को सम्मिलित कीजिए। इस यात्रा ने इतिहास के बारे में आपकी समझ को कैसे विकसित किया?

उत्तर– छात्र अध्यापक की सहायता से स्वयं एक यात्रा का आयोजन कर अपने अनुभव की रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. किस गुप्त शासक को "विक्रमादित्य" की उपाधि धारण करने का श्रेय दिया जाता है?
(अ) चंद्रगुप्त-I (ब) समुद्रगुप्त
(स) चंद्रगुप्त-II (द) कुमारदेवी

2. प्रयाग प्रशस्ति शिलालेख समुद्रगुप्त की प्रशंसा किस रूप में करता है?
(अ) "शक्ति का सूर्य"
(ब) "धर्म-विजय"
(स) "धरणी-बंध" (पृथ्वी का बंधन)
(द) "राजाओं का राजा"

3. फा-शियन के यात्रा वृत्तांत में गुप्त शहरों का वर्णन किस रूप में किया गया है?
(अ) किसानों पर भारी कर
(ब) खराब सड़कें और संकरी गलियाँ
(स) दान गृह और निःशुल्क चिकित्सालय
(द) सभी नागरिकों के लिए अनिवार्य सैन्य सेवा

4. गुप्त कालीन काव्य और नाटकों की प्राथमिक भाषा कौन-सी थी?
(अ) प्राकृत (ब) तमिल
(स) संस्कृत (द) पालि

5. आर्यभट्ट ने प्रतिपादित किया था कि :
(अ) सूर्य पृथ्वी के चारों ओर घूमता है
(ब) पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है
(स) चंद्रमा पृथ्वी से बना है
(द) तारे स्थिर और अपरिवर्तनीय हैं

6. दिल्ली का लौह स्तंभ मूल रूप से किसके सम्मान में स्थापित किया गया था?
(अ) भगवान शिव
(ब) भगवान विष्णु
(स) बुद्ध (द) सूर्य देवता

7. गुप्तकालीन कला किसलिए जानी जाती है?
(अ) अमूर्त रूप और चमकीले रंग के लिए
(ब) यथार्थवाद, सुडौल आकृतियाँ और उत्तम सौंदर्य
(स) लकड़ी के स्मारकों का उपयोग
(द) कड़े ज्यामितीय प्रारूपों

8. गुप्त काल के दौरान दक्षिण भारत में किस वंश का उदय हुआ?
(अ) मौर्य (ब) गुप्त
(स) पल्लव (द) सातवाहन

9. पल्लव विशेष रूप से किस देवता के भक्त थे?
(अ) विष्णु (ब) शिव
(स) ब्रह्मा (द) बुद्ध

10. चंद्रगुप्त प्रथम ने गुप्त साम्राज्य की स्थापना लगभग कब की?
(अ) **78** ईसा पूर्व (ब) **319-320** ई.
(स) **185** ईसा पूर्व (द) **127** ईस्वी

उत्तर– **1.** (स), **2.** (स), **3.** (स), **4.** (स), **5.** (ब), **6.** (ब), **7.** (ब), **8.** (स), **9.** (ब), **10.** (ब)

रिक्त स्थान पूर्ति

1. चंद्रगुप्त द्वितीय ने अपनी महत्वाकांक्षा और शक्ति की घोषणा करने के लिए .... की उपाधि धारण की थी।

2. समुद्रगुप्त की प्रशंसा करते हुए दरबारी कवि हरिषेण ने .... शिलालेख की रचना की।

3. फा-शियन ने गुप्त समाज में गरीबों की देखभाल और .... गृहों की स्थापना के लिए प्रशंसा की।

4. .... (वाराणसी के पास) शहर अपनी गुप्तकालीन बुद्ध मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है।

5. आर्यभट्ट की रचना .... ने भारतीय खगोल विज्ञान और गणित की नींव रखी।

उत्तर– **1.** विक्रमादित्य, **2.** प्रयाग प्रशस्ति, **3.** धर्मशाला, **4.** सारनाथ, **5.** आर्यभट्टीय।

सत्य-असत्य कथन

1. समुद्रगुप्त ने पराजित राजाओं को कर देने वाले शासकों के रूप में पुन: स्थापित किया।
2. गुप्त सम्राटों ने वैष्णव धर्म के अलावा अन्य सभी धर्मों पर प्रतिबंध लगा दिया था।
3. कल्लनई (ग्रैंड एनिकट) कावेरी डेल्टा की सिंचाई के लिए गुप्त शासकों द्वारा बनवाया गया था।
4. गुप्त कालीन ताम्रपत्रीय शिलालेखों में जमीन दान का सटीक विवरण दर्ज किया जाता था।
5. मेघदूतं के लेखक कालिदास हैं।

उत्तर– **1.** सत्य **2.** असत्य **3.** असत्य **4.** सत्य **5.** सत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1.	प्रयाग प्रशस्ति	(अ) दिल्ली
2.	मेघदूत	(ब) कालिदास का गीतिकाव्य
3.	आर्यभटीय	(स) हरिषेण का शिलालेख
4.	लौह स्तंभ	(द) खगोल विज्ञान और गणित का ग्रंथ
5.	बृहत्संहिता	(य) वराहमिहिर का विश्वकोश

उत्तर– **1.** (स), **2.** (ब), **3.** (द), **4.** (अ), **5.** (य)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. समुद्रगुप्त के सिक्कों में कभी-कभी उन्हें वीणा बजाते हुए क्यों दिखाया गया है। इस पर दो पंक्तियाँ लिखिए।

उत्तर– एक सुसंस्कृत, परिष्कृत और बहु-प्रतिभाशाली शासक (एक पुनर्जागरण व्यक्ति) की छवि बनाने के लिए, जो केवल एक योद्धा नहीं बल्कि कलाओं का संरक्षक भी था।

2. सोलह सौ वर्षों से अधिक समय तक लौह स्तंभ को जंग लगने से बचाने वाली तकनीक क्या है?

उत्तर– लोहे की विशेष संरचना से बनी एक सुरक्षात्मक परत जो जंग और मौसमी प्रभावों को रोकती है।

3. गुप्त साम्राज्य के दो प्रमुख व्यापारिक केन्द्रों और इनके एक प्रसिद्ध सामान का नाम लिखिए।

उत्तर– पाटलिपुत्र (व्यापारिक मेले), उज्जयिनी (कपड़ा व्यापार)।

4. फा-शियन का यात्रा वृत्तांत गुप्त काल के लिए एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्रोत क्यों माना जाता है?

उत्तर– यह हमें उस समय के भारतीय समाज, अर्थव्यवस्था और संस्कृति का एक प्रत्यक्ष दृश्य एवं विदेशी विवरण प्रदान करता है।

5. गुप्तों द्वारा स्थानीय राजाओं को "महाराजाधिराज" की उपाधि से सम्मानित करने का एक कारण बताएँ।

उत्तर– इनके समर्थन और निष्ठा को स्वीकार करते हुए अपनी सर्वोच्चता स्थापित करने के लिए।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A) :** गुप्तों ने अपने साम्राज्य को स्थानीय प्रमुखों द्वारा शासित प्रांतों में विभाजित किया था।

   कारण (R) : यह प्रणाली क्षेत्रीय प्रशासन को सशक्त बनाते हुए केंद्रीय नियंत्रण की अनुमति देती थी।

उत्तर– (अ) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **कथन (A) :** गुप्त काल को अक्सर भारत का "स्वर्ण युग" कहा जाता है।

   कारण (R) : कला, विज्ञान, साहित्य और वास्तुकला में उन्नति गुप्तकालीन संरक्षण में फली-फूली थी।

उत्तर– (अ) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

''लोग बहुतायत में है और खुशहाल हैं... जो राजकीय भूमि का उपयोग करते हैं, वे अपने अनाज का एक हिस्सा कर के रूप में देते हैं और अन्य सरकारी कर्त्तव्यों से मुक्त हैं। राजा के रक्षकों और परिचरों को नियमित वेतन मिलता है। धर्मशाला व अस्पताल साम्राज्य के नगरों में, धनी, वृद्ध वैश्य लोग दान और दवा के लिए धर्मशाला व अस्पताल बनवाते हैं, जहाँ गरीबों, अनाथों और बीमारों की देखभाल की जाती है। डॉक्टर सभी मरीजों का इलाज करते हैं और विदेशी व्यापारी स्थानीय व्यापारियों के साथ रहते हैं तथा नगर की चारदीवारी के बाहर, चांडाल–(अछूत समूह) कठोर प्रतिबंधों के तहत रहते हैं।''

1. गुप्त शहरों में वृद्ध वैश्यों ने क्या स्थापित किया था?
(अ) सैन्य छावनियाँ (ब) कर कार्यालय
(स) धर्मशाला और अस्पताल
(द) श्रेणी परिषद्

2. फा-शियन ने उल्लेख किया है कि राजकीय भूमि पर काम करने वाले किसानों को यह करना आवश्यक था:
(अ) एक मौसम के लिए सेना में सेवा करना
(ब) हर साल एक निश्चित धन कर का भुगतान करना
(स) अपने अनाज का एक हिस्सा देना तथा अन्य कोई कर नहीं
(द) सड़कें और नहरें बनाना

3. फा-शियन ने किस सामाजिक समूह का वर्णन ''नगर की चारदीवारी के बाहर'' कठोर व्यवहार के तहत रहने वाले लोगों के रूप में किया था?
(अ) ब्राह्मण (ब) चांडाल
(स) वैश्य (द) क्षत्रिय

उत्तर– **1.** (स) धर्मशाला व अस्पताल गृह। **2.** (स) अपने अनाज का एक हिस्सा दें और कोई अन्य कर नहीं। **3.** (ब) चांडाल।

मानचित्र कार्य

भारत के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित भौगोलिक विशेषताओं को ढूँढ़ें और उन्हें चिह्नित करें–

1. उस शक्तिशाली साम्राज्य का क्षेत्र जिसने अपने ''स्वर्ण युग'' के दौरान उत्तरी भारत के अधिकांश भाग को एकजुट किया था।

2. ब्रह्मपुत्र घाटी में वर्मन वंश का पूर्वोत्तर राज्य।

3. वह नगर जहाँ प्रसिद्ध लौह स्तंभ मूल रूप से स्थित है?

4. गुप्त साम्राज्य का राजधानी शहर।

उत्तर– **1.** गुप्त साम्राज्य (उत्तरी भारत–उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश) **2.** कामरूप (असम) **3.** उदयगिरि (मध्य प्रदेश) **4.** पाटलिपुत्र (बिहार)।

8 भौगोलिक क्षेत्र कैसे पावन होते हैं?

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डेविड सुजुकी के निम्नलिखित वाक्य पढ़ें–

''हम जिस दृष्टि से विश्व को देखते हैं, उसी के अनुसार उसके साथ व्यवहार करते हैं। अगर पर्वत एक देवता है, न कि खनिज का ढेर'' अगर नदियाँ पृथ्वी की शिराएँ हैं, न कि केवल सिंचाई का स्रोत, अगर वन पावन निकुंज हैं, न कि केवल इमारती लकड़ियों का ढेर, अगर अन्य प्रजातियाँ हमारे संबंधी हैं, न कि केवल साधनमात्र या अगर पृथ्वी हमारी माता है, न कि केवल संसाधन, तब हम इन सभी के साथ अत्यंत आदर के साथ व्यवहार करते हैं। अत: यह विश्व को एक अलग परिप्रेक्ष्य में देखने की चुनौती है।''

इस पर छोटे समूह में चर्चा कीजिए। आप उक्त वाक्यों से क्या समझते हैं? इससे हमारे चारों ओर विद्यमान वायु, जल, भूमि, वृक्ष तथा पर्वत के प्रति हमारे व्यवहार पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर– डेविड सुजुकी के इन शब्दों का अर्थ यह है कि प्रकृति के प्रति हमारा व्यवहार हमारी सोच पर निर्भर करता है। यदि हम पर्वत, नदियों, वनों और पृथ्वी

को केवल संसाधन मानते हैं, तो हम उनका उपयोग और दोहन करेंगे। लेकिन यदि हम उन्हें देवता, संबंधी या माता के रूप में देखते हैं, तो हम उनके साथ सम्मान, संवेदनशीलता और संरक्षण का व्यवहार करेंगे।

इस सोच का प्रभाव यह होगा कि हम वायु को प्रदूषित करने से बचेंगे, जल को स्वच्छ रखेंगे, भूमि का अत्यधिक दोहन नहीं करेंगे, वृक्षों की कटाई कम करेंगे और पर्वतों व वनों की रक्षा करेंगे अर्थात् जब दृष्टिकोण बदलता है, तो व्यवहार भी बदलता है। प्रकृति को पावन मानने से संरक्षण और जिम्मेदारी की भावना स्वत: विकसित होती है।

प्रश्न 2. अपने क्षेत्र के पावन स्थलों की सूची बनाइए। पता लगाइए कि ये स्थल पावन क्यों माने जाते हैं? क्या उनसे जुड़ी कोई कहानियाँ हैं? इस विषय पर 150 शब्दों में एक संक्षिप्त लेख लिखिए। (संकेत - आप अपने परिवार एवं समुदाय के वरिष्ठ लोगों से चर्चा कर सकते हैं। अपने शिक्षक से भी विचार-विमर्श कीजिए। इस प्रकार की सूचनाओं का संग्रह करने के लिए लेख एवं पुस्तक पढ़िए।)

उत्तर– अपने क्षेत्र के अनुसार छात्र इसे स्वयं करें।

प्रश्न 3. आपके विचार में प्राकृतिक तत्व; जैसे- नदी, पर्वत और वन आदि लोगों के लिए पावन क्यों माने जाते हैं? ये हमारे जीवन में किस प्रकार योगदान देते हैं?

उत्तर– प्राकृतिक तत्व जैसे नदी, पर्वत और वन लोगों के लिए इसलिए पावन माने जाते हैं क्योंकि वे जीवन के आधार हैं और मानव सभ्यता के आरम्भ से ही हमारे अस्तित्व से जुड़े रहे हैं।

जब कोई नदी प्यासे को पानी पिलाती है, खेतों की सिंचाई करती है और जीवन को आगे बढ़ाती है, तो वह केवल जलधारा नहीं रहती, बल्कि जीवनदायिनी बन जाती है। उदाहरण के लिए गंगा को केवल नदी नहीं, बल्कि माँ के रूप में देखा जाता है।

पर्वत भी पावन माने जाते हैं क्योंकि वे नदियों का स्रोत हैं, जलवायु को संतुलित रखते हैं और सुरक्षा प्रदान करते हैं। हिमालय को देवतुल्य माना जाता है क्योंकि उससे अनेक नदियाँ निकलती हैं और वे प्रकृति की महान शक्ति का प्रतीक हैं।

वन हमें शुद्ध वायु, औषधियाँ, भोजन और अनेक जीवों का आश्रय देते हैं। वे वर्षा-चक्र को बनाए रखते हैं और जैव विविधता की रक्षा करते हैं। इसलिए अनेक समुदाय वनों को 'पावन निकुंज' मानते हैं।

इन प्राकृतिक तत्वों का हमारे जीवन में योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है– वे हमें जल, भोजन, वायु, औषधि, आजीविका और मानसिक शांति प्रदान करते हैं। इसी कारण लोग उन्हें केवल संसाधन नहीं, बल्कि सम्मान और कृतज्ञता के पात्र के रूप में देखते हैं।

प्रश्न 4. लोग तीर्थ या अन्य पावन स्थलों की यात्रा क्यों करते हैं?

उत्तर– लोग तीर्थ या अन्य पावन स्थलों की यात्रा कई कारणों से करते हैं और यह केवल धार्मिक कर्तव्य तक सीमित नहीं होती। पहला, आध्यात्मिक शांति और आत्मिक संतोष के लिए। लोग मानते हैं कि पावन स्थल पर जाकर प्रार्थना, ध्यान या स्नान करने से मन शुद्ध होता है और जीवन की चिंताओं से राहत मिलती है। जैसे हरिद्वार में गंगा स्नान या वाराणसी में पूजा को आत्मिक शुद्धि का माध्यम माना जाता है।

दूसरा, परम्परा और विश्वास के कारण। कई लोग अपने परिवार या समुदाय की परम्पराओं को निभाने के लिए तीर्थयात्रा करते हैं।

तीसरा, आत्म-अनुशासन और अनुभव के लिए लम्बी और कठिन यात्राएँ व्यक्ति में धैर्य, संयम और सहनशीलता विकसित करती हैं।

चौथा, सांस्कृतिक जुड़ाव के लिए। तीर्थस्थल विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को एक साथ लाते हैं, जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान और एकता की भावना बढ़ती है। इस प्रकार, तीर्थयात्रा श्रद्धा, आत्मिक उन्नति, परम्परा और सामाजिक एकता का संगम होती है।

प्रश्न 5. प्राचीन तीर्थयात्रा मार्गों ने उस समय किस प्रकार व्यापार को प्रोत्साहित किया? आपके अनुसार ये पावन स्थल उन क्षेत्रों के आर्थिक विकास में किस प्रकार सहायक बने?

उत्तर– प्राचीन तीर्थयात्रा मार्ग केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं थे, बल्कि वे आर्थिक गतिविधियों के भी प्रमुख केंद्र बन गए थे। तीर्थयात्रियों के निरंतर आवागमन से मार्गों के किनारों पर बाजार, सराय, धर्मशालाएँ और विश्राम स्थल विकसित हुए। यात्रियों को भोजन, पानी, वस्त्र, पूजा सामग्री, औषधियों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं को स्थानीय व्यापारी उपलब्ध कराते थे। इससे छोटे व्यापारियों, कारीगरों और किसानों को नियमित आय का स्रोत मिला।

वाराणसी, उज्जैन और रामेश्वरम जैसे पावन स्थल धीरे-धीरे बड़े नगरों में विकसित हुए, जहाँ धार्मिक गतिविधियों के साथ-साथ हस्तशिल्प, वस्त्र, मसाले और अन्य वस्तुओं का व्यापार भी फलने-फूलने लगा।

तीर्थयात्रियों और व्यापारियों के मेल ने विभिन्न क्षेत्रों के आर्थिक तथा सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रश्न 6. पावन स्थल किस प्रकार वहाँ के लोगों की संस्कृति और परम्परा को प्रभावित करते हैं?

उत्तर– पावन स्थल वहाँ की संस्कृति और परम्परा को गहराई से प्रभावित करते हैं, क्योंकि वे केवल पूजा के स्थान नहीं, बल्कि सामुदायिक जीवन के केंद्र होते हैं। त्योहार और मेले स्थानीय पहचान बन जाते हैं, जैसे वाराणसी की गंगा आरती और उज्जैन के धार्मिक पर्व। इन स्थलों के कारण मूर्तिकला, वस्त्र निर्माण, संगीत और हस्तशिल्प जैसी कलाएँ विकसित होती हैं। साथ ही प्रार्थना, व्रत, दान और अतिथि-सत्कार जैसी परम्पराएँ मजबूत होती हैं। विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले तीर्थयात्रियों के कारण भाषाई और सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी होता है। इस प्रकार, पावन स्थल किसी क्षेत्र की पहचान, जीवनशैली और सामाजिक मूल्यों को आकार देते हैं।

प्रश्न 7. भारत के विविध प्रकार के पावन स्थलों में से अपनी रुचि के अनुसार किन्हीं दो का चयन कीजिए और उनका महत्व बताते हुए एक परियोजना बनाइए।

उत्तर– परियोजना विषय– भारत के दो प्रमुख पावन स्थल और उनका महत्व

चयनित पावन स्थल–

1. वाराणसी (गंगा तट) 2. बद्रीनाथ मंदिर

1. **वाराणसी (गंगा तट)–**

परिचय– वाराणसी भारत के सबसे प्राचीन नगरों में से एक है। यहाँ बहने वाली गंगा को पवित्र माना जाता है।

महत्व–

❑ गंगा स्नान को आत्मिक शुद्धि का प्रतीक माना जाता है।

❑ यहाँ की गंगा आरती विश्वभर में प्रसिद्ध है।

❑ यह स्थान हिंदू धर्म में मोक्ष प्राप्ति से जुड़ा है।

❑ वाराणसी कला, संगीत और शिक्षा का भी प्रमुख केंद्र रहा है।

सांस्कृतिक प्रभाव–

घाटों के आसपास धार्मिक अनुष्ठान, संगीत, शास्त्रार्थ और त्योहार स्थानीय संस्कृति का हिस्सा बन चुके हैं।

2. **बद्रीनाथ मंदिर**

परिचय– बद्रीनाथ मंदिर उत्तराखण्ड के हिमालय क्षेत्र में अलकनंदा नदी के तट पर स्थित है। यह चार धामों में से एक है और भगवान विष्णु को समर्पित है।

महत्व–

❑ यह उत्तर भारत का प्रमुख तीर्थस्थल है और देश के चारों दिशाओं को जोड़ने वाली चार धाम यात्रा का हिस्सा है।

❑ कठिन पर्वतीय मार्ग तीर्थयात्रियों में धैर्य, आस्था और आत्म-अनुशासन की भावना विकसित करता है।

❑ यहाँ की यात्रा प्रकृति और आध्यात्मिकता के गहरे संबंध को दर्शाती है।

सांस्कृतिक प्रभाव–

स्थानीय लोकगीत, उत्सव एवं परम्पराएँ इस तीर्थ से जुड़ी हैं। तीर्थयात्रा से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था, हस्तशिल्प और आजीविका को भी सहारा मिलता है।

इन दोनों पावन स्थलों से स्पष्ट होता है कि भारत में पावनता केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, संस्कृति, अनुशासन और सामुदायिक जीवन से भी जुड़ी है। ऐसे स्थल लोगों को आध्यात्मिक शांति देने के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को भी मजबूत करते हैं।

प्रश्न 8. तीर्थयात्राएँ किस प्रकार दोहरा महत्व रखती हैं?

उत्तर– तीर्थयात्राएँ अद्‌भुत परम्परा हैं क्योंकि वे दोहरा महत्व रखती हैं– आध्यात्मिक एवं सामाजिक और आर्थिक।

आध्यात्मिक महत्व– तीर्थयात्रा व्यक्ति को आत्मिक शांति, शुद्धि और आत्म-चिंतन का अवसर देती हैं। पवित्र नदियों में स्नान, मंदिरों के दर्शन, व्रत और प्रार्थना के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को अनुशासित और पवित्र बनाने का प्रयास करता है। कठिन यात्राएँ, जैसे पहाड़ी मार्गों पर स्थित मंदिरों तक पहुँचना, धैर्य और आस्था को मजबूत करती हैं।

सामाजिक और आर्थिक महत्व– तीर्थमार्गों के कारण विभिन्न क्षेत्रों के लोग आपस में जुड़ते हैं। भाषा, संस्कृति और परम्पराओं का आदान-प्रदान होता है। इन मार्गों पर बाजार, सराय और धर्मशालाएँ विकसित होती हैं, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है। व्यापारी भी इन मार्गों का उपयोग करते हैं, जिससे व्यापार को बढ़ावा मिलता है।

इस प्रकार, तीर्थयात्राएँ केवल धार्मिक कृत्य ही नहीं हैं, बल्कि वे समाज को जोड़ने, संस्कृति को समृद्ध करने और अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का माध्यम भी हैं।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. एक तीर्थ को सबसे अच्छी तरह इस रूप में वर्णित किया जा सकता है—
(अ) एक पहाड़ की चोटी पर बना एक मंदिर
(ब) एक तीर्थस्थल जहाँ पृथ्वी और आत्मा मिलते हैं
(स) पुजारियों के लिए आरक्षित एक वन-उपवन
(द) एक नदी देवता की मूर्ति

2. संस्कृत भाषा के शब्द तीर्थ क्षेत्र का शाब्दिक अर्थ है—
(अ) आशीर्वाद का क्षेत्र (ब) पूजा का घर
(स) प्राधिकरण की सीट
(द) मोक्ष का मार्ग

3. चार धाम में कौन-से चार स्थल शामिल हैं?
(अ) हरिद्वार, वाराणसी, नासिक, उज्जैन
(ब) बद्रीनाथ, रामेश्वरम, जगन्नाथपुरी, द्वारका
(ग) बोध गया, साँची, अजमेर, अमृतसर
(द) मदुरै, जगन्नाथपुरी, हरिद्वार, दिल्ली

4. सिख धर्म का अकाल तख्त स्थित है—
(अ) पटना में (ब) आनंदपुर में
(स) अमृतसर में (द) नांदेड़ में

5. कुंभ मेले के पीछे की किंवदंती बताती है कि—
(अ) तीर्थयात्री चार पावन स्थलों तक नंगे पैर चलते हैं।
(ब) अमृत की बूँदें चार नदी संगमों पर गिरीं।
(स) देवता और राक्षस ब्रह्मांडीय सागरों में रहते हैं।
(द) संगम की नदियाँ अपना रास्ता बदलती हैं।

6. एक पावन उपवन अक्सर जैव विविधता से समृद्ध होता है क्योंकि
(अ) इसमें स्थानीय देवता का निवास माना जाता है।
(ब) यह एक राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत आता है।
(स) यह एक प्राचीन युद्ध स्थली को प्रदर्शित करता है।
(द) इसमें केवल औषधीय पौधे उगते हैं।

7. उत्तरापथ व्यापार मार्ग जोड़ता था :
(अ) रेगिस्तानी किलों और पर्वतीय दर्रों को
(ब) उत्तरी-पश्चिमी शहरों को पूर्वी क्षेत्रों से
(स) तटीय बाजारों को हिमालयी तीर्थस्थलों से
(द) दक्षिणी जंगलों को मध्यवर्ती मैदानों से

8. पीपल का पेड़ सभी के लिए पवित्र है, सिवाय—
(अ) हिंदुओं के (ब) बौद्धों के
(स) सिखों के (द) पारसियों के

9. पेड़ों पर हल्दी और कुमकुम चढ़ाने की प्रथा क्या दर्शाती है?
(अ) बेहतर फसल पैदावार की माँग
(ब) वृक्ष देवता में भक्ति और विश्वास
(स) उस पेड़ को न काटने की प्रतिज्ञा
(द) त्वचा रोगों को ठीक करने की एक विधि

10. माओरी कानून जो माउंट तारानाकी को एक मनुष्य के अधिकार देता है, दर्शाता है :
(अ) एक नई खनन नीति
(ब) पवित्र भूगोल की वैश्विक मान्यता
(स) पैतृक भूमि अधिकारों को हटाना
(द) पर्यटन विनियमों में एक परिवर्तन

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (अ), **3.** (ब), **4.** (स), **5.** (ब), **6.** (अ), **7.** (ब), **8.** (द), **9.** (ब), **10.** (ब)

रिक्त स्थान पूर्ति

1. एक नदी का .... अक्सर एक प्रमुख तीर्थस्थल बन जाता है जहाँ लोग स्नान करते हैं और प्रार्थना करते हैं।

2. जैन धर्म में, एक तीर्थंकर को "फोर्ड-मेकर" (पार लगाने वाला) कहा जाता है क्योंकि वे सांसारिक दु:ख से .... की ओर ले जाते हैं।

3. चार कुंभ मेला स्थलों में हरिद्वार, प्रयागराज, नासिक और .... शामिल हैं।
4. एक छोटे वन को इसलिए बचाने की एक स्थानीय परंपरा रही है क्योंकि यह किसी देवता का निवास है, जो इसे .... उपवन बनाती है।
5. संस्कृत का वह भजन जो उन्नीस प्राचीन नदियों की प्रशंसा करता है, ... सूक्त कहलाता है।

उत्तर– **1.** संगम, **2.** मोक्ष, **3.** उज्जैन, **4.** पावन, **5.** नदी।

सत्य-असत्य कथन

1. चार धाम को जानबूझकर भारत के भौगोलिक कोनों पर चुना गया था।
2. भारत में तीर्थ मार्ग और व्यापार मार्ग कभी भी एक दूसरे को नहीं काटते हैं।
3. डोंगरिया खोंड जनजाति नीम डोंगर पहाड़ी को पवित्र मानकर उसकी रक्षा करती है।
4. सबरीमाला के तीर्थयात्रियों को मंदिर तक पहुँचने के लिए कठिन पहाड़ी रास्तों का सामना करना पड़ता है।
5. एक घाट नदी तट पर एक हिंदू तीर्थ स्थल है।

उत्तर– **1.** सत्य **2.** असत्य **3.** सत्य **4.** सत्य **5.** सत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1.	संगम	(अ) सिख धर्म की गद्दी
2.	कुंभ मेला	(ब) प्राचीन भारत में पीपल के पेड़ का महत्व
3.	तीर्थ क्षेत्र	(स) नदियों का संगम
4.	तख्त श्री पटना साहिब	(द) आशीर्वाद का क्षेत्र
5.	मोहनजोदड़ो की मुहर	(य) चार स्थानों पर होने वाला छः/बारह-वर्ष में लोगों जमावाड़ा

उत्तर– **1.** (स), **2.** (य), **3.** (द), **4.** (अ), **5.** (ब)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. तीर्थयात्री अक्सर लंबी यात्राओं पर भोजन और मिट्टी के बर्तन क्यों ले जाते हैं?

उत्तर– चूँकि तीर्थयात्री महीनों तक यात्रा करते थे और बाजारों पर निर्भर हुए बिना भोजन की आवश्यकता होती थी, इसलिए वे मिट्टी के बर्तनों में राशन लेकर चलते थे।

2. शक्तिपीठों के बारे में सती के शरीर की किंवदंती क्या व्याख्या करती है?

उत्तर– ये बताते हैं कि शक्ति पीठ पूरे भारत में क्यों फैले हैं? ये वे स्थान चिह्नित करते हैं जहाँ सती के शरीर के अंग गिरे थे।

3. आधुनिक सरकारें पावन उपवनों की रक्षा कैसे करती हैं?

उत्तर– पवित्र पहाड़ियों, झीलों और वनों को संरक्षित क्षेत्र घोषित करके और खनन या वनों की कटाई पर प्रतिबंध लगाकर।

4. पर्वतों को तीर्थस्थलों के रूप में चुने जाने का एक कारण लिखिए।

उत्तर– पहाड़ ईश्वर के निकट होने का प्रतीक हैं इनके शिखरों पर मंदिर होते हैं जो एक चुनौतीपूर्ण यात्रा प्रस्तुत करते हैं, यह दशा आंतरिक भक्ति को दर्शाती है।

5. तीर्थयात्रा ने नदी तट के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को कैसे विकसित किया है?

उत्तर– तीर्थ स्थलों ने नाविकों, दुकानदारों, फूल विक्रेताओं और धर्मशालाओं के लिए रोजगार अवसर सृजित किए हैं जिससे स्थानीय लोगों को नियमित आय मिलती है।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।
(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।
(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।
(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A) :** तीर्थ मार्ग और व्यापार मार्ग कभी भी एक ही सड़क का अनुसरण नहीं करते थे।
कारण (R) : तीर्थयात्री और व्यापारी अलग-अलग उद्देश्यों के लिए यात्रा करते थे

लेकिन संसाधनों और विश्राम स्थानों को साझा करते थे।

उत्तर– (द) गलत है लेकिन (R) सही है।

2. **कथन (A) :** पावन भूगोल जैव विविधता के संरक्षण में मदद करता है।

कारण (R) : रीति-रिवाजों के नियमों ने उपवनों और नदी तटों में हानिकारक गतिविधियों को रोका है।

उत्तर– (अ) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

"प्रत्येक छह वर्षों में लाखों लोग गंगा, यमुना और गुप्त सरस्वती के संगम पर स्नान करने के लिए प्रयागराज में एकत्रित होते हैं। नावें तीर्थयात्रियों को नदी पार कराती हैं; लोग बाजार में फूलों की मालाएँ और अगरबत्ती बेचते हैं और सामान्य धर्मशालाएँ यात्रियों से भर जाती हैं। स्थानीय पुजारी घाटों पर पूजा कराते हैं, कुम्हार मिट्टी के दीये प्रदान करते हैं और रसोइए गर्म भोजन तैयार करते हैं। इस तरह एक आध्यात्मिक घटना शहर के लिए साल भर की आजीविका का स्रोत बन जाती है।"

1. पावन भूगोल का कौन-सा पहलू यह विवरण सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?
(अ) पर्वतीय तीर्थस्थलों का महत्व
(ब) तीर्थयात्रा अर्थव्यवस्थाओं में नदियों की भूमिका
(स) राजकीय मंदिरों का निर्माण
(द) ध्यान के लिए गुफाओं का उपयोग

2. गद्यांश के अनुसार प्रयागराज में होने वाले जमावड़े से सीधे तौर पर किन दो कामकार समूहों को लाभ होता है?
(अ) लोहार और बुनकर
(ब) बढ़ई और सुनार
(स) कुम्हार और रसोइए
(द) किसान और मछुआरे

3. प्रयागराज में कुंभ मेला स्थानीय आजीविका का समर्थन कैसे करता है?
(अ) सभी तीर्थयात्रियों को पेड़ लगाने की आवश्यकता से
(ब) घाटों के आसपास बाजार और सेवाएँ बनाकर
(स) नदी तट को विशेष रूप से धार्मिक अनुष्ठानों के लिए आरक्षित करके
(द) तीर्थस्थलों को सांस्कृतिक मेलों में बदलकर

उत्तर– **1.** (ब) तीर्थ यात्रा अर्थव्यवस्था में नदियों की भूमिका। **2.** (स) कुम्हार और रसोइया। **3.** (ब) घाटों के आसपास बाजार और सेवाएँ सृजित करके।

मानचित्र कार्य

भारत के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों या पवित्र केंद्रों को प्रदर्शित करें।

1. गंगा नदी पर स्थित वह नगर जिसे हिंदू तीर्थयात्रियों के लिए सबसे पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है।

2. वह स्थान जहाँ बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया था, जो महाबोधि स्तूप द्वारा चिह्नित है।

3. सिख धर्म का आध्यात्मिक केंद्र जिसे स्वर्ण मंदिर के नाम से जाना जाता है।

4. चार धाम स्थलों में से सबसे दक्षिणी का स्थान, जो एक द्वीप पर स्थित है।

उत्तर– **1.** वाराणसी (उत्तर प्रदेश) **2.** बोध गया (बिहार) **3.** अमृतसर (पंजाब) **4.** रामेश्वरम (तमिलनाडु)

9 शासक से शासित तक:सरकार के प्रकार

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. इस अध्याय में आपने जिन सरकारों के विभिन्न प्रकारों के बारे में पढ़ा, उनके नाम लिखिए।

उत्तर– इस अध्याय में मैंने निम्न प्रकार की सरकारों के बारे में पढ़ा।

1. लोकतंत्र, 2. राजतंत्र, 3. धर्मतंत्र, 4. तानाशाही, 5. अल्पतंत्र, 6. गणराज्य।

प्रश्न 2 भारत में किस प्रकार की सरकार है और उसे ऐसा क्यों कहा जाता है?

उत्तर– भारत में लोकतांत्रिक सरकार है। इसे ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि यहाँ जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनाव के माध्यम से चुनती है और देश का प्रमुख राष्ट्रपति होता है, जो वंशानुगत नहीं बल्कि निर्वाचित होता है। भारत में संविधान सर्वोच्च है और शासन उसी के नियमों के अनुसार चलता है, इसलिए भारत को लोकतांत्रिक गणराज्य कहा जाता है।

प्रश्न 3. आपने पढ़ा कि सभी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में स्वतंत्र न्यायपालिका होती है। न्यायपालिका का स्वतंत्र होना क्यों आवश्यक है? कोई तीन कारण बताइए।

उत्तर– न्यायपालिका का स्वतंत्र होना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि–

1. स्वतंत्र न्यायपालिका सरकार के अन्य अंगों के गलत या असंवैधानिक कार्यों को रोक सकती है।

2. यह सुनिश्चित करती है कि सभी नागरिकों को समान और निष्पक्ष न्याय मिले।

3. यह संविधान की रक्षा करती है और कानून के शासन को मजबूत बनाती है, जिससे लोकतंत्र सुरक्षित और संतुलित रहता है।

प्रश्न 4. क्या आपको लगता है कि लोकतांत्रिक सरकार अन्य शासन प्रणालियों से बेहतर है? क्यों?

उत्तर– हाँ, लोकतांत्रिक सरकार अन्य शासन प्रणालियों से बेहतर मानी जाती है क्योंकि इसमें जनता को शासन में भाग लेने का अधिकार मिलता है। नागरिक अपने प्रतिनिधियों को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के माध्यम से चुनते हैं। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता और न्याय को महत्व दिया जाता है। साथ ही सरकार जनता के प्रति जवाबदेह होती है और उसके निर्णयों की समीक्षा भी की जा सकती है, जिससे शासन अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनता है।

प्रश्न 5. नीचे कुछ देशों की शासन पद्धतियों से जुड़ी गतिविधियाँ दी गई हैं। क्या आप इनका मिलान संबंधित शासन प्रणाली से कर सकते हैं?

क्र. सं.	देश में प्रचलित प्रथा	शासन प्रणाली
1.	सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समान रूप से देखा जाता है।	(अ) अधिनायकतंत्र
2.	सरकार प्रत्येक निर्णय के लिए धार्मिक नेताओं से परामर्श करती है।	(ब) राजतंत्र
3.	शासक की मृत्यु के बाद उसका पुत्र राजा बनना है।	(स) लोकतंत्र
4.	शासक किसी भी संविधान का अनुपालन करने के लिए बाध्य नहीं है तथा वह सभी निर्णय अपनी इच्छा के अनुसार लेता है।	(द) धर्मतंत्र

उत्तर– 1. (स), 2. (द), 3. (ब), 4. (अ)।

प्रश्न 6. नीचे कुछ देशों के नाम दिए गए हैं। पता लगाइए कि इनमें कौन-सी शासन व्यवस्था प्रचलित है?

क्र.सं.	देश	शासन प्रणाली
1.	भूटान	
2.	नेपाल	
3.	बांग्लादेश	
4.	दक्षिण अफ्रीका	
5.	ब्राजील	

उत्तर– 1. भूटान – राजतंत्र, 2. नेपाल – लोकतंत्र

3. बांग्लादेश – लोकतंत्र, 4. दक्षिण अफ्रीका – लोकतंत्र, 5. ब्राजील – लोकतंत्र।

प्रश्न 7. एक लोकतंत्र में उसके मूल्यों और आदर्शों को प्राप्त करने में संभावित बाधाएँ क्या हैं तथा इन्हें कैसे दूर किया जा सकता है?

उत्तर– लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में लोकतंत्र के आदर्शों और मूल्यों को प्राप्त करने में कई बाधाएँ आ सकती हैं, जैसे– भ्रष्टाचार, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, जातिवाद और धनबल का प्रभाव। इन कारणों से लोकतंत्र के आदर्शों और मूल्यों को पूरी तरह लागू करना कठिन हो जाता है। इन बाधाओं को दूर करने के लिए शिक्षा का प्रसार, नागरिकों में जागरूकता, निष्पक्ष चुनाव, कड़े कानूनों का पालन और पारदर्शी शासन व्यवस्था आवश्यक है। जब नागरिक अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रहते हैं, तब लोकतंत्र अधिक मजबूत और प्रभावी बन सकता है।

प्रश्न 8. लोकतंत्र, राजतंत्र और अधिनायकतंत्र से किस प्रकार भिन्न है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– लोकतंत्र, राजतंत्र और अधिनायकतंत्र तीनों भिन्न-भिन्न शासन प्रणालियाँ हैं जिनकी कार्यप्रणाली और आधार अलग होते हैं। लोकतंत्र में सत्ता का वास्तविक स्रोत जनता होती है और नागरिक नियमित, स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनावों के माध्यम से अपने प्रतिनिधियों का चयन करते हैं।

राजतंत्र में शासन राजा या रानी के हाथ में होता है और यह पद सामान्यत: वंशानुगत होता है। अधिनायकतंत्र में सत्ता एक व्यक्ति या छोटे समूह के पास केंद्रित रहती है, जहाँ जनता की भागीदारी बहुत सीमित होती है और निर्णय शासक की इच्छा पर आधारित होते हैं। इसलिए लोकतंत्र में स्वतंत्रता, समानता, उत्तरदायित्व और जनभागीदारी को विशेष महत्व दिया जाता है जबकि राजतंत्र और अधिनायकतंत्र में ऐसा नहीं होता है।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन सरकार के तीन कार्यों में से एक नहीं है?
(अ) विधायी (ब) न्यायिक
(स) वाणिज्यिक (द) कार्यकारी

2. एक संसदीय लोकतंत्र में, सरकार का प्रमुख किसके द्वारा चुना जाता है?
(अ) सीधे जनमत द्वारा (ब) सम्राट द्वारा
(स) विधायिका द्वारा
(द) न्यायपालिका द्वारा

3. 'गणराज्य' शब्द एक ऐसी प्रणाली को संदर्भित करता है, जिसमें–
(अ) सत्ता जन्म से विरासत में मिलती है।
(ब) सरकार चुनी जाती है और निश्चित कार्यकाल के लिए कार्य करती है।
(स) एक सम्राट पूर्ण अधिकार से शासन करता है।
(द) धार्मिक नेता राज्य पर शासन करते हैं।

4. निम्नलिखित में से कौन सा देश वर्तमान में एक निरंकुश राजतंत्र का उदाहरण है?
(अ) यूनाइटेड किंगडम (ब) सऊदी अरब
(स) जापान (द) स्वीडन

5. अल्पतंत्र का शाब्दिक अर्थ किसके द्वारा शासन है–
(अ) एक व्यक्ति (ब) सभी नागरिक
(स) एक छोटा समूह (द) धार्मिक ग्रंथ

6. सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार सबसे पहले न्यूजीलैंड में किस वर्ष दिया गया था?
(अ) 1787 (ब) 1893
(स) 1928 (द) 1950

7. ईरान जैसे धर्मतंत्र में, परम अधिकार किसके पास होता है?
(अ) निर्वाचित राष्ट्रपति
(ब) धार्मिक नेता
(स) केवल संसद
(द) विदेशी राजनयिक

8. शक्ति पृथक्करण यह सुनिश्चित करता है कि–
(अ) विधायिका कानूनों को लागू करती है।
(ब) कार्यपालिका कानून लिखती है।
(स) न्यायपालिका विधायिका का हिस्सा है।
(द) कोई एक शाखा सभी कार्यों को नियंत्रित नहीं करती

9. उत्तर कोरिया में शेन की कहानी किसके अंतर्गत जीवन को दर्शाती है–
(अ) संवैधानिक राजतंत्र
(ब) संसदीय लोकतंत्र
(स) तानाशाही (द) गणराज्य

10. एक लोकतंत्र में मौलिक अधिकारों की दशा सीधे तौर पर किसकी रक्षा करता है–
(अ) केवल राज्य प्रमुख के हितों की
(ब) सत्तारूढ़ दल के हितों की
(स) व्यक्तिगत स्वतंत्रता और समानता की
(द) विदेशी निवेशकों के हितों की

उत्तर– **1.** (स), **2.** (स), **3.** (ब), **4.** (ब), **5.** (स), **6.** (ब), **7.** (ब), **8.** (द), **9.** (स), **10.** (स)

रिक्त स्थान पूर्ति

1. एक राष्ट्रपति प्रणाली वाले लोकतंत्र में .... को विधायिका से अलग चुना जाता है और वह एक निश्चित कार्यकाल तक कार्य करता है।

2. .... सरकार का वह रूप है जहाँ धार्मिक कानून और नेता राज्य का मार्गदर्शन करते हैं।

3. .... में कानूनों की व्याख्या करना और विवादों का निपटारा करना शामिल है।

4. एक अल्पतंत्र में, निर्णय लेने की शक्ति .... के पास होती है।
5. वज्जि महाजनपद में बुजुर्गों की सभा प्रारंभिक .... का एक उदाहरण है।

उत्तर– **1.** राष्ट्रपति, **2.** धर्मतंत्र, **3.** न्यायपालिका, **4.** एक छोटे अभिजात वर्ग/कुछ लोग, **5.** गणतंत्र।

सत्य-असत्य कथन

1. एक संवैधानिक राजतंत्र में, सम्राट के पास कानून बनाने और लागू करने की पूर्ण शक्ति होती है।
2. प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र लोगों के निर्णय लेने के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों पर निर्भर करता है।
3. निरंकुश राजतंत्रों में आमतौर पर शासक के अधिकार को सीमित करने वाला एक लिखित संविधान होता है।
4. प्रत्यक्ष लोकतंत्र सभी नागरिकों को बिना किसी बिचौलिए के हर कानून या नीति पर मतदान करने की अनुमति देता है।
4. एक तानाशाही सरकार में, नागरिक नियमित, प्रतिस्पर्धी चुनावों के माध्यम से स्वतंत्र रूप से अपने नेताओं का चयन करते हैं।

उत्तर– **1.** असत्य **2.** सत्य **3.** असत्य **4.** सत्य **5.** असत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1.	विधायी कार्य	(अ) राज्य प्रमुख निर्वाचित होता है, वंशानुगत नहीं
2.	कार्यकारी कार्य	(ब) कानून लिखना और पारित करना
3.	न्यायपालिका	(स) शक्ति एक व्यक्ति या समूह में केंद्रित
4.	तानाशाही	(द) कानूनों को लागू करना
5.	गणराज्य	(य) न्यायिक समीक्षा और विवादों का निपटारा

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (द), **3.** (य), **4.** (स), **5.** (अ)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. लोकतंत्र में "लोगों के शासन" से क्या अभिप्राय है?

उत्तर– इसका अर्थ है कि नागरिक स्वयं शासन की अंतिम शक्ति के धारक होते हैं और मतदान करके अपना नेता व शासक स्वयं चुनते हैं।

2. राष्ट्रपति प्रणाली और संसदीय प्रणाली के बीच एक मुख्य अंतर बताइए।

उत्तर– संसदीय प्रणाली में प्रधानमंत्री विधायिका द्वारा चुना जाता है, जबकि राष्ट्रपति प्रणाली में राष्ट्रपति सीधे लोगों द्वारा चुना जाता है।

3. किसी भी सरकार में एक स्वतंत्र न्यायपालिका क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर– शक्ति के दुरुपयोग को रोकने और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए तथा न्याय को सुनिश्चित करने के लिए।

4. लोकतंत्र का एक आधुनिक उदाहरण दीजिए।

उत्तर– नेपाल लोकतंत्र का एक आधुनिक उदाहरण है

5. सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार एक लोकतंत्र को कैसे मजबूत करता है?

उत्तर– सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार में प्रत्येक वयस्क को समान मतदान का अधिकार होता है, जो निष्पक्षता और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करके लोकतंत्र को मजबूत करता है।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो अभिकथन दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।
(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।
(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।
(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A):** एक संसदीय लोकतंत्र में कार्यपालिका को विधायिका का विश्वास बनाए रखना चाहिए।

कारण (R): प्रधानमंत्री और मंत्री भी विधायिका के सदस्य होते हैं और उन्हें विश्वास मत का सामना करना पड़ता है।

उत्तर– (अ) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **कथन (A):** अल्पतंत्र सरकार अक्सर तब उत्पन्न होती है जब एक छोटा अभिजात वर्ग धन और राजनीतिक शक्ति दोनों पर नियंत्रण रखता है।

कारण (R): केंद्रित धन उस समूह को चुनावों, विधान और सार्वजनिक नीति को प्रभावित करने से रोकता है।

उत्तर– (स) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

वेरिडा देश में, नागरिकों ने हाल ही में एक राष्ट्रपति चुनाव में मतदान किया। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत करने के लिए कई अध्यादेश पारित किये लेकिन विधायिका और अदालतों को दरकिनार कर दिया। नागरिकों ने शिकायत की कि इन अध्यादेशों में उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों की कोई राय नहीं थी। इस बीच, व्यापारिक नेताओं के एक छोटे समूह ने आर्थिक नीति पर राष्ट्रपति को सलाह देने के लिए निजी तौर पर मुलाकात की और उनके सुझावों को बिना सार्वजनिक बहस के लागू कर दिया गया।

1. वेरिडा में एक स्वस्थ लोकतंत्र की कौन सी विशेषता सबसे स्पष्ट रूप से खतरे में है?
   (अ) सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार
   (ब) शक्ति पृथक्करण
   (स) भाषण की स्वतंत्रता
   (द) आर्थिक स्थिरता
2. बिना किसी निगरानी के राष्ट्रपति को सलाह देने वाले व्यावसायिक नेताओं का निजी समूह किसका उदाहरण है?
   (अ) प्रत्यक्ष लोकतंत्र (ब) धर्मतंत्र
   (स) अल्पतंत्र (द) गणराज्य
3. अध्यादेशों के माध्यम से विधायिका और अदालतों को दरकिनार करना, किसके कामकाज से सबसे अधिक मेल खाता है?
   (अ) संसदीय लोकतंत्र
   (ब) संवैधानिक राजतंत्र
   (स) तानाशाही
   (द) संघीय गणराज्य

उत्तर– **1.** (ब) शक्ति पृथक्कीकरण। **2.** (स) अल्पतंत्र **3.** (स) तानाशाही

मानचित्र कार्य

विश्व मानचित्र पर निम्नलिखित शासन प्रणालियों वाले देशों को पहचानिए और उन्हें चिह्नित कीजिए।

1. एक संवैधानिक राजतंत्र जहाँ राजा की भूमिका मुख्यत: औपचारिक है।
2. एक राष्ट्रपति प्रणाली वाला लोकतंत्र जिसमें प्रसिद्ध व्हाइट हाउस है।
3. एक संसदीय लोकतंत्र और विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र।
4. मध्य पूर्व में स्थित एक निरंकुश राजतंत्र।

उत्तर– **1.** यूनाइटेड किंगडम (संवैधानिक राजतंत्र)
2. संयुक्त राज्य अमेरिका (राष्ट्रपति प्रणाली)
3. भारत (संसदीय लोकतंत्र)
4. सऊदी अरब (निरंकुश राजतंत्र)

10 भारत का संविधान–एक परिचय

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. "संविधान सभा में भारत की विविध पृष्ठभूमियों का प्रतिनिधित्व था।" आपके विचार में पूरे भारत से विविध प्रतिनिधियों का होना क्यों महत्वपूर्ण था?

उत्तर– संविधान सभा में भारत के विभिन्न क्षेत्रों, धर्मों, जातियों और पृष्ठभूमि के प्रतिनिधियों का होना एक समावेशी, निष्पक्ष और न्यायसंगत संविधान बनाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण था, जो पूरे राष्ट्र की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व कर सके। यह विविधता सुनिश्चित करती थी कि अल्पसंख्यकों, दलितों और सभी समुदायों

के अधिकार और हितों को ध्यान में रखते हुए, एक 'विविधता में एकता' वाला लोकतांत्रिक राष्ट्र बने।

प्रश्न 2. नीचे दिए गए कथनों को ध्यान से पढ़िए और पहचानें कि इनमें भारत के संविधान की कौन-कौन सी मुख्य विशेषताएँ/मूल्य दिखाई देते हैं।

(क) शीना, रजत और हर्ष एक पंक्ति में खड़े हैं। वे आम चुनाव में अपना पहला वोट डालने के लिए उत्साहित हैं।

(ख) राधा, इमोन और हरप्रीत एक ही विद्यालय की एक ही कक्षा में पढ़ते हैं।

(ग) माता-पिता को अपने बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था करनी चाहिए।

(घ) **गाँव के कुएँ का उपयोग सभी जाति, लिंग और धर्मों के लोग कर सकते हैं।**

उत्तर– (क) शीना, रजत और हर्ष द्वारा आम चुनाव में पहला वोट डालने के लिए एक पंक्ति में खड़े होना भारतीय संविधान के जीवंत लोकतंत्र, वयस्क मताधिकार (18 वर्ष से ऊपर) और समानता का प्रतिनिधित्व करता है। यह युवा नागरिकों में नागरिक जिम्मेदारी के मूल्य, लोकतांत्रिक भागीदारी और संविधान में विश्वास को दर्शाता है।

(ख) राधा, इमोन और हरप्रीत का एक ही कक्षा में साथ पढ़ना भारतीय संविधान की विविधता, समानता और समावेशी शिक्षा के मूल्यों को दर्शाता है। यह एक कक्षा में विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों या पृष्ठभूमि का प्रतिनिधित्व करता है। यह दृश्य एक लोकतांत्रिक और समावेशी भारत की तस्वीर है, जहाँ शिक्षा प्राप्त करना हर बच्चे का मौलिक अधिकार है।

(ग) माता-पिता द्वारा बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 ए (के) के तहत उनके 'मौलिक कर्तव्य' को दर्शाता है, जिसे 86वें संविधान संशोधन (2002) द्वारा जोड़ा गया था। यह 6-14 वर्ष के बच्चों के लिए शिक्षा को एक मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 21 ए) बनाता है, जो सामाजिक न्याय, समानता और बाल कल्याण के संवैधानिक मूल्यों को रेखांकित करता है।

(घ) गाँव के कुएँ का उपयोग सभी जाति, धर्म और लिंग के लोगों द्वारा किया जाना भारतीय संविधान की समानता, समावेशिता और अस्पृश्यता के अंत (अनुच्छेद 17) के मूल्यों को दर्शाता है। यह मुख्य रूप से अनुच्छेद 15 (धर्म, जाति, लिंग के आधार पर भेदभाव का निषेध) और समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14-18) के तहत सार्वजनिक स्थानों तक समान पहुँच के संवैधानिक मूल्य को पुष्ट करता है।

संक्षेप में, यह भारतीय संविधान द्वारा नागरिकों को दी गई सामाजिक और नागरिक समानता की गारंटी है।

प्रश्न 3. यह कहा जाता है कि ''भारत में सभी नागरिक कानून के समक्ष समान हैं।'' क्या आपको लगता है कि यह सत्य है? यदि हाँ तो क्यों? और यदि नहीं, तो क्यों नहीं? अपना तर्क दीजिए।

उत्तर— भारत में सैद्धांतिक रूप से कानून के समक्ष सभी नागरिक समान हैं (अनुच्छेद 14), जिसका अर्थ है कि कानून जाति, धर्म, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं करता और सर्वोच्च पद से लेकर आम आदमी तक पर समान रूप से लागू होता है। व्यवहार में, यह समानता अभी भी चुनौतीपूर्ण है, लेकिन संवैधानिक और कानूनी ढाँचा इसे अनिवार्य बनाता है।

कानून की समानता के संदर्भ में तर्क–

1. संवैधानिक प्रावधान– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 स्पष्ट करता है कि भारत के क्षेत्र में कानून के समक्ष समानता या कानूनों के समान संरक्षण से किसी को वंचित नहीं किया जाएगा। अनुच्छेद 15 धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव को रोकता है।

2. कानून की सर्वोच्चता– चाहे वह उच्च पदस्थ व्यक्ति हो या आम नागरिक, नियम सबके लिए एक समान हैं। उदाहरण के लिए, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना सभी के लिए अनिवार्य है।

3. न्यायिक प्रणाली– न्याय प्रणाली सभी के लिए खुली है। यदि कानून का उल्लंघन होता है, तो व्यक्ति को सजा का प्रावधान है, चाहे उसकी सामाजिक या आर्थिक स्थिति कुछ भी हो।

4. समान नागरिक संहिता का प्रयास– भारत में सभी धर्मों के व्यक्तिगत कानूनों (विवाह, तलाक, विरासत) को एकसमान करने के लिए अनुच्छेद 44 के तहत समान नागरिक संहिता लागू करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि समानता को और अधिक बढ़ावा मिल सके।

व्यावहारिक चुनौतियाँ– हालाँकि, व्यावहारिक रूप से कानून के समक्ष समानता को पूरी तरह से लागू करने में अभी भी बाधाएँ हैं, लेकिन संविधान और न्यायपालिका के माध्यम से, 'कानून के समक्ष समानता' के मूल सिद्धांत का पालन किया जाता है। इसके निम्न कारण हैं–

1. आर्थिक और सामाजिक असमानता– गरीब या कम प्रभावशाली व्यक्ति महँगे वकील नहीं रख पाते, जिससे न्याय मिलने में देरी या अन्याय की संभावना बढ़ जाती है।

2. कानूनी प्रणाली में जटिलता और देरी– मुकदमों के सालों लग जाना आम बात है, जिससे आम आदमी थक जाता है, जबकि धनिक और राजनीतिक पहुँच रखने वाले प्रशासनिक कार्यप्रणाली का लाभ उठा लेते हैं।

3. पारिवारिक/निजी कानूनों में विविधता– भारत में आपराधिक कानून सबके लिए समान हैं, लेकिन शादी, तलाक और संपत्ति जैसे मामले धार्मिक व्यक्तिगत कानूनों (जैसे- हिन्दू मैरिज एक्ट, मुस्लिम पर्सनल लॉ) के अनुसार होते हैं, जो समानता के सिद्धान्त के विपरीत हैं।

4. पुलिस और प्रशासन का व्यवहार– कई बार कमजोर वर्गों के लिए न्याय तक पहुँच मुश्किल होती है।

निष्कर्ष– सैद्धांतिक रूप से कानून के समक्ष सब बराबर हैं, लेकिन व्यावहारिक धरातल पर समानता के प्रभावी क्रियान्वयन की बड़ी चुनौती है।

प्रश्न 4. आपने पढ़ा है कि "भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसने शुरुआत से ही अपने नागरिकों को सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार प्रदान किया।" क्या आप बता सकते हैं कि भारत ने ऐसा क्यों किया?

उत्तर– भारत ने स्वतंत्रता के बाद 1950 में संविधान लागू करते ही सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार अपनाया ताकि जाति, धर्म, लिंग, शिक्षा या संपत्ति के भेदभाव के बिना हर वयस्क को समानता और राजनीतिक सशक्तीकरण मिले। यह निर्णय ऐतिहासिक असमानताओं को दूर करने और सभी को शासन में भागीदारी देने के लिए लिया गया था।

भारत के इस निर्णय के पीछे मुख्य कारण–

1. समानता का सिद्धांत– भारतीय संविधान समानता पर आधारित है। स्वतंत्रता आंदोलन का उद्देश्य सभी को समान अधिकार देना था, न कि केवल कुछ अमीर या शिक्षित लोगों को।

2. लोकतंत्र की नींव– जनता द्वारा, जनता के लिए सरकार का अर्थ है कि शासन की बागडोर आम जनता (वयस्कों) के हाथों में हो।

3. सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व– इससे महिलाओं, गरीब और हाशिए पर पड़े समूहों (अनुसूचित जातियों/जनजातियों) को भी अपनी सरकार चुनने का हक मिला, जो पहले नकारा गया था।

4. औपनिवेशिक शासन से भिन्न– अंग्रेज सरकार सीमित लोगों को वोट का अधिकार देती थी। भारत ने उसे बदलकर पूर्ण लोकतंत्र चुना।

यह निर्णय सुनिश्चित करता है कि सरकार सभी नागरिकों के प्रति जवाबदेह हो, न कि केवल धनी वर्ग के प्रति।

प्रश्न 5. स्वतंत्रता संग्राम ने भारत के संविधान के निर्माण को कैसे प्रेरित किया? भारतीय सभ्यता की विरासत ने संविधान की कुछ प्रमुख विशेषताओं को कैसे प्रेरित किया? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– भारतीय स्वतंत्रता संग्राम ने संविधान के निर्माण को लोकतांत्रिक मूल्यों, मौलिक अधिकारों और सामाजिक न्याय के रूप में गहराई से प्रभावित किया। स्वतंत्रता के लंबे संघर्ष के दौरान स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के जो आदर्श विकसित हुए उन्हें संविधान में शामिल किया गया।

स्वतंत्रता संग्राम द्वारा भारतीय संविधान के निर्माण को प्रेरित करना

1. लोकतांत्रिक मूल्य और स्वतंत्रता– दशकों के संघर्ष ने संसदीय लोकतंत्र, भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के महत्त्व को स्थापित किया, जो मौलिक अधिकारों का आधार बना।

2. सामाजिक न्याय– गांधीवादी विचारधारा और दलित-उत्पीड़ित वर्गों के संघर्ष के कारण 'अस्पृश्यता उन्मूलन' (अनुच्छेद 17) और सामाजिक-आर्थिक समानता को संविधान में प्रमुखता दी गई।

3. धर्मनिरपेक्षता– भारत की बहु-धार्मिक, सहिष्णु विरासत और विभाजन की त्रासदी ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान का मूल स्तंभ बना दिया।

4. पंचायती राज– प्राचीन भारतीय परंपरा (ग्राम पंचायत) को स्थानीय स्वशासन और विकेंद्रीकरण के रूप में शामिल किया गया।

5. विविधता में एकता– भारत की विविधता ने संघीय ढाँचे (विनाशी राज्यों का अविनाशी संघ) को प्रेरित किया।

भारतीय सभ्यता की विरासत से विकास की विशेषताओं को प्रेरित करना

1. मूलभूत अधिकार और मौलिक कर्तव्य– यह भारतीय दर्शन के 'धर्म' (कर्तव्य) और 'मानव अधिकार' की धारणा को दर्शाता है।

2. समानता– 'वसुधैव कुटुंबकम्' (दुनिया एक परिवार है) की भावना को समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14-18) में रूपांतरित किया गया।

संविधान के निर्माण में 1935 के भारत सरकार अधिनियम की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी, लेकिन इसके दार्शनिक और वैचारिक स्तंभ स्वतंत्रता संग्राम के ही परिणाम थे।

प्रश्न 6. क्या आपको लगता है कि हमने एक समाज के रूप में, संविधान के सभी आदर्शों को प्राप्त कर लिया है? यदि नहीं, तो इन आदर्शों के करीब पहुँचने के लिए हम एक नागरिक के रूप में क्या कर सकते हैं?

उत्तर– नहीं, एक समाज के रूप में हमने अभी तक संविधान के सभी आदर्शों (समानता, न्याय, स्वतंत्रता और भाईचारा) को पूरी तरह प्राप्त नहीं किया है, क्योंकि आज भी असमानता, भेदभाव और गरीबी जैसी चुनौतियाँ मौजूद हैं। नागरिक के रूप में हम भेदभाव के विरुद्ध खड़े होकर, अपने कर्तव्यों का पालन कर और समानता व शिक्षा को बढ़ावा देकर देश को इन आदर्शों के करीब ला सकते हैं।

संविधान हमें एक आदर्श समाज बनाने का ढाँचा प्रदान करता है, जिसे हम अपनी दैनिक गतिविधियों में इसके सिद्धांतों को अपनाकर साकार कर सकते हैं।

प्रश्न 7. भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण विशेषताओं को ध्यान में रखकर वर्ग पहेली को हल करने के लिए संकेतों को ध्यान से पढ़ें।

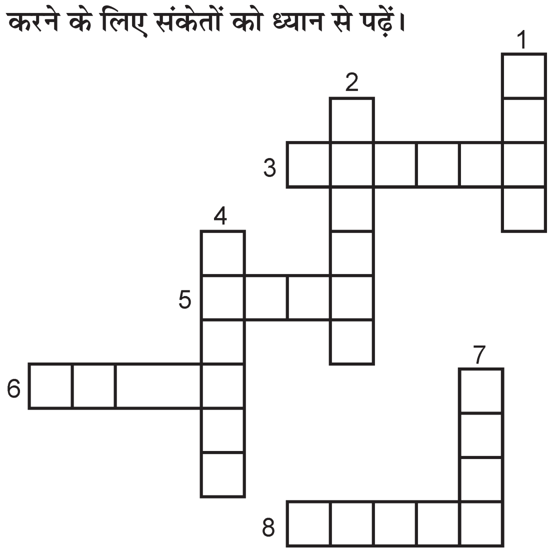

ऊपर से नीचे

2. वे अधिकार जो प्रत्येक नागरिक को मिलते हैं, जैसे– स्वतंत्रता और समानता का अधिकार।

1. वह गैस जिसमें मूल भारतीय संविधान की प्रति सुरक्षित रखी गई है।

4. लोगों का वह समूह जिसने भारतीय संविधान तैयार किया।

7. संविधान का आरंभिक कथन, जो वे मूल्य व आदर्श बताता है, जिनका वह संरक्षण करता है।

बाएँ से दाएँ

6. वह प्रक्रिया जो संविधान में परिवर्तन के लिए प्रयोग की जाती है।

5. सरकार का अंग जो कानून बनाता है।

8. सरकार का वह अंग, जो कानून को क्रियान्वित करता है।

3. संविधान का वह बल जो नागरिकों के कर्त्तव्य को दर्शाता है।

उत्तर– ऊपर से नीचे– 2. मौलिक अधिकार, **1.** हीलियम, **4.** संविधान सभा, **7.** उद्देशिका। **बाएँ से दाएँ– 6.** संशोधन, **5.** विधायिका, **8.** कार्यपालिका, 3. मौलिक कर्तव्य।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन एक संविधान के प्राथमिक उद्देश्य का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

(अ) किसी देश के नेताओं के नामों की सूची बनाना

(ब) बुनियादी सिद्धांतों, सरकारी ढाँचे और नागरिकों के अधिकारों को स्थापित करना

(स) किसी राष्ट्र की ऐतिहासिक घटनाओं को दर्ज करना

(द) कर दरें और बजट निर्धारित करना

2. भारतीय संविधान का प्रारंभिक पाठ तैयार करने वाली मसौदा समिति की अध्यक्षता किसने की थी।

(अ) डॉ. राजेंद्र प्रसाद

(ब) डॉ. बी. आर. अंबेडकर

(स) महात्मा गांधी

(द) सरदार पटेल

3. इनमें से कौन सा भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के रूप में शामिल नहीं है?

(अ) **6-14** वर्ष की आयु के बच्चों के लिए नि:शुल्क शिक्षा का अधिकार

(ब) राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों का संरक्षण

(स) एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का कर्तव्य

(द) कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना

4. भारतीय संविधान की उद्देशिका भारत को घोषित करती है?
(अ) संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष लोकतांत्रिक, गणराज्य
(ब) संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, संसदीय, राजतंत्र
(स) लोकतांत्रिक, पंथनिरपेक्ष, संघीय, समाजवादी, गणराज्य
(द) संप्रभु, पंथनिरपेक्ष, समाजवादी, एकात्मक, गणराज्य

5. मौलिक अधिकारों को नागरिकों द्वारा लागू कराया जा सकता है—
(अ) केवल राष्ट्रपति के पास याचिका देकर
(ब) सीधे कानूनी अदालत से
(स) केवल राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के माध्यम से
(द) स्थानीय सरकारी निकायों के माध्यम से

6. भारत का संविधान किस तिथि को लागू हुआ था?
(अ) **15** अगस्त **1947**
(ब) **26** जनवरी **1950**
(स) **2** अक्टूबर **1950**
(द) **26** नवंबर **1949**

7. कौन सा अनुच्छेद ''कानून के समक्ष समानता के अधिकार'' की गारंटी देता है?
(अ) अनुच्छेद **14** (ब) अनुच्छेद **19**
(स) अनुच्छेद **21** (ब) अनुच्छेद **32**

8. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत हैं—
(अ) अदालतों में न्यायोचित (लागू करने योग्य)
(ब) राज्य के लिए गैर-न्यायोचित दिशानिर्देश
(स) मौलिक अधिकारों के समान
(द) केवल केंद्र शासित प्रदेशों पर लागू

9. 73वें संशोधन ने इनके लिए विशेष प्रावधान जोड़े—
(अ) मौलिक कर्तव्य
(ब) पंचायती राज संस्था
(स) अनुच्छेद **370**
(द) आपातकालीन शक्तियाँ

10. किस विदेशी संविधान से राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है?
(अ) संयुक्त राज्य अमेरिका
(ब) यूनाइटेड किंगडम
(स) आयरलैंड (द) ऑस्ट्रेलिया

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (ब), **3.** (अ), **4.** (अ), **5.** (ब), **6.** (ब), **7.** (अ), **8.** (ब), **9.** (ब), **10.** (स)

रिक्त स्थान पूर्ति

1. भारतीय संविधान .... (तारीख) को लागू हुआ था।

2. .... का विचार, जिसका अर्थ है "संपूर्ण विश्व एक परिवार है," ने संविधान निर्माताओं को प्रभावित किया।

3. अनुच्छेद **21** जीवन और .... के संरक्षण की गारंटी देता है।

4. .... संशोधन ने संविधान में मौलिक कर्तव्यों को जोड़ा।

5. एक .... प्रणाली में, शक्ति एक केंद्रीय प्राधिकरण और क्षेत्रीय सरकारों के बीच साझा की जाती है।

उत्तर– **1.** 26 जनवरी, 1950, **2.** वसुधैव कुटुम्बकम, **3.** व्यक्तिगत स्वतंत्रता, **4.** 42वाँ, **5.** संघीय।

सत्य-असत्य कथन

1. मौलिक कर्तव्य कानून की अदालत में लागू करने योग्य हैं।

2. निर्देशक तत्व सरकारी नीति के लिए गैर-न्यायोचित दिशानिर्देश हैं।

3. संविधान सभा की पहली बैठक दिसंबर **1947** में हुई थी।

4. संविधान की उद्देशिका में "बंधुत्व" शब्द शामिल है।

5. संविधान में संशोधन के लिए संसद में बहस और स्वीकृति की आवश्यकता होती है।

उत्तर– **1.** असत्य **2.** सत्य **3.** असत्य (पहली बार दिसंबर 1946 में) **4.** सत्य **5.** सत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1.	डॉ. बी. आर. अंबेडकर	(अ) समानता का अधिकार

2.	अनुच्छेद **14**	(ब) मसौदा समिति के अध्यक्ष
3.	शक्ति पृथक्कीकरण	(स) विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका
4.	अनुच्छेद **51**-अ	(द) आयरलैंड से लिया गया
5.	नीति निर्देशक तत्व	(य) मौलिक कर्तव्य

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (अ), **3.** (स), **4.** (य), **5.** (द)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. संविधान की प्रस्तावना में "संप्रभु" शब्द से क्या अभिप्राय है?

उत्तर– संप्रभु का अर्थ है कि भारत अपने निर्णय स्वतंत्रतापूर्वक लेने के लिए स्वतंत्र है और किसी भी बाहरी शक्ति के नियंत्रण में नहीं है।

2. अनुच्छेद **23-24** के तहत संरक्षित एक अधिकार का नाम बताइए।

उत्तर– शोषण के विरुद्ध अधिकार (बेगार या बाल श्रम का निषेध)।

3. संविधान में मौलिक अधिकार और नीति निर्देशक तत्व दोनों क्यों शामिल हैं?

उत्तर– मौलिक अधिकार न्याययोग्य गारंटी है, जबकि नीति निदेशक तत्व सरकार का सामाजिक और आर्थिक कल्याण की दिशा में मार्गदर्शन करते हैं। स्वतंत्रता और कल्याण के बीच संतुलन बनाने के लिए ये दोनों आवश्यक हैं।

4. संविधान के अनुसार प्रधानमंत्री की नियुक्ति कौन करता है?

उत्तर– राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री को नियुक्त करते हैं।

5. संविधान के तहत न्यायपालिका की क्या भूमिका है?

उत्तर– न्यायपालिका संविधान की व्याख्या करती है तथा यह सुनिश्चित करती है कि कानूनों का पालन हो और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करती है।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A):** भारतीय संविधान एक "जीवित दस्तावेज़" कहलाता है।

कारण (R): इसे समाज की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई बार संशोधित किया गया है।

उत्तर– (अ) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **कथन (A):** नीति निर्देशक तत्व सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय हैं।

कारण (R): इनका वो कानूनी दर्जा नहीं है जो मौलिक अधिकारों का है।

उत्तर– (अ) अभिकथन (A) गलत है; कारण (R) सही है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

संविधान सभा की बहस के दौरान, बेगम एजाज रसूल ने टिप्पणी की थी कि, ''यह संविधान महिलाओं की समानता की पुष्टि करता है और भारतीय गणराज्य में महिलाओं के अधिकारों का पूर्ण रूप से सम्मान करने का आश्वासन देता है।''

1. संविधान का कौन सा अनुच्छेद बिना किसी भेदभाव के समानता की इस गारंटी को सबसे सीधे तौर पर दर्शाता है?

(ब) अनुच्छेद 15 (ब) अनुच्छेद 21
(स) अनुच्छेद 44 (द) अनुच्छेद 51

2. बेगम रसूल का कथन प्रस्तावना के किस मार्गदर्शक मूल्य के सबसे करीब है?

(अ) बंधुत्व (ब) स्वतंत्रता
(स) समानता (द) न्याय

3. भारत में महिलाओं की स्थिति के ऐतिहासिक आदर्श का आह्वान करके, उनका भाषण

किसके प्रभाव का उदाहरण है?
(अ) ब्रिटिश प्रशासनिक प्रथा
(ब) भारत की सभ्यतागत विरासत
(स) अमेरिकी संघवाद
(द) फ्रांसीसी क्रांतिकारी विचार

उत्तर– **1.** (अ) अनुच्छेद 15 **2.** (स) समानता **3.** (ब) भारत की सभ्यतागत विरासत।

मानचित्र कार्य

भारत के मानचित्र में निम्न को प्रदर्शित कीजिए–

1. संविधान सभा की पहली बैठक का आयोजन स्थल।
2. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद से सम्बन्धित भारतीय राज्य।
3. संविधान सभा के सर्वाधिक प्रतिनिधि वाला भारतीय राज्य।
4. संविधान सभा के टी. विजयराघवाचार्य, हीरालाल शास्त्री से सम्बन्धित राज्य।

उत्तर– **1.** नई दिल्ली **2.** बिहार **3.** उत्तर प्रदेश **4.** राजस्थान।

11 वस्तु विनिमय से मुद्रा तक

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. वस्तु विनिमय प्रणाली कैसे कार्य करती थी और इस प्रणाली में किस प्रकार की वस्तुओं का प्रयोग विनिमय हेतु किया जाता था?

उत्तर– वस्तु विनिमय प्रणाली में अपनी आवश्यकता की वस्तु प्राप्त करने हेतु बदले में दूसरी वस्तु दी जाती थी, जैसे– चायपत्ती के बदले में तंबाकू प्राप्त करना। इस प्रणाली के अंतर्गत विनिमय के लिए लोग कौड़ी, कवच, नमक, चाय पत्ती, तंबाकू, कपड़ा, बीज, गाय, बकरी, घोड़े, भेड़ आदि का प्रयोग करते थे।

प्रश्न 2. वस्तु विनिमय प्रणाली की क्या सीमाएँ थीं?

उत्तर– वस्तु विनिमय प्रणाली की सीमाएँ निम्नलिखित थीं।

(i) दोहरे संयोग का अभाव– अपनी आवश्यकता की वस्तु प्राप्त करने हेतु एक ऐसे व्यक्ति को ढूँढ़ना पड़ता था जो हमारी अतिरिक्त वस्तु को लेकर आवश्यकता की दूसरी वस्तु दे सके। ऐसा संयोग ढूँढ़ना कठिन होता था।

(ii) मूल्य का मानक माप न होना– वस्तु विनिमय प्रणाली में किसी वस्तु के बदले में दूसरी वस्तु कितनी दी जायेगी इसका कोई मानक नहीं था, इसलिए लेन-देन के निर्धारण होने में कठिनाई होती थी।

(iii) विभाजकता का अभाव– माना कि एक घोड़े के बदले में दो बकरी आती हैं, लेकिन देने वाले के पास एक ही बकरी है तो ऐसी स्थिति में घोड़े के दो भाग नहीं किए जा सकते, यदि विनिमय करना है तो एक बकरी के बदले में ही घोड़ा देना पड़ेगा। इस प्रकार की विभाज्यता की कठिनाई वस्तु विनिमय में आती थी।

(iv) सुवाह्यता (लाने-ले जाने) की कठिनाई– वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने-ले जाने में कठिनाई होती थी। जैसे- बैल के बदले अनाज चाहिए लेकिन बैल को सब जगह लाना-ले जाना कठिन है।

(v) टिकाऊपन का अभाव– कुछ वस्तुएँ ऐसी होती हैं जो टिकाऊ नहीं होतीं, जैसे– दूध को लम्बे समय तक नहीं रखा जा सकता है। ऐसी वस्तुओं को विनिमय करने में कठिनाई होती थी।

प्रश्न **3. प्राचीन भारतीय सिक्कों की मुख्य विशेषताएँ क्या थीं?**

उत्तर– प्राचीन भारतीय सिक्कों की मुख्य विशेषताएँ–

(i) सिक्के मुद्रा के सबसे प्राचीन रूपों में से एक थे। इन्हें उस समय के शासक जारी करते थे।

(ii) सिक्के सोने, चाँदी, ताँबा या उनकी मिश्रधातु से बनाये जाते थे उन्हें 'कार्षापण' या 'पण' कहा जाता था।

(iii) सिक्कों पर चिह्न अंकित होता था जिसे 'रूपा' कहा जाता था।

(iv) प्राचीन सिक्कों के शीर्ष एवं पृष्ठ भाग पर जानवर, वृक्ष, पहाड़, राजा-रानी, देवी-देवता आदि की छवियाँ उकेरी जाती थीं।

प्रश्न 4. समय के साथ मुद्रा विनिमय के माध्यम के रूप में कैसे परिवर्तित हुई?

उत्तर– कहते हैं कि 'आवश्यकता ही आविष्कार की जननी होती है।' जैसे-जैसे व्यापार बढ़ने लगा तथा वस्तुओं के प्रकार एवं संख्या में वृद्धि हुई उसके साथ ही विनिमय की एक नई प्रणाली की आवश्यकता महसूस होने लगी, और मुद्रा अस्तित्व में आ गई। यह धीरे-धीरे वस्तुओं एवं सेवाओं के प्रतिफल के रूप में स्वीकार की जाने लगी।

प्रश्न 5. प्राचीन काल में कौन-से कदम उठाए गये होंगे जिससे भारतीय सिक्के विभिन्न देशों में विनिमय का माध्यम बन सके?

उत्तर– प्राचीन काल में सिक्के जारी करना पूर्णतया शासकों के नियंत्रण में था। शक्तिशाली शासकों के सिक्के उनके अपने राज्य के अलावा अन्य राज्यों में भी स्वीकृत होने लगे। इससे आस-पास के देशों में व्यापार सुगम होने लगा। राजाओं ने अपने सिक्कों की स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए उन्हें बहुमूल्य धातु तथा मिश्रधातु से बनाया तथा अपनी विशेष छवियाँ उन पर उकेरीं जिनसे उनकी विशेष पहचान बन सके।

प्रश्न 6. अर्थशास्त्र की निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़ें–

उत्तर– '60 पणों का एक वर्ष का वेतन एक अधक अनाज से प्रतिस्थापित हो सकता था, जो चार बार के भोजन के लिए पर्याप्त था ...' (एक अधक लगभग 3 किलोग्राम के बराबर होता है।) यह एक पण के मूल्य के विषय में क्या बताता है? पड़ोसी की सहायता करने का दण्ड 100 पण था। इसकी तुलना वार्षिक वेतन से करें। इससे आप मानवीय मूल्यों के बारे में, क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं जो इसके माध्यम से प्रोत्साहित किए जा रहे थे?

उत्तर– एक वर्ष में वेतन के रूप में 60 पण दिये जाते थे जो 365 अधक अथवा $365 \times 3 = 1095$ कि.ग्रा. अनाज के बराबर था अर्थात् एक पण का मूल्य $1095 \div 60 = 18.25$ कि.ग्रा. अनाज के लगभग था। आपत्तिकाल में अपने पड़ोसी की सहायता न करने पर 100 पण का जुर्माना देना पड़ता था अर्थात् यह जुर्माना एक वर्ष 8 माह के वेतन के बराबर था। इससे यह पता चलता है कि उस समय सामाजिक जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्वपूर्ण स्थान था।

प्रश्न 7. एक नाटक लिखिए और इसका मंचन कीजिए जिसमें यह दिखाया जाए कि लोग एक-दूसरे को कौड़ी, कवच और ऐसी अन्य वस्तुओं को विनिमय के माध्यम के रूप में प्रयोग करने के लिए कैसे तैयार कर सके होंगे?

उत्तर– (विद्यार्थी स्वयं करें)।

प्रश्न 8. भारत में भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) ही कागजी मुद्रा को छापने और वितरण करने का एकमात्र वैधानिक स्रोत है। नोटों की अवैध छपाई और दुरुपयोग को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने कई सुरक्षा कदम उठाए हैं। पता लगाइए कि ऐसे कुछ उपाय कौनसे हैं और अपनी कक्षा में उनकी चर्चा कीजिए।

उत्तर– भारतीय रिजर्व बैंक कागजी मुद्रा को छापने में सुरक्षा की दृष्टि से अत्यधिक सावधानी बरतता है जैसे- नोटों की विशेष नम्बरिंग करना, विशेष प्रकार की स्याही का प्रयोग करना, विशेष प्रकार के आयातित कागज का प्रयोग करना, नोटों की डिजाइन इस प्रकार की बनाना जिससे उनकी कॉपी न की जा सके, कुछ अंकों व शब्दों को नोटों पर उकेर कर लिखना जिससे उन्हें हाथों की सहायता से ही पहचाना जा सके।

प्रश्न 9. अपने परिवार के कुछ सदस्यों और स्थानीय दुकानदारों का साक्षात्कार लीजिए और उसने पूछिए कि वे भुगतान करने या प्राप्त करने में नकद या यू.पी.आई. में किसको वरीयता देंगे और क्यों?

उत्तर– छात्र स्वयं स्थानीय दुकानदारों से साक्षात्कार करें।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. प्राचीन भारतीय शासकों द्वारा ढाले जाने वाले धातु के सिक्कों के लिए किस शब्द का प्रयोग किया जाता था।
(अ) रूप (ब) पण
(स) वस्तु विनिमय (द) जियाओज़ी

2. कर्षापण ढालने के लिए आमतौर पर किस धातु का प्रयोग नहीं किया जाता था?
(अ) सोना (ब) चाँदी
(स) ताँबा (द) लोहा

3. सिक्के पर छपा हुआ प्रतीक क्या दर्शाता है?
(अ) पैसे में इसका मौद्रिक मूल्य
(ब) इसके जारीकर्ता प्राधिकारी, सिक्के का वजन और शुद्धता
(स) केवल ढलाई की तारीख
(द) शासक का निजी आदर्श वाक्य

4. सिक्के का "अग्रभाग" आमतौर पर दिखाता है—
(अ) राजचिह्न या दैवीय आकृतियाँ
(ब) प्रकृति के रूपांकन (जैसे जानवर या पेड़)
(स) ढलाई का वर्ष
(द) रुपयों में मूल्यवर्ग

5. चालुक्य सिक्कों पर एक तरफ वराह और दूसरी तरफ तीन-स्तरीय छत्र दर्शाया गया था। यह उदाहरण दर्शाता है—
(अ) सिक्कों की विभाज्यता
(ब) अग्रभाग और प्रतीपभाग के डिजाइन
(स) मिश्र धातुओं का उपयोग
(द) आवश्यकताओं का दोहरा संयोग

6. एक मिश्र धातु है—
(अ) सिक्कों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली शुद्ध धातु
(ब) दो या दो से अधिक धातुओं का मिश्रण
(स) सिक्के ढालने की प्रक्रिया
(द) सिक्के पर छपा हुआ एक प्रतीक

7. वस्तु विनिमय की किस समस्या का समाधान मानकीकृत सिक्का प्रणाली करती है?
(अ) केवल नाशवानता
(ब) केवल वहनीयता
(स) आवश्यकताओं का दोहरा संयोग
(द) केवल भंडारण स्थान

8. जैसे-जैसे व्यापार मार्गों का विस्तार हुआ, शक्तिशाली राज्यों द्वारा जारी सिक्के—
(अ) पूरी तरह से अपना मूल्य खो बैठे
(ब) केवल अपनी सीमाओं के भीतर ही प्रचलित रहे
(स) दूर-दराज के क्षेत्रों में भी प्रचलित हुए
(द) तुरंत कागजी नोटों से बदल दिए गए

9. "ढलाई" शब्द संदर्भित करता है—
(अ) धातुओं को मिलाकर मिश्र धातु बनाना
(ब) उत्कीर्ण मुद्रांकनों (डाइस) का उपयोग करके धातु के खाली डिस्कों से सिक्के बनाना
(स) कागजी नोटों में प्रतीक छापना
(द) पोस्टरों पर डिजाइन उकेरना

10. आप एक प्राचीन भारतीय सिक्के के प्रतीपभाग (पिछली ओर) पर किस आकृति के मिलने की अपेक्षा करेंगे?
(अ) समय का प्रतिनिधित्व करने वाला एक पहिया
(ब) एक देवता या राजचिह्न
(स) केवल शासक का चित्र
(द) व्यापार मार्गों का एक नक्शा

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (द), **3.** (ब), **4.** (ब), **5.** (ब), **6.** (ब), **7.** (स), **8.** (स), **9.** (ब), **10.** (ब)

रिक्त स्थान पूर्ति

1. प्राचीन भारतीय धातु के सिक्कों को .... या ....कहा जाता था।
2. सिक्के के दो पहलुओं को .... और .... के नाम से जाना जाता है।
3. एक .... सिक्के के वजन और शुद्धता की गारंटी देता है।
4. चांदी और ताँबे को मिलाने से एक .... बनती है, जो सिक्के की मजबूती बढ़ाती है।
5. मानकीकृत सिक्कों ने .... की समस्या को एक सामान्य विनिमय माध्यम प्रदान करके हल किया।

उत्तर– **1.** कर्षापण, पण, **2.** अग्रभाग, पश्चभाग, **3.** रूप, **4.** मिश्रधातु, **5.** आवश्यकता के दोहरे संयोग।

सत्य-असत्य कथन

1. प्राचीन भारत में केवल शासकों को ही कर्षापण ढालने का अधिकार था।
2. सिक्के का अग्रभाग हमेशा शासक का चित्र दिखाता है।
3. एक मिश्र धातु का सिक्का एक ही शुद्ध धातु से बना होता है।
4. शक्तिशाली शासकों के सिक्के केवल उनके अपने राज्यों में ही प्रचलित थे।
5. मुद्रण का तात्पर्य सिक्के बनाने के लिए धातु के खाली डिस्कों पर मुद्रांकन करना है।

उत्तर– **1.** सत्य, **2.** असत्य, **3.** असत्य, **4.** असत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1.	कर्षापण	(अ) सिक्के पर छपा हुआ प्रतीक

2. अग्रभाग (ब) सिक्के ढालने की प्रक्रिया
3. मिश्र धातु (स) सिक्के का अग्र पक्ष (मुख्य भाग)
4. ढलाई (द) धातुओं का मिश्रण
5. रूप (य) प्राचीन भारतीय धातु का सिक्का

उत्तर– **1.** (य), **2.** (स), **3.** (द), **4.** (ब), **5.** (अ)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सिक्के पर बने 'रूप' (छपे प्रतीक) का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर– 'रूप' (या अन्य प्रमाणिकता चिह्न) सिक्के के वजन, शुद्धता और जारीकर्ता प्राधिकारी के बारे में उपयोगकर्ताओं को जानकारी प्रदान करते थे।

2. प्राचीन समाजों ने सिक्कों में मिश्र धातुओं का उपयोग क्यों शुरू किया?

उत्तर– मजबूती और स्थायित्व बढ़ाने के लिए, क्योंकि सोना और चाँदी जैसी शुद्ध धातुएँ बहुत नरम होती हैं।

3. मानकीकृत सिक्का प्रणाली ने लंबी दूरी के व्यापार में कैसे सुधार किया?

उत्तर– मानकीकृत सिक्कों ने विनिमय का एक विश्वसनीय माध्यम बनाया जो स्थायी, टिकाऊ और व्यापक रूप से स्वीकृत था, जिससे लंबी दूरी के व्यापार को लाभ मिला था।

4. "व्यापार मार्ग" शब्द को परिभाषित करें।

उत्तर– व्यापार मार्ग एक पथ या जाल है जिसके द्वारा व्यापारी विभिन्न क्षेत्रों के बीच माल और मुद्रा का परिवहन करते थे।

5. सिक्के के अग्रभाग और पश्चभाग में क्या अंतर है?

उत्तर– अग्रभाग सिक्के का सामने का हिस्सा होता है (अक्सर प्रकृति के चित्रों के साथ), जबकि पृष्ठभाग पिछला हिस्सा होता है (आमतौर पर शाही या दैवीय प्रतीक दिखाता है)।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।
(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।
(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।
(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A):** प्राचीन भारतीय शासकों ने मजबूत सिक्के ढालने के लिए मिश्र धातुओं का उपयोग किया था।

कारण (R): सोना और चांदी जैसी शुद्ध धातुएँ बार-बार हाथ में लेने के लिए बहुत नरम थीं।

उत्तर– (अ) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **कथन (A):** सिक्कों के दोनों ओर अलग-अलग डिजाइन होते थे।

कारण (R): एक से अधिक रूपांकन उपयोगकर्ताओं को सिक्के की प्रामाणिकता और जारी करने वाले प्राधिकारी की पहचान करने में मदद करते थे।

उत्तर– (अ) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

"600 ईसा पूर्व में मौर्य सम्राट ने चाँदी के पण जारी किए, जिन पर एक तरफ एक पहिया और दूसरी तरफ सम्राट का चिह्न अंकित था। ये सिक्के वर्तमान कालीन अफगानिस्तान तक स्वीकार किए जाते थे, जो मौर्य व्यापार के विस्तार को दर्शाता है।"

1. मौर्य पण पर किस विशेषता ने उपयोगकर्ताओं को इसके आधिकारिक मूल्य का आश्वासन दिया?
(अ) पहिया का रूपांकन
(ब) सम्राट का चिह्न
(स) चाँदी की मिश्र धातु
(द) सिक्के का वजन

2. वर्तमान अफगानिस्तान में इन सिक्कों का प्रचलन इंगित करता है कि–

(अ) मौर्य सिक्कों ने वहाँ कागजी मुद्रा को प्रतिस्थापित कर दिया
(ब) स्थानीय शासकों ने विदेशी सिक्कों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया
(स) मौर्य व्यापार जाल भारत की सीमाओं से बाहर तक फैला हुआ था
(द) सिक्के अब बहुमूल्य धातुओं से नहीं बनाए जाते थे

3. इन पणों के लिए ताँबे के बजाय चाँदी को क्यों चुना गया होगा?
(अ) चांदी ताँबे की तुलना में हल्की और अधिक प्रयोज्यनीय थी
(ब) बड़े लेन-देन के लिए चाँदी का आंतरिक मूल्य अधिक था
(स) ताँबे को अन्य धातुओं के साथ मिश्रित नहीं किया जा सकता था
(द) मौर्य कानून के तहत ताँबे के सिक्के अवैध थे।

उत्तर– **1.** (ब) सम्राट का चिह्न **2.** (स) मौर्य व्यापार जाल भारत की सीमाओं से बाहर तक फैला था। **3.** (ब) बड़े लेन-देन के लिए चाँदी का अधिक आंतरिक मूल्य था।

मानचित्र कार्य

भारत के रूपरेखा मानचित्र में निम्न दशाओं से सम्बन्धित भारतीय राज्यों को दर्शाइये–

1. जोन बील मेले वाला राज्य।
2. चालुक्य वंश से सम्बन्धित क्षेत्र।
3. चोल वंश से सम्बन्धित क्षेत्र।
4. पुड्डूकोई उत्खनन वाला राज्य।

उत्तर– **1.** असम **2.** दक्कन का समीपवर्ती भाग **3.** आन्ध्र प्रदेश व मुख्यत: तमिलनाडु का क्षेत्र **4.** तमिलनाडु।

12 बाजारों की समझ

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. बाजार की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं? हाल में जब आप बाजार गए थे, तब आपने वहाँ कौन-कौन सी विशेषताएँ देखीं?

उत्तर– बाजार की मुख्य विशेषताएँ खरीदारों और विक्रेताओं की उपस्थिति, वस्तुओं का प्रत्यक्ष या डिजिटल आदान-प्रदान और एक स्थान (भौतिक या आभासी) हैं। यहाँ माँग-आपूर्ति द्वारा कीमत तय होती है और प्रतिस्पर्धा पायी जाती है। हाल ही में बाजार में, मैंने विविध वस्तुओं की उपलब्धता, चिल्लाते हुए दुकानदार, मोलभाव और यूपीआई व नकद मिश्रित भुगतान के साधन देखे हैं।

बाजार की मुख्य विशेषताएँ

1. **क्रेता और विक्रेता की उपस्थिति–** बाजार का अस्तित्व खरीदारों और बेचने वालों (विक्रेताओं) की मौजूदगी पर निर्भर करता है।

2. **वस्तु या सेवा–** एक विशिष्ट क्षेत्र या वस्तु (जैसे- कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स) के लिए एक बाजार होता है।

3. **कीमत और मोलभाव–** क्रेता और विक्रेता के बीच बातचीत (मोलभाव) से वस्तु का मूल्य निर्धारित होता है।

4. **प्रतिस्पर्धा–** एक ही वस्तु बेचने वाले कई दुकानदार होते हैं, जिससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होती है।

5. **स्थान (क्षेत्र)–** यह एक भौतिक जगह (दुकान/मॉल) या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म हो सकता है।

हाल की बाजार यात्रा में देखे गए अनुभव

1. **डिजिटल पेमेंट की प्रधानता–** लगभग हर दुकान पर यूपीआई (जैसे- पेटीएम, गूगल-पे, फोन-पे) के क्यूआर कोड लगे थे।

2. **विविधता और विकल्प–** एक ही वस्तु के कई ब्रांड और प्रकार उपलब्ध थे (जैसे- कपड़ों के लिए कई वैरायटी)।

3. **मोलभाव–** ग्राहक और दुकानदार के बीच कम दाम लगवाने के लिए बातचीत (मोलभाव) आम बात थी।

4. **भीड़भाड़ और उत्साह–** बाजार में चहल-पहल, शोर और ग्राहकों का उत्साह देखा गया।

5. **व्यवस्थित और अव्यवस्थित का मिश्रण–** कुछ ब्रांडेड शोरूम बहुत व्यवस्थित थे, जबकि अन्य

छोटे स्टाल में सामान थोड़ी अव्यवस्था में थे, लेकिन फिर भी बिक रहे थे।

प्रश्न 2. इस अध्याय के आरंभ में दिए गए एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री के उद्धरण को देखिए। इस अध्याय के संदर्भ में उस उद्धरण की प्रासंगिकता पर चर्चा करें।

उत्तर– एडम स्मिथ का यह कथन कि ''बाजार से समृद्धि तभी उत्पन्न होती है जब व्यक्तियों को उन वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता होती है, जिन्हें वह स्वयं निर्मित नहीं कर सकते।'' आर्थिक विशेषज्ञता और पारस्परिक निर्भरता का मूल सिद्धांत है। जब हर कोई अपनी विशेषज्ञता के अनुसार उत्पादन करता है और दूसरों की जरूरतों के लिए व्यापार करता है, तो दक्षता और समृद्धि बढ़ती है।

कथन की प्रासंगिकता

1. **विशेषज्ञता और कार्यकुशलता–** जब लोग उन चीजों का उत्पादन करने में विशेषज्ञ बन जाते हैं जो वे बेहतर कर सकते हैं और दूसरों से शेष चीजें खरीदते हैं, तो समग्र उत्पादकता और समृद्धि बढ़ती है।

2. **पारस्परिक निर्भरता–** बाजार एक ऐसा स्थान है जहाँ खरीदार और विक्रेता अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक-दूसरे से जुड़ते हैं।

3. **स्थानीय और वैश्विक बाजार–** छोटी-छोटी जरूरतें छोटे व्यवसायों के लिए अवसर पैदा करती हैं, जो स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके स्थानीय स्तर पर उत्पादित की जा सकती हैं।

4. **तकनीकी उन्नति–** ई-चौपाल जैसे उदाहरण बताते हैं कि कैसे आधुनिक तकनीक (जैसे- इंटरनेट का उपयोग) के माध्यम से किसानों को बाजार के बारे में जानकारी मिलती है, जिससे उत्पादकता और आय बढ़ती है।

5. **व्यवहार और नैतिकता–** बाजार में नैतिक व्यवहार (जैसे - ईमानदारी, निष्पक्षता) दीर्घकालिक सफलता और भरोसे को बढ़ावा देता है।

यह आर्थिक सिद्धांत आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आर्थिक विकास, नवाचार और सामाजिक-आर्थिक संतुलन के लिए आवश्यक है।

प्रश्न 3. अमरूद के क्रय-विक्रय के दिए गए उदाहरण में यदि विक्रेता को अच्छा मूल्य मिल रहा है, तब वह किसानों से और अधिक अमरूद क्रय करने का प्रयास करेगा, ताकि वह उन्हें उसी मूल्य पर बेचकर अपनी आमदनी बढ़ा सके। ऐसी स्थिति में किसान क्या करेगा? क्या आपको लगता है कि अगली ऋतु में अमरूदों की माँग के बारे में सोचना शुरू करेगा? उसकी संभावित प्रतिक्रिया क्या होगी?

उत्तर– अमरूद की अच्छी कीमत मिलने पर, किसान अच्छा लाभ कमाने के लिए अगले सीजन में अमरूदों का उत्पादन बढ़ाएँगे। वे निश्चित रूप से माँग का विश्लेषण करेंगे और उत्पादन (खेती का क्षेत्रफल या उर्वरक) बढ़ाकर, बेहतर गुणवत्ता वाले फल पैदा करके तथा कोल्ड स्टोरेज का उपयोग करके अपनी आय बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

इस स्थिति में किसान की संभावित प्रतिक्रिया–

1. **उत्पादन बढ़ाना**– वे अपनी भूमि के अधिक क्षेत्र में अमरूद की खेती करेंगे।

2. **गुणवत्ता में सुधार**– अधिक माँग और अच्छी कीमत को देखते हुए, वे बेहतर खाद और तकनीक का उपयोग करेंगे।

3. **अगली ऋतु के लिए योजना**– चूँकि उन्हें पता है कि बाजार में अमरूद की माँग अच्छी है, वे पहले ही अच्छी किस्म के बीज और पौधों का इंतजाम करेंगे।

4. **विक्रेता से संबंध**– वे विक्रेता से सीधा संबंध बढ़ाएँगे ताकि उन्हें अधिक मूल्य मिलता रहे।

संक्षेप में, यह आर्थिक माँग के अनुसार उत्पादन को समायोजित करने का एक सामान्य बाजार व्यवहार है। अच्छा मूल्य मिलने पर विक्रेता और किसान दोनों ही अधिक मुनाफा कमाने के लिए अमरूद की आपूर्ति को बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रकार के बाजारों को उनकी विशेषताओं से मिलान कीजिए–

क्र. सं.	बाजार	विशेषता
1.	(क) प्रत्यक्ष बाजार	(i) वस्तुएँ और सेवाएँ जो राष्ट्र की सीमा के बाहर भेजी जाती हैं।
2.	(ख) ऑनलाइन बाजार	(ii) बड़ी मात्रा में सौदे
3.	(ग) घरेलू बाजार	(iii) अंतिम उपभोक्ताओं तक वस्तुएँ एवं सेवाएँ पहुँचाना।
4.	(घ) अंतर्राष्ट्रीय बाजार	(iv) क्रेता और विक्रेता की प्रत्यक्ष उपस्थिति आवश्यक है।
5.	(ङ) थोक बाजार	(v) क्रेता और विक्रेता आभासी रूप से मिलते हैं और किसी भी समय लेन-देन कर
6.	(च) खुदरा बाजार	(vi) किसी राष्ट्र की सीमा के भीतर स्थित

उत्तर– (क) (iv), (ख) (v), (ग) (vi), (घ) (i), (ङ) (ii), (च) (iii)।

प्रश्न 5. सामान्यतया मूल्य क्रेताओं की माँग और विक्रेताओं की आपूर्ति की अंत:क्रिया द्वारा निर्धारित होता है। क्या आप ऐसे उत्पादों के बारे में सोच सकते हैं, जहाँ किसी उत्पाद की माँग के लिए क्रेताओं की संख्या कम होने के बावजूद उसका मूल्य अधिक होता है? इसके क्या कारण हो सकते हैं?

उत्तर– हाँ, ऐसी कई वस्तुएँ हैं जिनकी माँग कम होने (कम खरीदार) के बावजूद कीमत अधिक होती है। यह मुख्य रूप से अत्यधिक सीमित आपूर्ति (दुर्लभता), उच्च विशिष्टता (जैसे- लग्जरी ब्रांड या दुर्लभ कलाकृतियाँ) और क्रेताओं की बहुत अधिक क्रय क्षमता के कारण होता है। ऐसे उत्पादों में अक्सर 'वेबलन प्रभाव' देखा जाता है, जहाँ ऊँची कीमत ही स्टेटस सिंबल बन जाती है।

ऐसे उत्पादों के उदाहरण–

1. **दुर्लभ या प्राचीन कलाकृतियाँ–** लियोनार्डो द विंची की पेंटिंग या दुर्लभ प्राचीन सिक्के।

2. **लग्जरी/सुपर कारें–** जैसे बुगाटी या लिमिटेड एडिशन फेरारी।

कारण– उत्पादन बेहद सीमित है। कम खरीदार होने के बावजूद ब्रांड की उपयोगिता और विशिष्टता कीमत बढ़ाती है।

3. **दुर्लभ खनिज या रत्न–** जैसे रेड डायमंड या नीलम।

कारण– आपूर्ति प्राकृतिक रूप से अत्यंत सीमित है और माँग केवल विशिष्ट रईसों में होती है।

4. **अत्यधिक विशिष्ट या 'कस्टम' सेवाएँ–** ये उत्पाद किसी विशेष व्यक्ति की माँग पर बने होते हैं, जो अद्वितीय होते हैं।

5. **विशेष फार्मास्युटिकल दवाएँ–** जो किसी दुर्लभ बीमारी के लिए हों। माँग बहुत कम होती है, लेकिन उत्पाद जीवन रक्षक है।

उच्च मूल्य के मुख्य कारण–

1. **सीमित आपूर्ति–** वस्तु का मिलना मुश्किल होना।

2. **विशिष्टता–** उच्च वर्ग के लिए स्टेटस का प्रतीक होना।

3. **उच्च लागत–** यदि उत्पाद को बनाने में बहुत अधिक शोध, समय या दुर्लभ सामग्री लगी है।

4. **उपयोगिता और विकल्प का अभाव–** यदि उस उत्पाद का कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

प्रश्न 6. सब्जियों के एक खुदरा विक्रेता की वास्तविक जीवन-स्थिति पर विचार कीजिए–

एक परिवार सब्जियाँ खरीदने के लिए दुकान पर आया। विक्रेता, जो फलियाँ ठेले पर बेच रहा था, उसकी कीमत ₹ 30/- प्रति किलोग्राम थी। महिला ने कीमत को ₹ 25/- प्रति किलोग्राम नीचे लाने के लिए विक्रेता के साथ मोल-भाव करना शुरू कर दिया। विक्रेता ने उस मूल्य पर विक्रय करने से मना कर दिया और कहा कि उसे उस मूल्य पर घाटा होगा। महिला वहाँ से चली गई। फिर परिवार समीप सुपरमार्केट में गया और वहाँ से सब्जियाँ क्रय कीं। सुपरमार्केट में अच्छे ढंग से पैक की गई फलियों के लिए उन्होंने ₹ 40/- प्रति किलोग्राम का भुगतान किया। क्या कारण है कि परिवार ने ऐसा किया? क्या कीमतों के अतिरिक्त ऐसे कोई कारक हैं, जो क्रय-विक्रय को प्रभावित करते हैं?

उत्तर– परिवार ने उच्च मूल्य (40 रुपये/किग्रा) पर सुपरमार्केट से सब्जी इसलिए खरीदी क्योंकि वहाँ सब्जियाँ अच्छी तरह पैक, साफ और बेहतर गुणवत्ता की थीं, जबकि स्थानीय विक्रेता ने कम दाम पर बेचने से मना कर दिया था। सुपरमार्केट में सुविधा, स्वच्छता और गुणवत्ता को प्राथमिकता दी गई।

मूल्य को प्रभावित करने वाले मुख्य कारक

1. **गुणवत्ता और पैकेजिंग**– साफ, ग्रेड की हुई और पैक की गई वस्तुएँ महँगी होती हैं।

2. **सुविधा**– सुपरमार्केट में एक ही स्थान पर सभी चीजें आसानी से मिल जाती हैं।

3. **गुणवत्ता आश्वासन**– ब्रांडेड या पैक किए गए उत्पादों में खराब सब्जियाँ होने की संभावना कम होती है।

4. **सेवाएँ–** बेहतर ग्राहक सेवा और स्वच्छता का वातावरण।

निष्कर्ष– परिवार ने मूल्य से ज्यादा गुणवत्ता और सुविधा को महत्व दिया।

प्रश्न 7. भारत के कुछ जिले टमाटर उगाने के लिए प्रसिद्ध हैं। हालाँकि, कुछ मौसमों में किसानों के लिए स्थिति अच्छी नहीं होती। अधिक उपज होने पर कृषकों द्वारा अपनी उपज को फेंकने और उनका सारा श्रम नष्ट होने के समाचार आते हैं। आपके विचार में किसान ऐसा क्यों करते हैं? ऐसी स्थिति में थोक विक्रेता क्या भूमिका निभा सकते हैं? यह सुनिश्चित करने के संभावित उपाय क्या हो सकते

हैं जिससे टमाटर बर्बाद न हों और किसानों को नुकसान भी न पहुँचे?

उत्तर– टमाटरों की उपज को फेंकने के कारण– भारत में टमाटर उत्पादक जिलों में बहुत अधिक पैदावार होने पर अत्यधिक आपूर्ति के कारण जब भाव लागत से कम हो जाते हैं, तो किसान अपनी मेहनत बर्बाद होते देखकर उसे फेंकने पर मजबूर हो जाते हैं। थोक व्यापारी इस स्थिति में कोल्ड स्टोरेज, बेहतर आपूर्ति श्रृंखला और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के माध्यम से उचित मूल्य सुनिश्चित कर सकते हैं।

किसान की समस्याएँ

1. **अत्यधिक आपूर्ति–** जब एक ही समय में सभी किसान फसल लाते हैं तो बाजार में टमाटर की बाढ़ आ जाती है।

2. **कम दाम**– माँग की तुलना में आपूर्ति अधिक होने के कारण, टमाटर की कीमत इतनी कम हो जाती है कि उसे तोड़ने और बाजार ले जाने की लागत भी नहीं निकलती।

3. **नाशवान प्रकृति**– टमाटर जल्दी खराब होते हैं और अगर कोल्ड स्टोरेज न हों, तो उसे तुरंत बेचना पड़ता है।

थोक विक्रेता की भूमिका

1. **कोल्ड स्टोरेज**– थोक व्यापारी कोल्ड स्टोरेज का उपयोग सकते हैं ताकि फसल को स्टोर करके बाद में बेहतर कीमत पर बेचा जा सके।

2. **प्रसंस्करण**– टमाटर से पेस्ट, प्यूरी, केचप या अन्य उत्पाद बनाने वाले उद्योग, बंपर पैदावार के समय अतिरिक्त टमाटर खरीद सकते हैं।

संभावित उपाय

1. **मल्चिंग और बेहतर तकनीक**– मल्चिंग तकनीक से फसल उत्पादन बेहतर होता है और पैदावार की गुणवत्ता बनी रहती है।

2. **स्थानीय प्रसंस्करण इकाइयाँ**– ग्राम स्तर पर छोटी टमाटर प्रसंस्करण उद्योग लगाने से नुकसान को कम किया जा सकता है।

3. **बाजार का विविधीकरण**– किसानों को सीधे उपभोक्ताओं या सीधे प्रसंस्करण इकाइयों से जोड़ना, जिससे बिचौलियों का कमीशन कम हो।

इन उपायों से न केवल फसल की बर्बादी कम होगी, बल्कि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य भी मिल सकेगा।

प्रश्न 8. क्या आपने अपने या किसी अन्य विद्यालय द्वारा आयोजित किसी मेले के बारे में सुना है या उसमें गए हैं? अपने मित्रों और शिक्षकों से ऐसे मेलों के बारे में चर्चा कीजिए कि इन मेलों में किस तरह से क्रय-विक्रय और मोल-भाव होता है?

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

प्रश्न 9. कोई भी पाँच उत्पाद चुनें और अध्याय में चर्चा किए गए प्रमाणन चिह्नों के साथ उनके लेबल की जाँच करें। क्या आपको ऐसे उत्पाद मिले, जिन पर मानक चिह्न नहीं था? यह किस बात का सूचक है?

उत्तर– यहाँ पाँच उत्पादों और उनके प्रमाणन चिह्नों की जाँच दी गई है, जो गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं–

1. **बिजली आयरन**– आई.एस.आई. मार्क (सुरक्षा मानकों को पूरा करता है)।

2. **शहद**– एगमार्क (गुणवत्ता और शुद्धता)।

3. **शैम्पू–** बी.आई.एस. लोगो (सुरक्षा और गुणवत्ता)।

4. **ऊनी स्वेटर**– वूलमार्क (उच्च गुणवत्ता वाली ऊन)।

5. **बिस्किट**– एफ.एस.एस.ए.आई. लोगो (खाद्य सुरक्षा)।

कुछ स्थानीय, छोटे पैमाने पर निर्मित या अनब्रांडेड उत्पादों (जैसे - खुले मसाले या स्थानीय बेकरी उत्पाद) पर कोई प्रमाणित लोगो नहीं था।

बिना मानक चिह्न वाले उत्पाद इस बात के सूचक हैं कि– (i) उत्पाद छोटे पैमाने पर स्थानीय स्तर पर उत्पादित हैं। (ii) विक्रेता ने प्रमाणीकरण की महँगी प्रक्रिया को नहीं अपनाया है। (iii) उत्पाद गुणवत्ता के अनौपचारिक या अनियमित बाजार का हिस्सा है, जिनमें गुणवत्ता की गारंटी नहीं होती है।

प्रश्न 10. आपने और आपके सहपाठियों ने एक साबुन बनाया है। इसकी पैकेजिंग के लिए एक लेबल डिजाइन कीजिए। आपके विचार से लेबल पर क्या लिखा होना चाहिए, ताकि उपभोक्ता उत्पाद को बेहतर तरीके से जाँच सकें?

उत्तर– हमारे द्वारा बनाए गए प्राकृतिक हर्बल साबुन (जैसे- 'नेचर ग्लो') के लिए पैकेजिंग लेबल आकर्षक और जानकारीपूर्ण होना चाहिए। मुख्य विवरण में उत्पाद का नाम, मुख्य सामग्री (जैसे - नीम, एलोवेरा) शुद्धता का दावा (100 प्रतिशत शाकाहारी), त्वचा के प्रकार, शुद्ध वजन, निर्माण/समाप्ति तिथि (Mfg/Exp Date), मूल्य और उत्पादक का पता शामिल करें।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. एक बाजार वह स्थान है जहाँ :
(अ) केवल खरीददार मिलते हैं
(ब) केवल विक्रेता मिलते हैं
(स) खरीददार और विक्रेता वस्तुओं और सेवाओं का आदान-प्रदान करते हैं
(द) केवल वस्तुएँ प्रदर्शित की जाती हैं

2. निम्नलिखित में से कौन सार्वजनिक वस्तु का एक उदाहरण है?
(अ) मोबाइल फोन
(ब) पार्क (उद्यान)
(स) बिस्कुट का पैकेट
(द) टेलीविजन

3. इमा कैथल एक अनोखा बाजार है, क्योंकि—
(अ) यह केवल कपड़े बेचता है
(ब) यह ऑनलाइन संचालित होता है
(स) यह पूरी तरह से महिलाओं द्वारा चलाया जाता है
(द) इसमें कोई फुटकर दुकान नहीं है

4. कौन-सा चिह्न विद्युत उपकरणों और औद्योगिक वस्तुओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करता है?
(अ) एगमार्क (ब) आईएसआई
(स) बीईई (द) एफएसएसएआई

5. निम्नलिखित में से कौन-सा एक घरेलू व्यापार है?
(अ) चीन से लैपटॉप आयात करना
(ब) मिस्र को कपास बेचना
(स) पास के खेत से सब्जियाँ खरीदना
(द) यूएसए को मसाले निर्यात करना

6. उपभोक्ताओं को सीधे सामान कौन बेचता है?
(अ) थोक व्यापारी (ब) निर्माता
(स) वितरक (द) फुटकर विक्रेता

7. निम्नलिखित में से कौन-सी रेटिंग ऊर्जा दक्षता को दर्शाती है?
(अ) एगमार्क (ब) आईएसआई
(स) हॉलमार्क (द) बीईई स्टार चिह्न

8. जब प्याज की आपूर्ति में तेजी से गिरावट आती है तो क्या होता है?
(अ) कीमत गिरती है
(ब) कीमत वही रहती है
(स) कीमत बढ़ जाती है
(द) प्याज का निर्यात किया जाता है

9. सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने से मदद मिलती है—
(अ) केवल खरीददारों को
(ब) केवल फुटकर विक्रेताओं को
(स) किसानों को (द) निर्यातकों को

10. कौन-सा शहर कपड़े और हीरे दोनों उद्योग के लिए जाना जाता है?
(अ) चेन्नई (ब) सूरत
(स) दिल्ली (द) बेंगलुरु

उत्तर— **1.** (स), **2.** (ब), **3.** (स), **4.** (ब), **5.** (स), **6.** (द), **7.** (द), **8.** (स), **9.** (स), **10.** (ब)

रिक्त स्थान पूर्ति

1. आईएसआई मार्क .... द्वारा जारी किया जाता है।

2. .... वह प्राधिकरण है जो भारत में खाद्य उत्पादों को प्रमाणित करता है।

3. खरीददार और विक्रेता वस्तुओं के आदान-प्रदान के लिए .... में मिलते हैं।

4. ऑनलाइन बाजारों में, उत्पाद एक .... के माध्यम से वितरित किए जाते हैं।

5. .... वस्तुएँ, जैसे पार्क और सड़कें, सरकार द्वारा प्रदान की जाती हैं।

उत्तर— **1.** भारतीय मानक ब्यूरो (BIS), **2.** एफएसएसएआई (FSSAI), **3.** बाजार, **4.** संग्राहक (एग्रीगेटर), **5.** सार्वजनिक।

सत्य-असत्य कथन

1. बाजार केवल प्रत्यक्ष रूप में मौजूद होते हैं।

2. थोक व्यापारी बड़ी मात्रा में सामान बेचते हैं।

3. एगमार्क **(AGMARK)** का उपयोग गहनों के लिए किया जाता है।

4. ऑनलाइन समीक्षाएँ उपभोक्ताओं को बेहतर खरीददारी का निर्णय लेने में मदद करती हैं।

5. बाजार में सरकारी हस्तक्षेप कभी-कभी आवश्यक होता है।

उत्तर– 1. असत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. सत्य 5. सत्य।

सुमेलन

1.	एगमार्क (AGMARK)	(अ) शाकाहारी और मांसाहारी
2.	हॉलमार्क	(ब) कृषि उत्पाद
3.	हरा और लाल बिंदु	(स) गहनों की शुद्धता
4.	एफएसएसएआई (FSSAI)	(द) औद्योगिक सामान
5.	आईएसआई (ISI)	(य) खाद्य सुरक्षा

उत्तर– 1. (ब), 2. (स), 3. (अ), 4. (य), 5. (द)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. बाजार क्या है?

उत्तर– बाजार वह स्थान (भौतिक या ऑनलाइन) है जहाँ खरीददार और विक्रेता वस्तुओं और सेवाओं का आदान-प्रदान करते हैं।

2. ऑनलाइन बाजारों में संग्राहक कौन होते हैं?

उत्तर– संग्राहक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म होते हैं जो अनेक विक्रेताओं से सामान एकत्र करते हैं और उन्हें खरीददारों तक पहुँचाते हैं (उदाहरण : फूड डिलीवरी ऐप)।

3. एक ऐसे उत्पाद का नाम बताएँ जिसके लिए सरकारी मूल्य नियंत्रण की आवश्यकता होती है।

उत्तर– प्याज या गेहूँ जैसी आवश्यक वस्तुओं पर सरकारी मूल्य नियंत्रण की आवश्यकता होती है।

4. सार्वजनिक वस्तु का एक उदाहरण दीजिए।

उत्तर– सड़कें, पार्क और स्ट्रीटलाइट सार्वजनिक वस्तुओं के उदाहरण हैं।

5. स्थानीय क्षेत्रों में फुटकर विक्रेता क्यों महत्वपूर्ण हैं?

उत्तर– फुटकर विक्रेता महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे स्थानीय क्षेत्रों में सीधे उपभोक्ताओं को छोटी मात्रा में सामान बेचते हैं।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A):** फुटकर विक्रेता कम मात्रा में सामान बेचते हैं।

   कारण (R): वे सीधे थोक व्यापारियों को माल की आपूर्ति करते हैं।

उत्तर– (स) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।

2. **कथन (A):** सरकार कभी-कभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य **(MSP)** निर्धारित करती है।

   कारण (R): इससे किसानों को उचित आय सुनिश्चित करने में मदद मिलती है।

उत्तर– (अ) अभिकथन (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें—

सूरत का बाजार महाराष्ट्र और गुजरात से कपास प्राप्त करता है। फिर इसे पावरलूम की मदद से कपड़े बुनने में प्रयुक्त किया जाता है और तैयार कपड़ों में संसाधित किया जाता है। देशभर के फुटकर विक्रेता अपनी दुकानों के लिए ये वस्त्र खरीदने आते हैं। यह आपूर्ति श्रृंखला सूरत को एक वस्त्र उद्योग केन्द्र के रूप में विकसित करने में मदद करती है।

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का सही उत्तर चुनें—

1. सूरत को कपास कहाँ से मिलता है?
   (अ) दिल्ली
   (ब) महाराष्ट्र और गुजरात
   (स) पंजाब
   (द) तमिलनाडु

2. पावरलूम इकाइयों में कपास का क्या किया जाता है?

(अ) रंगों से रँगा जाता है
(ब) सिलाई की जाती है
(स) कपड़े में बुना जाता है
(द) बिक्री के लिए पैक किया जाता है

3. सूरत में तैयार वस्त्र खरीदने कौन आता है?
(अ) किसान
(ब) घरेलू व्यापारी
(स) फुटकर विक्रेता
(द) निर्यातक

उत्तर– **1.** (ब) महाराष्ट्र और गुजरात। **2.** (स) कपड़े में बुना जाता है। **3.** (स) फुटकर विक्रेता।

मानचित्र कार्य

निम्न को भारत के रेखा मानचित्र में प्रदर्शित कीजिए–

1. हम्पी बाजार वाला वर्तमान राज्य
2. गुजरात का प्रमुख वस्त्र व हीरा उद्योग वाला शहर
3. इमा कैथल बाजार वाला राज्य
4. जानबील मेले का राज्य

उत्तर– **1.** कर्नाटक **2.** सूरत **3.** मणिपुर **4.** असम।

समाज का अध्ययन : भारत और उसके आगे (भाग–2)

1 भारतीय कृषि की कहानी

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. केरल में किसान चावल क्यों उगाते हैं, जबकि पंजाब में किसान मुख्य रूप से गेहूँ उगाते हैं? यदि वे अपनी फसलों को आपस में बदल लें तो क्या होगा?

उत्तर– केरल में किसान धान (चावल) उगाते हैं क्योंकि राज्य में उच्च वर्षा, आर्द्र जलवायु और जल-समृद्ध मैदान हैं, जो धान की खेती के लिए आदर्श हैं। पंजाब में किसान गेहूँ उगाते हैं क्योंकि इस क्षेत्र में उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी, ठंडी सर्दियाँ और सिंचाई सुविधाएँ हैं, जो गेहूँ के लिए उपयुक्त हैं।

यदि वे अपनी फसलें बदल लेते हैं, तो फसलों को उगने में कठिनाई होगी– पंजाब में चावल को मानसून के अंतराल के दौरान पानी की कमी का सामना करना पड़ेगा, और केरल में गेहूँ अत्यधिक वर्षा और उच्च आर्द्रता से क्षतिग्रस्त हो जाएगा। इससे पता चलता है कि जलवायु, मिट्टी और पानी की उपलब्धता फसल की उपयुक्तता को निर्धारित करती है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित का मिलान करें–

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
(i)	खरीफ फसलें	(अ) शीत ऋतु में उगाई जाने वाली फसलें
(ii)	रबी फसलें	(ब) मानसून के दौरान उगाई जाने वाली फसलें
(iii)	जलोढ़ मिट्टी	(स) पर्वतीय क्षेत्रों में पाई जाने वाली पतली, खुरदरी और पथरीली मिट्टी
(iv)	सीढ़ीनुमा खेती	(द) ग्रीष्म ऋतु में उगाई जाने वाली फसलें
(v)	अल्पाइन मिट्टी	(य) नदियों द्वारा जमा की गई पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी
(vi)	जायद फसलें	(र) पहाड़ी ढलानों पर की जाने वाली खेती की विधि

उत्तर– (i) (ब), (ii) (अ), (iii) (य), (iv) (र), (v) (स), (vi) (द)।

प्रश्न 3. कुछ फसलें विशेष क्षेत्रों में ही अच्छी तरह क्यों उगती हैं?

उत्तर– कुछ फसलें जलवायु, मिट्टी के प्रकार, पानी की उपलब्धता और भू-भाग के संयोजन के कारण विशेष क्षेत्रों में पनपती हैं। उदाहरण के लिए, चावल

पानी से भरपूर, आर्द्र क्षेत्रों में अच्छी तरह उगता है, जबकि गेहूँ ठंडे तथा अच्छी तरह सिंचित मैदानों में बेहतर उगता है। मिट्टी की उर्वरता, तापमान और वर्षा के तरीके आदि प्रभावित करते हैं कि कौन-सी फसलें सफलतापूर्वक उग सकती हैं।

प्रश्न 4. आधुनिक तकनीक ने किसानों की किस प्रकार सहायता की है?

उत्तर– आधुनिक तकनीक ने किसानों की निम्नवत् मदद की है–

(i) अच्छी उपज वाले बीजों के माध्यम से फसल उत्पादकता बढ़ाकर। (ii) पानी बचाने के लिए ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सिंचाई प्रणालियों का उपयोग करके। (iii) मशीनीकरण (ट्रैक्टर, हार्वेस्टर) के माध्यम से श्रम कम करके। (iv) वैज्ञानिक तकनीकों के साथ कीट नियंत्रण में सुधार करके। (v) डिजिटल रूप से मौसम, बाजार और फसल देखभाल पर जानकारी प्रदान करके।

प्रश्न 5. सतत् कृषि क्यों महत्वपूर्ण है? इस पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– सतत् कृषि महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मिट्टी की उर्वरता बनाए रखती है, पानी का संरक्षण करती है, पर्यावरण की रक्षा करती है और दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती है। उन तरीकों के विपरीत जो रसायनों पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं, यह पारंपरिक ज्ञान (जैसे जैविक उर्वरक और फसल चक्र) को आधुनिक तरीकों के साथ जोड़कर पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुँचाए बिना फसल का उत्पादन करता है। यह सुनिश्चित करता है कि आने वाली पीढ़ियाँ स्वस्थ भूमि पर खेती जारी रख सकें।

प्रश्न 6. आज किसान किन-किन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं? इनका लोगों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है?

उत्तर– आज किसानों के सामने आने वाली कुछ चुनौतियों में निम्नलिखित शामिल हैं–

(i) **छोटी और खंडित भूमि जोत–** आय कम करती है और मशीनीकरण को सीमित करती है।

(ii) **जलवायु परिवर्तन–** अप्रत्याशित वर्षा, सूखा और बाढ़।

(iii) **मृदा क्षरण और भूजल का ह्रास–** कम फसल पैदावार।

(iv) **बाजार में उतार-चढ़ाव और कर्ज का जाल–** वित्तीय तनाव।

(v) **रासायनिक उर्वरकों या कीटनाशकों से प्रदूषण–** स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करता है।

लोगों पर इन चुनौतियों का प्रभाव– उच्च खाद्य कीमतें, खाद्यान्न की कमी, स्वास्थ्य संबंधी खतरे और आजीविका के अवसरों की कमी की आशंका बढ़ेगी।

प्रश्न 7. कक्षा में इस विषय पर वाद-विवाद कीजिए– ''पारंपरिक सिंचाई विधियाँ आधुनिक विधियों से बेहतर हैं।''

उत्तर– छात्र अपनी कक्षा में निम्नवत् पर चर्चा कर सकते हैं।

पारंपरिक तरीकों के पक्ष में तर्क–

❑ कम लागत और बनाए रखने में आसान (जैसे, तालाब, फड़, बाँस ड्रिप सिंचाई)। ❑ टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल। ❑ सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।

आधुनिक तरीकों के पक्ष में तर्क–

❑ कुशल जल उपयोग (ड्रिप और स्प्रिंकलर प्रणाली)। ❑ उच्च उपज वाली फसलों और बड़े पैमाने पर खेती का समर्थन करता है। ❑ वर्षा पर निर्भरता कम करता है।

प्रश्न 8. एक छोटा निबंध लिखिए, जिसमें यह वर्णित हो कि जब आपकी आयु 60 वर्ष होगी, तब खेती कैसी हो सकती है? आप अपनी कल्पना को दर्शाने के लिए एक चित्र भी बना सकते हैं।

उत्तर– भविष्य में खेती प्रौद्योगिकी और पारंपरिक ज्ञान को जोड़ सकती है। मैं कल्पना करता हूँ कि ड्रोन निगरानी, एआई-आधारित मौसम पूर्वानुमान और हाइड्रोपोनिक्स का उपयोग जैविक उर्वरकों और फसल चक्र के साथ किया जा रहा है। खेतों में स्वचालित सिंचाई प्रणाली और स्मार्ट मशीनरी हो सकती है। किसान फसलों को उचित मूल्य पर बेचने के लिए डिजिटल उपकरणों पर निर्भर रहेंगे। टिकाऊ प्रथाएँ मिट्टी के स्वास्थ्य और स्वच्छ पानी को सुनिश्चित करेंगी। खेती कम श्रम-गहन लेकिन अधिक वैज्ञानिक रूप से प्रबंधित हो सकती है, जिससे यह लाभदायक और पर्यावरण के अनुकूल बन सके।

प्रश्न 9. छोटे-छोटे समूह बनाकर गंगा बेसिन को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर चर्चा कीजिए। अपने समाधान और उनके कारण बताते हुए एक प्रस्तुति तैयार कीजिए। कक्षा में इसे साझा करें। इस गतिविधि में आपके शिक्षक आपका मार्गदर्शन करेंगे।

उत्तर– गंगा बेसिन को प्रभावित करने वाले मुद्दे–

(i) ग्लोबल वार्मिंग के कारण हिमनदों का पिघलना। (ii) सिंचाई और उद्योग के लिए पानी का अत्यधिक उपयोग। (iii) सीवेज, उर्वरकों और औद्योगिक कचरे से प्रदूषण। (iv) बाँधों द्वारा प्राकृतिक प्रवाह को बदलना।

प्रस्तावित समाधान–

(i) कृषि और उद्योग के लिए पानी के उपयोग को विनियमित करें। (ii) प्रदूषण कम करने के लिए जैविक उर्वरकों को बढ़ावा दें। (iii) वनीकरण और नदी तट संरक्षण। (iv) समुदाय-आधारित नदी सफाई कार्यक्रम लागू करें। (v) पानी के तनाव को कम करने के लिए वर्षा जल संचयन और आधुनिक सिंचाई का उपयोग करें।

कारण– ये उपाय सुनिश्चित करते हैं कि गंगा उस पर निर्भर रहने वाले लाखों लोगों के लिए नौगम्य, उपजाऊ और टिकाऊ बनी रहे।

प्रश्न 10. 'अतीत की गूँज' वाले भाग में दी गई फसलों की सूची को देखिए। इनमें से कौन-सी फसलें आपके घर में उपयोग में आती हैं? आप अपने अवलोकन से क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं?

उत्तर–चावल, गेहूँ, जौ, बाजरा, दालें (मूँग, अरहर), तिलहन (सरसों) और सब्जियाँ जैसी फसलें अभी भी मेरे घर में उपयोग की जाती हैं।

निष्कर्ष– कई प्राचीन फसलें आज भी आधुनिक आहार का हिस्सा हैं, जो भारतीय कृषि पद्धतियों की निरंतरता और वर्तमान समय की खेती के लिए पारंपरिक फसलों के अनुकूलन को दर्शाता है।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. मानव का एक प्राचीनतम क्रियाकलाप है?
   (अ) कृषि (ब) उद्योग
   (स) विनिर्माण (द) संचार
2. एग्रीकल्चर किस भाषा का शब्द है?
   (अ) हिन्दी (ब) फारसी
   (स) अरबी (द) लैटिन
3. भारतीय कार्यशील जनसंख्या का कितने प्रतिशत भाग कृषि सम्बन्धी कार्यों में संलग्न है–
   (अ) 33% (ब) 46%
   (स) 53% (द) 62%
4. अर्थशास्त्र के रचयिता हैं?
   (अ) वराहमिहिर (ब) कौटिल्य
   (स) सुरपाल (द) आर्यभट्ट
5. उत्तरी–पूर्वी मानसून से वर्षा कहाँ होती है?
   (अ) राजस्थान (ब) महाराष्ट्र
   (स) पूर्वी तटीय भाग
   (द) पश्चिमी तटीय भाग
6. ग्रीष्मकालीन फसल है?
   (अ) खरीफ (ब) रबी
   (स) जायद (द) ये सभी।
7. हरित क्रांति का दौर माना गया है?
   (अ) 1950-1960 का दशक
   (ब) 1960-1970 का दशक
   (स) 1990-2000 का दशक
   (द) 2010-2020 का दशक
8. भारतीय हरित क्रांति के जनक हैं?
   (अ) वर्गीज कुरियन (ब) विलियम गैड़
   (स) एम. एस. स्वामीनाथन
   (द) सी. राजगोपालचारी
9. जैविक कृषि करने वाला भारत का प्रथम राज्य कौनसा है?
   (अ) राजस्थान (ब) छत्तीसगढ़
   (स) सिक्किम (द) गोवा

उत्तर– **1.** (अ), **2.** (द), **3.** (ब), **4.** (ब), **5.** (स), **6.** (स), **7.** (ब), **8.** (स), **9.** (स)।

रिक्त स्थान पूर्ति

1. भारतीय कृषि पारम्परिक व .... कृषि का अनूठा मेल है।

2. 7वीं शताब्दी में चीनी यात्री .... ने भारत की यात्रा की थी।

3. .... मानसून जून से सितम्बर तक वर्षा लाता है।

4. कल्लनई एनिकट .... द्वारा निर्मित करवाया गया था।

उत्तर– **1.** आधुनिक, **2.** ह्वेन त्सांग, **3.** दक्षिण–पश्चिम, **4.** (करिकाल चोल)।

सत्य-असत्य कथन

1. कृषि मानव समुदाय का एक प्राचीनतम आर्थिक क्रियाकलाप है।
2. आर्द्र ऋतु की फसलों को हेमना कहा गया है।
3. लेटेराइट मिट्टी मैदानी भागों में मिलती है।
4. हरित क्रांति ने खाद्य उत्पादन को बढ़ावा दिया है।

उत्तर– **1.** सत्य, **2.** असत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1.	पशुपालन	(अ) खरीफ की फसल
2.	बाजरा	(ब) सुरपाल
3.	वृक्षायुर्वेद	(स) पारम्परिक जल संरचना
4.	कुलगार	(द) कृषि संबंधी कार्य
5.	खडीन	(य) पारम्परिक कृषि प्रणाली

उत्तर– **1.** (द), **2.** (अ), **3.** (ब), **4.** (य), **5.** (स)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. कृषि में कौन–कौनसे क्रियाकलाप शामिल हैं?

उत्तर– **कृषि में निम्नलिखित क्रियाकलाप शामिल हैं–**

- मिट्टी की तैयारी (जुताई, पाटा, समतलीकरण)
- बीज बोना
- सिंचाई (पानी देना)
- खाद और उर्वरक देना
- निराई-गुड़ाई (खरपतवार हटाना)
- फसल की कटाई
- उपज का भंडारण और परिवहन।

2. भारत की फसल ऋतुएँ कौनसी हैं?

उत्तर– **भारत में तीन मुख्य फसल ऋतुएँ हैं–**

ऋतु – खरीफ, अवधि जून (मानसून) सितम्बर, मुख्य **फसलें–** धान (चावल), बाजरा, मक्का, कपास, मूँगफली।

ऋतु – रबी, **अवधि–** अक्टूबर (सर्दी) मार्च, **मुख्य फसलें–** गेहूँ, जौ, चना, सरसों।

ऋतु – जायद, **अवधि–** अप्रैल (गर्मी) जून, **मुख्य फसलें–** तरबूज, खरबूज, सब्जियाँ।

3. परम्परागत कृषि प्रणालियाँ कौनसी हैं?

उत्तर– **परम्परागत कृषि प्रणालियाँ:**

- आदिवासी कृषि (झूम/स्लैश एंड बर्न)
- वृक्षायुर्वेद (पेड़ों और वनों के साथ कृषि)
- पशुपालन के साथ कृषि (गोबर से खाद)
- जैविक कृषि (रासायनिक उर्वरकों के बिना)
- मिश्रित खेती (फसलों के साथ पशुपालन)

4. बीजामृत क्या है?

उत्तर– बीजमृत प्राकृतिक खेती में बीजों को उपचारित करने का एक देसी, जैविक घोल है। यह मुख्य रूप से देसी गाय के गोबर, गोमूत्र, चूना और मिट्टी के मिश्रण से बनता है। यह बीजों को फफूँद, मुरझाना और अन्य मिट्टी जनित बीमारियों से बचाता है, अंकुरण क्षमता बढ़ाता है और पौधों की शुरुआती जड़ों को मजबूत करता है।

5. जैविक कृषि से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– जैविक कृषि व कृषि पद्धति है जिसमें रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और दवाओं का उपयोग नहीं किया जाता है।

- गोबर, कम्पोस्ट, हरी खाद उपयोग किया जाता है।
- प्राकृतिक कीटनाशक (नीम, गोमूत्र) का उपयोग होता है।
- यह पर्यावरण के अनुकूल है और स्वास्थ्य वर्धक उपज देती है।

6. सिंचित कृषि से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– सिंचित कृषि वह कृषि पद्धति है जिसमें फसलों को कृत्रिम जल स्रोतों (नहरें, कुएँ, नलकूप, तालाब) के द्वारा पानी दिया जाता है। यह वर्षा पर निर्भर नहीं होती।

- वर्ष भर खेती की जा सकती है।
- अधिक उपज प्राप्त होती है।
- सूखे से बचाव होता है।

7. मृदा संरक्षण क्या है?

उत्तर– मृदा संरक्षण उन विधियों का समूह है जिनसे मिट्टी के कटाव (अपरदन) और बंजरपन को रोका जाता है। मृदा संरक्षण के उपाय–

- वनरोपण (पेड़ लगाना)
- सीढ़ीदार खेती (पहाड़ी क्षेत्रों में)
- मेड़ बनाना (खेतों के किनारे)
- फसल चक्र और मिश्रित खेती
- रासायनिक उर्वरकों का कम उपयोग

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं, जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A):** कृषि सभी जगह समान स्वरूप को नहीं दर्शाती है।

   कारण (R): जलवायु, मृदा, भूआकृति कृषि को नियंत्रित करते हैं।

उत्तर– (अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

2. **कथन (A):** कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार है।

   कारण (R): यह लोगों को तृतीयक क्षेत्रक में रोजगार प्रदान करने का कार्य करता है।

उत्तर– (अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

जलोढ़ मिट्टियाँ उपजाऊ मिट्टियाँ होती हैं। ये भारत के मध्यवर्ती मैदानी भाग में फैली हुई मिलती हैं। इन मृदाओं की जल धारण क्षमता अधिक होती है। इस मृदा के क्षेत्रों में गेहूँ, चावल, गन्ने की कृषि भरपूर मात्रा में होती है। इस मृदा के क्षेत्र भारत के सर्वाधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र हैं। इस मृदा का निर्माण नदी जन्य अवसादों से होता है।

1. जलोढ़ मृदा का निर्माण होता है–

   (अ) मृदा अपरदन से

   (ब) अवसाद निक्षेपण से

   (स) अपक्षय से (द) मानव के द्वारा

2. जलोढ़ मृदा का फैलाव पाया जाता है–

   (अ) हिमालय क्षेत्र में

   (ब) मध्यवर्ती मैदान में

   (स) प्रायद्वीपीय पठार में

   (द) पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्र में

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (ब)।

मानचित्र कार्य

भारत के रेखा मानचित्र पर, निम्न को प्रदर्शित कीजिए–

1. कालीबंगा (हड़प्पा सभ्यता का एक स्थल)
2. पूर्णतः जैविक कृषि वाला भारतीय राज्य
3. जलोढ़ मृदा वाले प्रमुख क्षेत्र
4. रेतीली मृदा का क्षेत्र
5 केसर की कृषि वाला प्रमुख भारतीय राज्य

उत्तर– **1.** राजस्थान (हनुमानगढ़ जिले में), **2.** सिक्किम, **3.** उत्तरी मैदान (पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल), **4.** राजस्थान (थार मरुस्थल)

2 भारत और उसके पड़ोसी

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. भारत के संदर्भ में दो उदाहरण देते हुए समझाइए कि समुद्री पड़ोसी कौन होता है?

उत्तर– समुद्री पड़ोसी वह देश होता है जो किसी अन्य देश से साझा समुद्र या महासागर के माध्यम से जुड़ा होता है, भले ही वे भूमि सीमा साझा न करते हों। भारत के संदर्भ में, श्रीलंका पाक जलडमरूमध्य के पार एक समुद्री पड़ोसी है और मालदीव हिंद महासागर के पार एक समुद्री पड़ोसी है।

प्रश्न 2. बौद्ध धर्म ने भारत के पड़ोसी देशों के साथ किस प्रकार संबंध स्थापित किए हैं? अपने उत्तर की व्याख्या के लिए उदाहरण दीजिए।

उत्तर– बौद्ध धर्म ने भारत और उसके कई पड़ोसियों के बीच मजबूत सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध बनाए हैं। बौद्ध धर्म की उत्पत्ति भारत में हुई और भिक्षुओं, व्यापारियों और तीर्थयात्रियों के माध्यम से यह श्रीलंका, चीन, म्यांमार, थाईलैंड और भूटान जैसे देशों में फैल गया। उदाहरण के लिए, बौद्ध धर्म तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में महेंद्र और संघमित्रा के माध्यम से श्रीलंका पहुँचा और भारतीय भिक्षुओं ने चीन की यात्रा की, जबकि चीनी भिक्षुओं ने नालंदा जैसे भारतीय केंद्रों का दौरा किया। भूटान और म्यांमार तीर्थयात्राओं और धार्मिक परंपराओं के माध्यम से भारत के साथ गहरे बौद्ध संबंध साझा करना जारी रखते हैं।

प्रश्न 3. 'खुली सीमा' नीति का क्या अभिप्राय है? भारत-नेपाल की 'खुली सीमा' नीति सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित करती है?

उत्तर– खुली सीमा नीति दो देशों के लोगों को बिना पासपोर्ट या वीजा के सीमा पार करने की अनुमति देती है। भारत-नेपाल खुली सीमा नीति दोनों देशों के नागरिकों को काम, शिक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य-सेवा और धार्मिक यात्राओं के लिए स्वतंत्र रूप से यात्रा करने की अनुमति देती है। यह दोनों ओर रहने वाले परिवारों को जुड़े रहने में मदद करती है और सीमावर्ती कस्बों में दैनिक आर्थिक गतिविधियों का समर्थन करती है, जिससे सामाजिक और आर्थिक संबंध मजबूत होते हैं।

प्रश्न 4. अध्याय में कहा गया है, "पड़ोसी होना केवल भूगोल से सम्बन्धित नहीं है।" इस कथन को एक उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर– पड़ोसी होना केवल सीमाएँ साझा करने के बारे में नहीं है, बल्कि साझा इतिहास, संस्कृति, व्यापार और सहयोग के बारे में भी है। उदाहरण के लिए, भारत और इंडोनेशिया भूमि सीमा साझा नहीं करते हैं, फिर भी वे समुद्री मार्गों और सदियों पुराने सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों, जिनमें बौद्ध धर्म, व्यापार और समुद्री सुरक्षा के बारे में साझा चिंताएँ शामिल हैं, के माध्यम से पड़ोसी हैं।

प्रश्न 5. भारत ने अपने पड़ोस में छोटे देशों की मदद किन-किन तरीकों से की है? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर– भारत ने आपदा राहत, बुनियादी ढाँचे के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सांस्कृतिक सहयोग के माध्यम से पड़ोसी देशों की मदद की है। उदाहरण के लिए, भारत ने 2004 की सुनामी और 2014 के जल संकट के दौरान मालदीव की सहायता की, संसद भवन और राजमार्गों के निर्माण द्वारा अफगानिस्तान की मदद की, म्यांमार में मंदिरों का जीर्णोद्धार किया और हिंद महासागर के देशों के लिए सुनामी प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों का समर्थन करता है।

प्रश्न 6. साझी चुनौतियाँ कैसे सहयोग के अवसर बन जाती हैं? क्या इस अध्याय में इसे दर्शाने के लिए उदाहरण हैं?

उत्तर– साझी चुनौतियाँ देशों को सामान्य समाधान के लिए एक साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। उदाहरण के लिए, 2004 की सुनामी के कारण भारत और अन्य हिंद महासागरीय देशों ने सुनामी प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली स्थापित करने में सहयोग किया। तटीय क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के खतरों ने भी आपदा राहत, पर्यावरण संरक्षण और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को प्रोत्साहित किया है।

प्रश्न 7. यदि सीमाएँ केवल संस्कृति और संबंधों के आधार पर निर्धारित की जाती तो मानचित्र कैसा दिखता ?

उत्तर– यदि सीमाएँ संस्कृति और संबंधों से तय की जातीं, तो भाषाएँ, धर्म, त्योहार और परंपराएँ साझा करने वाले क्षेत्र अधिक निकटता से जुड़े हुए दिखाई देते। दक्षिण भारत के कुछ हिस्से श्रीलंका, मलेशिया और सिंगापुर के साथ निकटता से जुड़े हो सकते हैं, हिमालयी क्षेत्र नेपाल और भूटान के साथ और पूर्वी भारत बांग्लादेश और म्यांमार के साथ, जो राजनीतिक सीमाओं के बजाय सांस्कृतिक क्षेत्र बनाते हैं।

प्रश्न 8. रिक्त मानचित्र पर–

- भारत के पड़ोसी देशों को प्रदर्शित करें।
- भारत और उसके पड़ोसी देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान (जैसे– भोजन, त्योहार, भाषाएँ) को दर्शाने वाले तीर बनाएँ।
- नदियाँ, व्यापार मार्गों या सांस्कृतिक क्षेत्रों के माध्यम से पड़ोसियों को जोड़ने वाली मित्रता की सीमाओं की कल्पना करें और उन्हें फिर से परिभाषित करें।

उत्तर–एक खाली मानचित्र पर, छात्र भारत के सभी भू-आधारित और समुद्री पड़ोसियों को नामांकित कर सकते हैं। बौद्ध धर्म, व्यापार, भाषाओं, खान-पान की आदतों और त्योहारों के प्रसार को दर्शाने के लिए भारत से पड़ोसी देशों की ओर तीर बनाएँ। मित्रता की नई सीमाएँ गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी साझा नदियों, हिंद महासागर में समुद्री मार्गों और हिमालय और तटीय व्यापार क्षेत्रों जैसे सांस्कृतिक क्षेत्रों के साथ खींची जा सकती हैं।

- **इस अध्याय में सूचीबद्ध देशों के झंडों की तस्वीरें एकत्रित करें और अपनी टिप्पणियाँ लिखें।**

उत्तर– छात्र अध्याय में सूचीबद्ध देशों के झंडों के चित्र एकत्र कर सकते हैं। भारत के पड़ोसी देशों के झंडे उनके इतिहास, संस्कृति और मूल्यों को दर्शाते हैं। कई में धर्म, प्रकृति या राष्ट्रीय आदर्शों के प्रतीक शामिल होते हैं, जैसे कि चक्र, तारे, पट्टियाँ या रंग जो शांति, साहस और एकता का प्रतिनिधित्व करते हैं। साथ में, झंडे भारत और उसके पड़ोसियों के बीच विविधता और साझा क्षेत्रीय पहचान दोनों को दर्शाते हैं।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. भारतीय स्थलीय सीमा की कुल लम्बाई है–
(अ) **14200** किमी. (ब) **15100** किमी.
(स) **16600** किमी. (द) **17200** किमी.

2. भारत के दक्षिण में स्थित महासागर है–
(अ) प्रशांत महासागर
(ब) आन्ध्र महासागर
(स) आर्कटिक महासागर
(द) हिन्द महासागर

3. भारत एशिया के किस भाग में स्थित है?
(अ) उत्तरी (ब) दक्षिणी
(स) पूर्वी (द) पश्चिमी

4. कैयुआन मंदिर स्थित है–
(अ) चीन में (ब) म्यांमार में
(स) मलेशिया में (द) थाइलैण्ड में

5. सुवर्ण द्वीपों में शामिल है–
(अ) जावा (ब) सुमात्रा
(स) मलाया (द) ये सभी

6. टापुओं का देश कहलाता है–
(अ) भारत (ब) पाकिस्तान
(स) मालदीव (द) श्रीलंका

7. मलय प्रायद्वीप के नाम से किसे जाना जाता है?
(अ) मालदीव (ब) मलेशिया
(स) बांग्लादेश (द) श्रीलंका

8. शेरों का शहर किसे कहा गया है?
(अ) मलेशिया (ब) इंडोनेशिया
(स) सिंगापुर (द) थाईलैण्ड

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (द), **3.** (ब), **4.** (अ), **5.** (द), **6.** (स), **7.** (ब), **8.** (स)।

रिक्त स्थान पूर्ति

1. हिंद महासागर विश्व का .... बड़ा महासागर है।

2. भारत की समुद्री तटरेखा .... किमी. लम्बी है।

3. .... कॉरिडोर भारत और पाकिस्तान के बीच एक वीजा मुक्त मार्ग है।

4. .... का पशुपति नाथ मंदिर हिंदुओं का एक प्रमुख तीर्थस्थल है।

5. स्तूप एक .... मंदिर है।

उत्तर– **1.** तीसरा, **2.** 11,100, **3.** करतारपुर, **4.** नेपाल, **5.** बौद्ध ।

सत्य-असत्य कथन

1. दक्षिण एशिया में भारत की अहम् स्थिति है।
2. पशुपति नाथ मंदिर भूटान में है।
3. भूटान ने सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता सूचकांक की अवधारणा विकसित की है।
4. धिवेही सिंगापुर की राष्ट्र भाषा है।
5. स्वर्णभूमि हवाई अड्डा थाइलैंड में है।

उत्तर– **1.** सत्य, **2.** असत्य, **3.** सत्य, **4.** असत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1.	भारत	(अ) पाकिस्तान
2.	कटास राज मंदिर	(ब) मलेशिया
3.	पेट्रोनास टावर	(स) ओमान
4.	ताम्र भूमि	(द) उपमहाद्वीप

उत्तर– **1.** (द), **2.** (अ), **3.** (ब), **4.** (स)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. भारत के पड़ोसी देशों के नाम लिखिए।

उत्तर– पश्चिम : पाकिस्तान, अफगानिस्तान, उत्तर: चीन, नेपाल, भूटान, पूर्व: म्यांमार (बर्मा), बांग्लादेश, दक्षिण (समुद्री पड़ोसी): श्रीलंका, मालदीव।

2. सामुद्रिक पड़ोसी से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– सामुद्रिक पड़ोसी वे देश होते हैं जो भारत की समुद्री सीमा से जुड़े हैं, यानी समुद्र के द्वारा पड़ोसी हैं। ये देश भारत के साथ समुद्र (तटीय जल) साझा करते हैं। भारत के सामुद्रिक पड़ोसी: श्रीलंका, मालदीव, इंडोनेशिया, थाईलैण्ड, म्यांमार, बांग्लादेश।

3. करतारपुर कॉरिडोर क्या है?

उत्तर– करतारपुर कॉरिडोर एक सीमा पर मार्ग है जो भारत (डेरा बाबा नानक, पंजाब) को पाकिस्तान (करतारपुर साहिब गुरुद्वारा) से जोड़ता है। यह सिख तीर्थयात्रियों को बिना वीजा के करतारपुर साहिब गुरुद्वारा (गुरुनानक देव की अंतिम स्थली) जाने की अनुमति देता है। इसका उद्घाटन नवंबर 2019 में हुआ।

4. खुली सीमा से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– खुली सीमा वह सीमा होती है जहाँ लोग बिना किसी कठोर जाँच, पासपोर्ट या वीजा के आ-जा सकते हैं। भारत की खुली सीमाएँ हैं–

- नेपाल और भूटान के साथ।
- लोग स्वतंत्र रूप से आ-जा सकते हैं, व्यापार कर सकते हैं।
- यह दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को दर्शाता है।

5. बौद्ध धर्म की प्रमुख शाखाएँ कौनसी हैं?

उत्तर– **बौद्ध धर्म के तीन प्रमुख शाखाएँ हैं–**

1. हीनयान (थेरवाद)–श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैण्ड, लाओस, कंबोडिया में प्रचलित।

2. महायान–चीन, जापान, कोरिया, तिब्बत, नेपाल में प्रचलित।

3. वज्रयान (तांत्रिक बौद्ध धर्म)– तिब्बत, भूटान, मंगोलिया में प्रचलित।

6. सार्क का गठन कब किया गया था?

उत्तर– **सार्क**–दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन का गठन 8 दिसंबर 1985 को ढाका (बांग्लादेश) में किया गया था। इसके सदस्य भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, अफगानिस्तान हैं।

7. मालदीव कब स्वतंत्र हुआ था?

उत्तर– मालदीव 26 जुलाई 1965 को ब्रिटिश शासन से स्वतंत्र हुआ था। इससे पहले यह 1887 से 1965 तक ब्रिटिश संरक्षित राज्य था।

8. लिटिल इंडिया नामक क्षेत्र का संबंध किस देश से है?

उत्तर– लिटिल इंडिया क्षेत्र का संबंध सिंगापुर से है। यह सिंगापुर का एक जिला है जहाँ भारतीय समुदाय (विशेषकर तमिल) बड़ी संख्या में रहते हैं। यहाँ भारतीय रेस्तरां, मंदिर, साड़ी की दुकानें और सांस्कृतिक केंद्र स्थित हैं। इसी तरह, मलेशिया में भी ''लिटिल इंडिया'' (ब्रिकफील्ड्स, कुआलालंपुर) है।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A):** भारत दक्षिणी एशिया में केन्द्रीय स्थिति रखता है।

कारण (R): यह सामुद्रिक व स्थलीय सीमाओं से भली–भाँति जुड़ा हुआ है।

उत्तर– **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

2. **कथन (A):** श्रीलंका भारत के दक्षिण–पूर्व में स्थित एक द्वीपीय राष्ट्र है।

कारण (R): यहाँ तमिल समुदाय की अधिकता व सिंहली की कमी पायी जाती है।

उत्तर– **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

थाइलैण्ड की सांस्कृतिक विरासत भारत से प्रभावित है। यहाँ के साम्राज्यों का नाम भारतीय शहरों के आधार पर रखा गया था। यहाँ के चक्री वंशीय राजाओं ने अपना नाम राजाराम के अनुसार रखा है। अयुत्थाया साम्राज्य का नाम भारतीय अयोध्या के आधार पर रखा गया है।

1. थाइलैण्ड में वर्तमान में किस वंश के राजा मिलते हैं?

(अ) शुंग (ब) चक्री
(स) लोदी (द) शक

2. अयुत्थाया साम्राज्य का नाम किस भारतीय शहर के आधार पर रखा गया है?

(अ) अमरावती (ब) आगरा
(स) अयोध्या (द) अजमेर

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (स)।

मानचित्र कार्य

भारत के रूपरेखा मानचित्र के द्वारा निम्न को प्रदर्शित कीजिए–

1. भारत के प्रमुख पड़ोसी देश
2. पाक जलडमरूमध्य
3. अरब सागर
4. हिन्द महासागर

उत्तर– **1.** पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन, नेपाल, भूटान, म्यांमार, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, **2.** पश्चिमी सीमा पर, **3.** भारत के पश्चिमी तट पर, **4.** भारत के दक्षिण में।

3 साम्राज्य और राज्य : छठी से दसवीं शताब्दी

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. यदि आप पाल, प्रतिहार और राष्ट्रकूटों के बीच हुए संघर्ष के दौरान कन्नौज में रहते हैं, तो इससे आपके दैनिक जीवन और शासकों के प्रति आपके दृष्टिकोण में क्या परिवर्तन आता? इस विषय पर कांचीपुरम में रहने वाले अपने मित्र को एक पत्र लिखिए।

उत्तर–

प्रिय मित्र,

पाल, प्रतिहार और राष्ट्रकूटों के बीच संघर्ष के दौरान कन्नौज में रहना रोमांचक और डरावना दोनों है। यह शहर सैनिकों, दूतों और युद्धों की अफवाहों से गुलजार है। बाजार और त्योहार जारी हैं, लेकिन हम हमेशा हमलों या शासकों में अचानक बदलाव से सावधान रहते हैं। मैं अपने राजा के साहस और उदारता की प्रशंसा करता हूँ, फिर भी मैं देखता हूँ कि गठबंधन बदलने और सेनाओं

के शहर से गुजरने पर सत्ता कितनी नाजुक हो सकती है। जीवन मुझे नेतृत्व के प्रति सम्मान और राजनीति की अनिश्चितता दोनों सिखाता है।

आपका स्नेही,

आपका नाम

प्रश्न 2. इस काल में सम्राट और राजा केवल प्रमुख क्षेत्रों पर ही नियंत्रण रखते थे और अन्य क्षेत्रों पर अधीनस्थ जागीरदारों के माध्यम से शासन करते थे। ऐसी व्यवस्था के क्या लाभ और चुनौतियाँ होंगी?

उत्तर– सम्राटों द्वारा प्रमुख क्षेत्रों को नियंत्रित करने और अन्य क्षेत्रों पर जागीरदारों के माध्यम से शासन करने के लाभों में बड़े क्षेत्रों का कुशल प्रबंधन, जिम्मेदारियों का प्रत्यायोजन और स्थानीय सेनाओं की त्वरित गतिशीलता शामिल थी। चुनौतियाँ जागीरदारों की नाजुक वफादारी, संभावित विद्रोह, धीमा संचार और असंगत कानून प्रवर्तन थीं, जो केंद्रीय अधिकार को कमजोर कर सकती थीं।

प्रश्न 3. हूणों और अरबों के आक्रमण उनके उद्देश्यों, तरीकों और भारतीय उपमहाद्वीप पर प्रभाव के मामले में किन मायनों में अलग थे? एक लेख तैयार कीजिए तथा चर्चा कीजिए और इसे कक्षा में प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर– हूण और अरब अपने आक्रमणों में भिन्न थे– हूणों का उद्देश्य मुख्य रूप से लूटपाट और साम्राज्यों को कमजोर करना था, लेकिन बाद में वे स्थानीय भाषाओं और रीति-रिवाजों को अपनाते हुए भारतीय समाज में समाहित हो गए। अरबों का उद्देश्य सैन्य अभियानों के माध्यम से राजनीतिक नियंत्रण स्थापित करना और इस्लाम का प्रसार करना था। हूणों का अल्पकालिक सैन्य प्रभाव था लेकिन सांस्कृतिक प्रभाव बहुत कम था, जबकि अरबों ने व्यापार, धर्म को प्रभावित किया और भारतीय ज्ञान को अरब जगत से परिचित कराया। कुल मिलाकर, हूण एकीकृत हो गए, जबकि अरबों ने मुख्य रूप से सिंध में सीमित शासन बनाए रखा।

प्रश्न 4. कल्पना कीजिए कि आप एक साधारण नागरिक हैं जो प्रयाग सभा देख रहे हैं। हर्ष द्वारा अपना अधिकांश धन दान कर देने पर आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी?

उत्तर– प्रयाग सभा में एक आम नागरिक के रूप में, मैं हर्ष की उदारता पर विस्मय और प्रशंसा महसूस करूँगा। उन्हें गरीबों, ब्राह्मणों और बौद्धों को धन दान करते देखना उनके न्याय और धार्मिकता के प्रति सम्मान को प्रेरित करेगा। इससे यह भी आशा होगी कि शासक केवल अपने दरबार या सेना का नहीं, बल्कि सभी के कल्याण की परवाह करता है।

प्रश्न 5. कक्षा में समूह बनाएँ, प्रत्येक समूह एक आलवार और एक नायनार संत को चुने और एक जीवनी पोस्टर या पुस्तिका तैयार करे। इसमें उनकी जीवन गाथाएँ उनके जीवन से जुड़ी एक या दो कविताएँ (अनुवाद सहित) उदाहरण के रूप शामिल करें।

उत्तर– छात्र स्वयं कर सकते हैं। प्रत्येक समूह उदाहरण के लिए, आलवार अंडाल (विष्णु की महिला भक्त) और नायनार अप्पर (शिव के भक्त) को चुन सकता है। पोस्टर/पुस्तिका में उनका जन्म स्थान, पारिवारिक पृष्ठभूमि, भक्ति, मुख्य जीवन घटनाएँ और अपने देवता के प्रति प्रेम और समर्पण दिखाने वाली एक या दो नमूना कविताएँ शामिल की जा सकती हैं।

प्रश्न 6. आप देखेंगे कि हमारे मानचित्रों में राज्यों की राजधानियों और मुख्य शहरों के केवल प्राचीन नाम ही दर्शाए गए हैं। एक पेंसिल का उपयोग करके, उनके मूल नामों के आगे आधुनिक नाम अंकित करें। भारत के वर्तमान मानचित्र को देखें और उन शहरों को उसमें ढूँढ़ने का प्रयास करें।

उत्तर– छात्र प्राचीन नामों के आगे आधुनिक नाम अंकित कर सकते हैं, उदाहरण के लिए– कान्यकुब्ज – कन्नौज, वातापी – बादामी, तंजावूर – तंजावुर, वेंगी – आंध्र प्रदेश, मान्यखेत – मालखेड़ा, प्राग्ज्योतिष – गुवाहाटी।

प्रश्न 7. शासक या राजवंश का शहर के साथ मिलान कीजिए–

1. राष्ट्रकूट	(अ) कांची
2. गुर्जर-प्रतिहार	(ब) तंजावूर
3. चोल	(स) मान्यखेत
4. हर्षवर्धन	(द) उज्जयिनी
5. पल्लव	(य) कान्यकुब्ज

उत्तर– 1. (स), 2. (द), 3. (ब), 4. (य), 5. (अ)।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. छठी से 12वीं सदी के काल को कहा जाता है?

(अ) उत्तर शास्त्रीय युग
(ब) प्रारम्भिक मध्य युग
(स) पश्च शास्त्रीय युग
(द) ये सभी

2. कादम्बरी किसकी रचना है?
(अ) हर्षवर्धन (ब) बाणभट्ट
(स) आर्यभट्ट (द) भास्कर प्रथम

3. व्हेनसांग किस शासक के समय भारत यात्रा पर आया था—
(अ) चन्द्रगुप्त (ब) अशोक
(स) हर्षवर्धन (द) धर्मपाल

4. विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना किसने की थी?
(अ) धर्मपाल (ब) पुलकेशिन प्रथम
(स) नागभट्ट (द) अमोघवर्ष प्रथम

5. गुर्जर–प्रतिहार वंश के संस्थापक कौन हैं?
(अ) नागभट्ट प्रथम (ब) राजा भोज
(स) नृपतुंग (द) कल्हण

6. राजतरंगिणी के लेखक कौन हैं?
(अ) आर्यभट्ट (ब) बाणभट्ट
(स) कल्हण (द) शंकराचार्य

7. रानी प्रभावती का सम्बन्ध है?
(अ) पालों से (ब) चालुक्यों से
(स) वाकाटकों में (द) राष्ट्रकूटों से

8. गुर्जर–प्रतिहारों की प्रारम्भिक राजधानी कौनसी थी?
(अ) एहोर (ब) भीलमल्ला
(स) कान्यकुब्ज (द) श्रावस्ती

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (ब), **3.** (स), **4.** (ब), **5.** (अ), **6.** (स), **7.** (स), **8.** (ब)।

रिक्त स्थान पूर्ति

1. .... गंगा नदी के तट पर बसा एक शहर है।
2. हर्षवर्धन .... वंश के थे।
3. राष्ट्रकूटों की राजधानी .... थी।
4. केरल तटीय चेरों को .... भी कहा जाता है।

उत्तर– **1.** कन्नौज, **2.** पुष्यभूति, **3.** मान्यखेट, **4.** चेरा पेरुमल

सत्य-असत्य कथन

1. हर्षवर्धन की राजधानी स्थानेश्वर थी।
2. हर्ष की मृत्यु **547** ईस्वी में हुई थी।
3. विक्रमशिला के द्वारपालों को द्वार पंडित कहा जाता था।
4. हूण मध्य एशिया के खानाबदोश लोग थे।
5. चालुक्य वंश की स्थापना पुलकेशिन प्रथम ने की थी।

उत्तर– **1.** असत्य, **2.** असत्य, **3.** सत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1.	चालुक्य साम्राज्य	(अ) चीनी यात्री
2.	व्हेनसांग	(ब) कन्नौज का पुराना नाम
3.	कान्यकुब्ज	(स) कर्नाटक
4.	अद्वैतवाद	(द) दक्कन
5.	श्रवणबेलगोला	(य) शंकराचार्य

उत्तर– **1.** (द), **2.** (अ), **3.** (ब), **4.** (य), **5.** (स)

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. उत्तर शास्त्रीय युग किसे कहते हैं?

उत्तर– उत्तर शास्त्रीय युग (लगभग 6वीं से 12वीं शताब्दी ई.) को प्रारम्भिक मध्य युग भी कहा जाता है। यह गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद का काल है। इस काल में–

- उत्तर भारत में हर्षवर्धन, पाल, प्रतिहार, राष्ट्रकूटों का उदय हुआ।
- दक्षिण भारत में चालुक्य, राष्ट्रकूट, चोल शक्तिशाली हुए।
- क्षेत्रीय राजवंशों का विकास हुआ।
- भक्ति आंदोलन और मंदिर वास्तुकला का विकास हुआ।

2. महाराजाधिराज किसे कहा गया है?

उत्तर– महाराजाधिराज का अर्थ है ''राजाओं का महान राजा'' यह एक उपाधि थी जो प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत में सबसे शक्तिशाली सम्राटों द्वारा धारण की जाती थी। यह सामान्य राजा से ऊपर के शासक को दर्शाती थी। उदाहरण– समुद्रगुप्त, चंद्रगुप्त द्वितीय, हर्षवर्धन।

3. कन्नौज का त्रिपक्षीय संघर्ष किन–किन के बीच हुआ था?

उत्तर– कन्नौज का त्रिपक्षीय संघर्ष (लगभग 8वीं–9वीं शताब्दी) तीन शक्तिशाली राजवंशों के बीच हुआ था–

1. पाल वंश– पूर्वी भारत बंगाल, बिहार।
2. गुर्जरप्रतिहार वंश– उत्तर पश्चिमी भारत
3. राष्ट्रकूट वंश– दक्षिण भारत (दक्कन)

यह संघर्ष कन्नौज (उत्तर प्रदेश) शहर पर नियंत्रण के लिए हुआ था, जो उस समय एक प्रमुख व्यापारिक और राजनीतिक केन्द्र था।

4. द्वारपंडित किसे कहा गया है?

उत्तर– द्वारपंडित विक्रमशिला विश्वविद्यालय के द्वारपाल (प्रवेश द्वार के रक्षक) होते थे। वे विद्वान होते थे।

- प्रवेश परीक्षा लेते थे।
- विद्यार्थियों की योग्यता की जाँच करते थे।
- प्रवेश के लिए अर्हता निर्धारित करते थे।

5. अलवार से क्या तात्पर्य है?

उत्तर– अलवार दक्षिण भारत के 12 वैष्णव संत–कवि थे (6ठी–9वीं शताब्दी) जिन्होंने भगवान विष्णु की भक्ति में तमिल भाषा में भक्ति पदों (दिव्य प्रबंधम) की रचना की। 'अलवार' का अर्थ है ''भक्ति में डूबा हुआ व्यक्ति''।

6. नयनार कौन थे?

उत्तर– नयनार दक्षिण भारत के 63 शैव संत–कवि थे (6ठी–8वीं शताब्दी) जिन्होंने भगवान शिव की भक्ति में तमिल भाषा में भक्ति पदों (तेवारम) की रचना की। उन्होंने भक्ति आंदोलन को बढ़ावा दिया और पूजा को लोकप्रिय बनाया।

7. भारत के कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम लिखिए।

उत्तर– प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत के प्रमुख राजवंश:

- मौर्य वंश (322–185 ईसा पूर्व)
- गुप्त वंश (319–550 ई.)
- पुष्यभूति वंश (हर्षवर्धन, 606–647 ई.)
- पाल वंश (8वीं–12 वीं शताब्दी, बंगाल)
- गुर्जर–प्रतिहार वंश (8वीं–10वीं शताब्दी, उत्तर भारत)

राष्ट्रकूट वंश (8वीं–10वीं शताब्दी, दक्कन)

- चालुक्य वंश (6ठी–12वीं शताब्दी, कर्नाटक)
- चोल वंश (9वीं–13वीं शताब्दी, तमिलनाडु)

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A):** भारत की सांस्कृतिक विरासत अत्यधिक समृद्ध है।

कारण (R): इसमें विविध वंशों, संस्कृतियों, परम्पराओं का विशिष्ट समावेश मिलता है।

उत्तर– (अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

2. **कथन (A):** सिंध पर अरबों का राजनीतिक, धार्मिक प्रभाव सीमित है।

कारण (R): ललितादित्य ने एक अरब सरदार को तीन बार हराया था।

उत्तर– (ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

गंगा नदी तट पर स्थित विक्रमशिला भारत का प्रसिद्ध विश्वविद्यालय था, जिसमें व्याकरण, तर्कशास्त्र हिन्दू व बौद्ध दर्शन की शिक्षा दी जाती थी। इसकी स्थापना 8वीं शताब्दी में की गयी थी। इसके प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल होते थे जिन्हें द्वारपंडित कहा जाता था। विक्रमशिला को 12वीं सदी में बख्तियार खिलजी ने लूटा व नष्ट कर दिया।

1. विक्रमशिला किस नदी के तट पर स्थित था?

(अ) यमुना (ब) गंगा

(स) चम्बल (द) महानदी

2. विद्यार्थियों की विक्रमशिला में प्रवेश से पूर्व परीक्षा कौन लेते थे?

(अ) सामंत (ब) गिल्ड

(स) द्वारपंडित (द) शिक्षक

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (स)।

मानचित्र कार्य

भारत के रेखा मानचित्र पर, निम्नलिखित भौगोलिक विशेषताओं को ढूँढ़ें और उन्हें चिह्नित करें–

1. कन्नौज
2. भीलमल्ला
3. गुर्जर–प्रतिहार शासित क्षेत्र
4. चालुक्य शासित क्षेत्र
5. पल्लव शासित क्षेत्र

उत्तर– **1.** उत्तर प्रदेश (फर्रुखाबाद जिले के पास), **2.** राजस्थान (जालौर जिले में भीनमाल), **3.** राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश, **4.** कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश (बादामी) वातापी केन्द्र)।

4 बदलाव का दौर : 11वीं और 12वीं शताब्दी

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. इस अध्याय में वर्णित अवधि को भारतीय इतिहास में एक प्रमुख संक्रमणकालीन काल क्यों माना जाता है? इस अवधि से परिवर्तन और निरंतरता के दो-दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर– इस अवधि को एक प्रमुख संक्रमणकालीन काल माना जाता है क्योंकि इसमें कई लंबे समय से स्थापित क्षेत्रीय राज्यों का पतन और उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों में निरंतर तुर्की शासन की शुरुआत देखी गई, जिसने राजनीतिक, सैन्य और सांस्कृतिक रूपरेखा को बदल दिया।

परिवर्तन के उदाहरणों में गोरियों का आगमन और उत्तरी भारत में विदेशी राजनीतिक नियंत्रण की स्थापना, और सैन्य सेवा के लिए भूमि आवंटन जैसी अधिक केंद्रीकृत प्रशासनिक प्रथाओं की शुरुआत शामिल है।

निरंतरता के उदाहरणों में दक्षिण और मध्य भारत में चोल, होयसल और काकतीय जैसे शक्तिशाली क्षेत्रीय राज्यों का बने रहना और कृषि, व्यापार, मंदिर निर्माण और शिक्षा एवं कलाओं के संरक्षण का निरंतर महत्व शामिल है।

प्रश्न 2. पिछले अध्याय में चित्र 3.27 का अवलोकन करें और इस अध्याय में आने वाले सभी या अधिकांश राजवंशों को एकत्रित करते हुए इसी तरह का राजवंशों का तारा चित्र बनाएँ।

उत्तर– इस अध्याय के लिए एक 'राजवंशों का तारा' में चोल, होयसल, काकतीय, परमार, चंदेल, पूर्वी गंग, चाहमान (चौहान), चालुक्य (गुजरात के सोलंकी), गोरी और बंगाल के सेन शामिल होंगे, जो इस अवधि के दौरान उनके सह-अस्तित्व और अंत:क्रियाओं को दर्शाने के लिए एक केंद्रीय बिंदु के चारों ओर व्यवस्थित होंगे।

प्रश्न 3. उपमहाद्वीप के एक नक्शे को लेते हुए एक भौगोलिक यात्रा का वृत्तांत बनाएँ जो इस अध्याय के सभी या अधिकांश राजवंशों को समाहित करता हो (आप अध्याय के अनुसरण करने वाली कुछ 'यात्राओं' से प्रेरणा ले सकते हैं)।

उत्तर– एक भौगोलिक यात्रा अफगानिस्तान में गोर और गजनी से शुरू हो सकती है, चाहमान और

गोरियों के अधीन पंजाब और दिल्ली से होते हुए, पूर्व की ओर पाल और सेन के अधीन बिहार और बंगाल तक, फिर दक्षिण में पूर्वी गंग के अधीन ओडिशा तक, मध्य भारत में परमारों के अधीन मालवा और चंदेलों के अधीन बुंदेलखंड तक और अंत में तेलंगाना में काकतीयों, कर्नाटक में होयसलों और तमिलनाडु में चोलों के साथ दक्कन और दक्षिण भारत को समाहित कर सकती है।

प्रश्न 4. भारत और दक्षिण पूर्वी एशिया के मानचित्र की सहायता से क्या आप उस अनुमानित दूरी की गणना कर सकते हैं जिसे राजेंद्र प्रथम के जहाजों के बेड़े को अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए पार करना था?

उत्तर– राजेंद्र प्रथम का बेड़ा संभवत: तमिलनाडु के कोरोमंडल तट के बंदरगाहों से बंगाल की खाड़ी और मलक्का जलडमरूमध्य के माध्यम से सुमात्रा में श्रीविजय की राजधानी तक रवाना हुआ था। लिए गए सटीक मार्ग के आधार पर, अनुमानित समुद्री दूरी लगभग 2,500 से 3,000 किलोमीटर रही होगी।

प्रश्न 5. सुमेलित कीजिए–

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
(i) पूर्वी गंग	(अ) बेलूर
(ii) चंदेल	(ब) बृहदेश्वर मंदिर
(iii) परमार	(स) कोणार्क सूर्य मंदिर
(iv) होयसल	(द) कंदरिया महादेव मंदिर
(v) चोल	(य) भोजेश्वर मंदिर

उत्तर– (i) (स), (ii) (द), (iii) (य), (iv) (अ), (v) (ब)।

प्रश्न 6. इस अध्याय और पिछले अध्याय में आए राजवंशों की तुलना करें तथा दोनों में मौजूद, पिछली समयावधि में लुप्त होने वाले और इस अध्याय की अवधि में दिखाई देने वाले राजवंशों को सूचीबद्ध करने के लिए एक तालिका बनाएँ।

उत्तर– दोनों अवधियों में मौजूद राजवंशों में चोल और चालुक्य शामिल हैं। पिछली अवधि से गायब होने वाले राजवंशों में प्रमुख शक्तियों के रूप में पाल और प्रतिहार शामिल हैं। इस अध्याय में प्रमुख रूप से दिखाई देने वाले राजवंशों में होयसल, काकतीय, परमार, चंदेल, चाहमान, पूर्वी गंग और गोरी शामिल हैं।

प्रश्न 7. इस अध्याय और किसी अतिरिक्त सामग्री अध्याय पठन का प्रयोग करते हुए, एक संक्षिप्त टिप्पणी तैयार करें जो समझाए कि (1) नालंदा जैसे शिक्षण केंद्र क्यों महत्वपूर्ण थे? (2) उनके विनाश ने भारत में शिक्षा और संस्कृति को कैसे प्रभावित किया है?

उत्तर– नालंदा जैसे शिक्षा केंद्र इसलिए महत्वपूर्ण थे क्योंकि उन्होंने शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के रूप में कार्य किया। पूरे एशिया से छात्रों और विद्वानों को आकर्षित किया, पांडुलिपियों के विशाल संग्रह को संरक्षित किया और दर्शन, विज्ञान, चिकित्सा और धर्म में उन्नत अध्ययन को बढ़ावा दिया। उनके विनाश के कारण अमूल्य ग्रंथों का नुकसान हुआ, संगठित उच्च शिक्षा बाधित हुई और संस्थागत शिक्षा में गिरावट आई, जिसका भारत में बौद्धिक और सांस्कृतिक जीवन पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा।

प्रश्न 8. आपके विचार में महमूद गजनी ने अफगानिस्तान से भारत पर बार-बार आक्रमण क्यों किए, जबकि मुहम्मद गोरी ने भारत में क्षेत्रीय विस्तार और दीर्घकालिक नियंत्रण की दशा को अपनाया था। इसके उद्देश्यों ने इसके अभियानों के परिणामों को किस प्रकार प्रभावित किया, इस पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर– गजनी के महमूद ने मुख्य रूप से लूट, धन और प्रतिष्ठा के लिए बार-बार आक्रमण किए, जिसमें समृद्ध मंदिरों और शहरों को निशाना बनाया और फिर भारतीय क्षेत्रों पर शासन करने का प्रयास किए बिना अफगानिस्तान लौट गए। इसके विपरीत, मुहम्मद गोरी का लक्ष्य क्षेत्रीय विस्तार और दीर्घकालिक नियंत्रण था, उन्होंने प्रशासनिक संरचनाएँ स्थापित कीं और विश्वसनीय कमांडरों को पीछे छोड़ दिया। परिणामस्वरूप, महमूद के अभियानों ने विनाश किया लेकिन स्थायी राजनीतिक परिवर्तन नहीं किया, जबकि मुहम्मद गोरी की विजय ने उत्तरी भारत में निरंतर विदेशी शासन और अंतत: दिल्ली सल्तनत की स्थापना की नींव रखी।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. खैबर दर्रा किस पर्वत से सम्बन्धित है?
   (अ) हिमालय (ब) कुनलून
   (स) सुलेमान (द) हिन्दूकुश

2. आनंदपाल को मुहम्मद गजनी ने कब हराया था?
(अ) 930 ई. (ब) 998 ई.
(स) 1008 ई. (द) 1035 ई.

3. मुहम्मद गजनी ने भारत पर कितनी बार आक्रमण किया था?
(अ) 9 (ब) 11 (स) 15 (द) 17

4. पतंजलि के योगसूत्र का अरबी में अनुवाद किसने किया था?
(अ) अल-बरूनी (ब) भास्कराचार्य
(स) मुहम्मद गौरी (द) कुतुब-दीन-ऐबक

5. वर्तमान सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन किसने किया था?
(अ) महात्मा गाँधी ने (ब) सरदार पटेल ने
(स) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने
(द) वी.वी. गिरी ने

6. मुहम्मद गजनी की मृत्यु कब हुई थी?
(अ) 970 ई. (ब) 1000 ई.
(स) 1030 ई. (द) 1050 ई.

7. सिद्धान्त शिरोमणि के लेखक हैं—
(अ) रामानुजाचार्य (ब) अल बरूनी
(स) भास्कराचार्य (द) शंकराचार्य

8. परमार वंश के प्रसिद्ध शासक कौन थे?
(अ) पृथ्वीराज (ब) राजा भोज
(स) धर्मपाल (द) राजेन्द्र चोल

उत्तर– **1.** (द), **2.** (स), **3.** (द), **4.** (अ), **5.** (स), **6.** (स), **7.** (स), **8.** (ब)।

रिक्त स्थान पूर्ति

1. .... सदी को भारतीय इतिहास का संक्रमण काल कहा जाता है।
2. महमूद ने .... की उपाधि धारण की थी।
3. .... नाम तपस्वी के आदेश से उत्पन्न हुआ था।
4. तराइन का प्रथम युद्ध .... में हुआ था।
5. .... मूल रूप से प्रतिहारों व राष्ट्रकूटों के सामंत थे।

उत्तर– **1.** 11वीं (ग्यारहवीं), **2.** सुल्तान, **3.** 'होयसल', **4.** 1191, **5.** परमार

सत्य-असत्य कथन

1. 10वीं-15वीं सदी का काल परिवर्तन का काल कहलाता है।
2. हिन्दूकुश पर्वत भारत के पूर्व में है।
3. आनंदपाल ने महमूद गजनी को हराया था।
4. भास्कराचार्य का जन्म 1114 में हुआ था।
5. पृथ्वीराज चौहान को पृथ्वीराज तृतीय भी कहा जाता है।

उत्तर– **1.** सत्य, **2.** असत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1.	महमूद गजनी	(अ) जयपाल के पुत्र
2.	आनंदपाल	(ब) महमूद का मथुरा पर आक्रमण
3.	1018	(स) पूर्वी चालुक्यों की राजधानी
4.	कल्याणी	(द) राजेन्द्र चोल
5.	गंगैय कोंडाचोलपुरम मंदिर	(य) अफगानी शासक

उत्तर– **1.** (य), **2.** (अ), **3.** (ब), **4.** (स), **5.** (द)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सोमनाथ मंदिर को किसने लूटा व नष्ट किया था?

उत्तर– महमूद गजनी ने 1025 ई. में सोमनाथ मंदिर (गुजरात) पर आक्रमण करके उसे लूटा और नष्ट किया था।

2. गजनी का सम्बन्ध किस क्षेत्र से है?

उत्तर– गजनी वर्तमान अफगानिस्तान में स्थित एक शहर है। यह महमूद गजनी की राजधानी थी और गजनवी साम्राज्य का केन्द्र था।

3. महमूद गजनी का आक्रमण करने का मुख्य उद्देश्य क्या था?

उत्तर– महमूद गजनी के आक्रमणों के मुख्य उद्देश्य थे–
- भारत के धन-संपत्ति को लूटना (विशेषकर मंदिरों के खजाने)
- इस्लाम का प्रसार करना।

- गजनवी साम्राज्य का विस्तार करना।
- प्रतिष्ठा और ख्याति प्राप्त करना।

4. भास्कराचार्य का जन्म कब व कहाँ हुआ था?

उत्तर– भास्कराचार्य (भास्कर द्वितीय) का जन्म 1114 ई. में विज्जापुर (बीजापुर), कर्नाटक (या कुछ स्रोतों के अनुसार पाटलिपुत्र के पास) में हुआ था। वे एक महान गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री थे। उनकी प्रसिद्ध रचना सिद्धांत शिरोमणि है।

5. यूनेस्को ने होयसलकालीन किन मंदिरों को विश्व विरासत स्थल घोषित किया है?

उत्तर– यूनेस्को ने होयसल वास्तुकला के तीन मंदिर को 2023 में विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है–

1. चेन्नकेसव मंदिर-बेलूर (कर्नाटक)
2. होयसलेश्वर मंदिर-हलेबिदु (कर्नाटक)
3. केशव मंदिर-सोमनाथपुरा (कर्नाटक)

6. विहार से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– विहार बौद्ध भिक्षुओं के रहने का स्थान (मठ) होता है। यह शब्द 'विहरण' (घूमना) से बना है। विहारों में–

- भिक्षु ध्यान और अध्ययन करते थे।
- यह शिक्षा के केंद्र भी होते थे।
- नालंदा, विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालय विहारों के रूप में विकसित हुए।

7. परमार वंश ने किस क्षेत्र में शासन किया था?

उत्तर– परमार वंश ने मालवा क्षेत्र (वर्तमान मध्य प्रदेश) में शासन किया था। उनकी राजधानी धार थी। इस वंश के सबसे प्रसिद्ध शासक राजा भोज (1010-1055 ई.) थे, जो एक महान विद्वान एवं कवि भी थे।

8. सोलंकी राजवंश कहाँ से सम्बन्धित है?

उत्तर– सोलंकी राजवंश (चालुक्यों की एक शाखा) गुजरात क्षेत्र से सम्बन्धित है। इन्हें गुजरात के चालुक्य भी कहा जाता है। इनकी राजधानी अनहिलवाड़ा पटना थी। प्रसिद्ध शासक: कुमारपाल, जयसिंह, सिद्धराज थे।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A):** भारत को विदेशी आक्रान्ताओं का अत्यधिक सामना करना पड़ा है।

कारण (R): भारतीय खजाने व धन-धान्य की प्रधानता ने आक्रमणकारियों को अपनी ओर आकर्षित किया था।

उत्तर– (अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

2. **कथन (A):** पृथ्वीराज चौहान का सम्बन्ध गुजरात व मालवा क्षेत्र से है।

कारण (R): इन्होंने मुहम्मद गोरी के साथ तराइन के दो युद्ध किये थे।

उत्तर– (द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

चालुक्य राजवंश को सोलंकी राजवंश के नाम से भी जाना जाता है। इन्होंने गुजरात व राजस्थान के क्षेत्रों पर **10**वीं से **13**वीं सदी तक शासन किया था इनकी राजधानी पाटन थी। इन्हें गुजरात के चालुक्य भी कहा जाता है।

1. चालुक्य वंश की राजधानी थी?

(अ) अजमेर (ब) आमेर
(स) पाटन (द) एहोर

2. गुजरात के चालुक्यों का शासनकाल था?

(अ) **6-9**वीं सदी (ब) **10-13**वीं सदी
(स) **15-18**वीं सदी (द) **2-5**वीं सदी

उत्तर– **1.** (स), **2.** (ब)।

मानचित्र कार्य

भारत के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित भौगोलिक विशेषताओं को ढूँढ़ें और उन्हें चिह्नित करें–

1. खैबर दर्रा
2. चालुक्य राजवंश क्षेत्र
3. मथुरा
4. काकटिया शासित क्षेत्र
5. होयसल शासित क्षेत्र

उत्तर– **1.** पाकिस्तान, अफगानिस्तान सीमा, **2.** कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, गुजरात, **3.** उत्तर प्रदेश (यमुना नदी के तट पर) **4.** ओडिशा, **5.** कर्नाटक (बेलूर, हलेबिदु, सोमनाथपुरा)।

5 भारत, अनेक लोगों का घर

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. इस अध्याय में उल्लेखित समुदायों द्वारा भारत पहुँचने के लिए उपयोग किए गए मार्गों का विश्व के रेखाचित्र पर पता लगाने का प्रयास करें। उन्हें किस प्रकार के भौतिक स्वरूप से निपटना पड़ा होगा?

उत्तर– इस अध्याय में उल्लेखित समुदाय स्थल और समुद्री दोनों मार्गों से भारत पहुँचे। यहूदी, पारसी, अर्मेनियाई, अरब और बहाई अधिकतर भूमध्य सागर, लाल सागर, फारस की खाड़ी, अरब सागर और हिंद महासागर के पार समुद्र के रास्ते भारत के पश्चिमी तट तक पहुँचे। सीरियाई ईसाइयों और तिब्बतियों ने पहाड़ों और व्यापार मार्गों के माध्यम से भूमि मार्गों का उपयोग किया। तिब्बती शरणार्थियों ने हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं को पार किया, जबकि भिक्षुओं ने पहले कठिन पहाड़ी दर्रों के साथ भारत और तिब्बत के बीच यात्रा की। इन समुदायों को रेगिस्तानों, समुद्रों, लंबी तटरेखाओं, घने जंगलों, नदी घाटियों और हिमालय जैसी ऊँची पर्वत श्रृंखलाओं से गुजरना पड़ा, जिससे उनकी यात्राएँ लंबी और चुनौतीपूर्ण हो गईं। अध्याय में उल्लिखित छात्र दिए गए संकेतों की सहायता से मानचित्र पर मार्गों का पता लगा सकते हैं।

प्रश्न 2. भारतीय संस्कृति के प्रमुख आंतरिक मूल्य कौन से हैं जो इसे विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों का स्वागत करने में सक्षम बनाते हैं?

उत्तर– प्रमुख भारतीय मूल्यों में सहिष्णुता, सभी धर्मों के प्रति सम्मान, करुणा और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व शामिल हैं। वसुधैव कुटुम्बकम्, अतिथि देवो भव: और सर्वे भवन्तु सुखिन: जैसे विचार दूसरों के प्रति स्वीकृति और दया को बढ़ावा देते हैं। भारतीय समाज ने परंपरागत रूप से लोगों को अपने विश्वासों का स्वतंत्र रूप से पालन करने की अनुमति दी है, जिससे विविध समुदायों को बसने और एकीकृत होने में मदद मिली है।

प्रश्न 3. होमी भाभा, सैम मानेकशॉ, रतन टाटा, फली नरीमन, नानी पालकीवाला और कॉर्नेलिया सोराबजी पारसियों के कुछ ऐसे नाम हैं जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त की है। अन्य समुदायों के लोगों और उनके योगदान के बारे में और जानें, जिन्होंने भारत को अपना घर बनाया था।

उत्तर– प्रवासी समुदायों के कई व्यक्तियों ने भारत में महान योगदान दिया है। उदाहरण के लिए, स्वामी विवेकानंद ने यहूदियों और पारसियों के प्रति भारत की स्वीकृति पर गर्व व्यक्त किया। दलाई लामा ने भारत में रहते हुए शांति, करुणा और अंतरधार्मिक सद्भाव को बढ़ावा दिया। यहूदी विद्वानों, व्यापारियों और डॉक्टरों ने विशेष रूप से केरल में व्यापार, चिकित्सा और प्रशासन में योगदान दिया। अर्मेनियाई लोगों ने मुगल प्रशासन, व्यापार और शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अरब व्यापारियों ने भारत के समुद्री व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत किया। इन योगदानों ने भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन को समृद्ध किया।

प्रश्न 4. एक परियोजना तैयार करें जिसमें कक्षा को समूहों में विभाजित करें। प्रत्येक समूह यहाँ सूचीबद्ध समुदायों के बारे में थोड़ा और अध्ययन करने के लिए एक छोटी परियोजना है। आपने जो कुछ भी एकत्र किया है उसे अपने सहपाठियों के साथ नाटक, पोस्टर, चित्र या इनमें से किसी एक तरीके से साझा करें।

उत्तर– छात्र समूह बना सकते हैं, प्रत्येक समूह यहूदी, पारसी, सीरियाई ईसाई, सिद्दी, अर्मेनियाई, तिब्बती या बहाई जैसे एक समुदाय का अध्ययन कर सकता है। प्रत्येक समूह उनके इतिहास, प्रवासन, संस्कृति और भारत में योगदान पर शोध कर सकता है। निष्कर्षों को लघु नाटकों, पोस्टरों, गीतों, चित्रों या प्रस्तुतियों के माध्यम

से रचनात्मक रूप से साझा किया जा सकता है। यह गतिविधि छात्रों को भारतीय समाज में विविधता, सहयोग और स्वीकृति के मूल्यों को समझने में मदद करेगी।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. अनेकता में एकता के लिए विश्व प्रसिद्ध है?
(अ) भारत (ब) तालिबान
(स) ब्रिटेन (द) पाकिस्तान

2. बेने इजराइल समुदाय सर्वप्रथम भारत में कहाँ आकर बसा था?
(अ) पूर्वी तट (ब) कोंकण तट
(स) कोरोमंडल तट
(द) काठियावाड़ तट

3. यहूदियों को कोची में निवास की अनुमति किसने दी थी?
(अ) रणजीत सिंह ने
(ब) दिग्विजय सिंह ने
(स) कोची के राजा ने
(द) मुगलों ने

4. यहूदियों के पूजा घर को कहते हैं–
(अ) मन्दिर (ब) मस्जिद
(स) गुरुद्वारा (द) आराधनालय

5. सीरीयाई ईसाई भारत में कहाँ आकर बसे थे?
(अ) उड़ीसा तट पर (ब) तमिलनाडु तट पर
(स) केरल तट पर (द) गुजरात तट पर

6. पारसी किसके अनुयायी हैं?
(अ) श्री राम (ब) गुरु नानक
(स) ईसा मसीह (द) जरथुस्ट्र

7. पारसी सर्वप्रथम किस राजा के दरबार में शरण माँगने पहुँचे थे?
(अ) राजा रवि वर्मा
(ब) राजा जड़ी राणा
(स) हर्षवर्धन (द) राणा सांगा

8. चेरामन मस्जिद कहाँ है?
(अ) गुजरात (ब) केरल
(स) कर्नाटक (द) गोवा

उत्तर– **1.** (अ), **2.** (ब), **3.** (स), **4.** (द), **5.** (स), **6.** (द), **7.** (ब), **8.** (ब)।

रिक्त स्थान पूर्ति

1. भारत .... में एकता का देश है।

2. बेजे इजराइल एक .... समुदाय है।

3. शिकागो धर्म सम्मेलन .... में हुआ था।

4. .... व्यापारी सातवीं शताब्दी में भारत आये थे।

5. बहाई धर्म का प्रारम्भ .... ने किया था।

उत्तर– **1.** विविधताओं, **2.** यहूदी, **3.** 1893, **4.** अरबी, **5.** बहाउल्लाह।

सत्य-असत्य कथन

1. भारत एकता में अनेकता की भूमि है।

2. भारत सर्वधर्म समभाव को दर्शाता है।

3. पारसियों को अरबी मुस्लिमों ने प्रताड़ित किया था।

4. अवेस्ता ईसाइयों का पवित्र ग्रंथ है।

5. हीराबाई लोबी को **2025** में पद्मश्री पुरुस्कार दिया गया था।

उत्तर– **1.** सत्य, **2.** सत्य, **3.** सत्य, **4.** असत्य, **5.** असत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1.	यहूदियों का भारत आगमन	(अ) **3-7**वीं शताब्दी
2.	सासानिड़ साम्राज्य	(ब) हाओमा
3.	सोम	(स) **7**वीं–**19**वीं शताब्दी
4.	अफ्रीकी लोगों का आगमन	(द) सिद्दी समुदाय की महिला
5.	हीराबाई लोबी	(य) **175** ई. पू.

उत्तर– **1.** (य), **2.** (अ), **3.** (ब), **4.** (स), **5.** (द)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. भारत को अनेकता में एकता का देश क्यों कहा जाता है?

उत्तर– क्योंकि यहाँ विभिन्न धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग मिल-जुलकर एक साथ रहते हैं।

2. बेने कौन है?

उत्तर– बेने इजराइल भारत का एक प्राचीन यहूदी समुदाय है जो मुख्य रूप से कोंकण क्षेत्र में बसा है।

3. स्वामी विवेकानंद ने भारत भूमि का परिचय कैसे दिया था?

उत्तर– उन्होंने भारत को सभी धर्मों की जननी और शरण देने वाली भूमि के रूप में विश्व के सामने रखा।

4. विधर्मी किसे कहा गया है?

उत्तर– ऐसी विचारधारा या व्यक्ति जो स्थापित धर्म या मुख्य मान्यताओं के विरुद्ध हो।

5. पारसी धर्म व भारतीय दर्शन से किस प्रकार साम्यता रखता है?

उत्तर– दोनों ही 'सत्य' (ऋत/अशा) और बुराई पर अच्छाई की जीत के दर्शन पर विश्वास रखते हैं।

6. अरबी व्यापारी भारत में कहाँ आकर बसे थे?

उत्तर– वे मुख्य रूप से केरल के मालाबार तट पर आकर बसे थे।

7. बहाई लोट्स मंदिर कहाँ स्थित है?

उत्तर– दिल्ली में।

8. तिब्बती आध्यात्मिक गुरु क्या कहलाते हैं?

उत्तर– दलाई लामा।

9. पारम्परिक स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियाँ कौन-सी हैं?

उत्तर– आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और सोवा-रिग्पा।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. कथन (A): भारतीय संस्कृति में सभी को समाहित करने की क्षमता है।

कारण (R): भारत में ईसाइयों, यहूदियों, पारसियों, मुस्लिमों, सिद्दियों को समान अवसर व आस्था के प्रयोजन उपलब्ध हैं।

उत्तर– (अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

2. कथन (A): सोवा रिग्पा एक तिब्बती चिकित्सा पद्धति है।

कारण (R): यह पद्धति मध्य भारत में अधिक प्रचलित है।

उत्तर– (स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें—

तिब्बत भारत का उत्तरी पड़ोसी है, जिस पर **1950** से **1959** के लगभग चीनी जनवादी गणराज्य ने अधिकार कर लिया है। सोवा रिग्पा एक तिब्बती चिकित्सा पद्धति है, जिसका भारत में प्रमुख केन्द्र हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में है। इनके आध्यात्मिक गुरु को दलाई लामा कहा जाता है।

1. भारत में तिब्बती चिकित्सा पद्धति का मुख्य केन्द्र कहाँ है?

(अ) गंगटोक (ब) धर्मशाला
(स) मनीला (द) शिमला

2. तिब्बत पर वर्तमान में किसका अधिकार है?

(अ) भारत (ब) चीन
(स) नेपाल (द) भूटान

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (ब)।

मानचित्र कार्य

भारत के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित भौगोलिक विशेषताओं को ढूँढ़ें और उन्हें चिह्नित करें—

1. धर्मशाला

2. केरल तट

3. गुजरात तट

4. बायलाकुले तिब्बती मठ वाला राज्य

उत्तर– **1.** यह हिमाचल राज्य में स्थित है।
2. इसे मालाबार तट भी कहते हैं और केरल राज्य के किनारे स्थित है।
3. यह भारत के पश्चिमी भाग में गुजरात राज्य का तटीय क्षेत्र है।
4. कर्नाटक राज्य

6 राज्य, सरकार और आप

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. **''हर लोकतंत्र एक गणतंत्र होता है।'' यह कथन सही है या गलत? समझाइए।**

उत्तर– यह कथन गलत है। लोकतंत्र एक प्रणाली है जिसमें लोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के माध्यम से अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं। गणतंत्र एक प्रणाली है जिसमें राज्य का मुखिया निर्वाचित होता है, वंशानुगत नहीं होता। कुछ लोकतंत्र, जैसे यूनाइटेड किंगडम, कनाडा और स्वीडन में राज्य का मुखिया एक राजा होता है, इसलिए वे गणतंत्र नहीं हैं। इसलिए, प्रत्येक गणतंत्र एक लोकतंत्र हो सकता है, प्रत्येक लोकतंत्र गणराज्य नहीं है।

प्रश्न 2. भारत में विकेंद्रीकरण महत्वपूर्ण क्यों है, इसके दो कारण बताइए।

उत्तर– (i) विकेंद्रीकरण स्थानीय समस्याओं को स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा हल करने की अनुमति देता है जो स्थानीय जरूरतों, परिस्थितियों और परंपराओं को बेहतर समझते हैं।

(ii) यह शासन में लोगों की भागीदारी बढ़ाता है और नेताओं को अधिक जवाबदेह बनाता है, क्योंकि वे लोगों के करीब होते हैं।

प्रश्न 3. **कल्पना कीजिए कि आप अपने स्कूल के छात्र परिषद का हिस्सा हैं। परिषद एक लघु-संसद की तरह काम करती है।**

(i) इस संदर्भ में, क्या आपको लगता है कि सभी निर्णय केवल परिषद् अध्यक्ष द्वारा लेना बेहतर होगा या सभी सदस्यों के बीच शक्ति का बँटवारा होना चाहिए?

उत्तर– बेहतर होगा कि शक्ति छात्र परिषद के सभी सदस्यों के बीच साझा की जाए। साझा निर्णय लेने से यह सुनिश्चित होता है कि विभिन्न विचार सुने जाते हैं और निर्णय अधिक निष्पक्ष होते हैं। यह एक व्यक्ति द्वारा शक्ति के दुरुपयोग को रोकता है और सहयोग तथा जिम्मेदारी को बढ़ावा देता है।

(ii) क्या छात्र परिषद के पास आपके द्वारा खाए जाने वाले भोजन या आपके द्वारा बोली जाने वाली भाषा के बारे में नियम बनाने का अधिकार होना चाहिए?

उत्तर– छात्र परिषद के पास भोजन या बोली जाने वाली भाषा जैसे व्यक्तिगत विकल्पों को नियंत्रित करने की शक्ति नहीं होनी चाहिए। ऐसे मामले व्यक्तिगत स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अधिकारों से संबंधित हैं। नियम उन मुद्दों तक सीमित होने चाहिए जो स्कूल अनुशासन और सामूहिक भलाई को प्रभावित करते हैं।

(iii) अगर छात्र परिषद आपके स्कूल की सबसे शक्तिशाली संस्था है और कोई भी उसके फैसलों पर सवाल नहीं उठाता है, तो क्या गलत हो सकता है?

उत्तर– छात्र परिषद अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर सकती है और अनुचित नियम बना सकती है। अल्पमत की राय को नजरअंदाज किया जा सकता है। निर्णय छात्रों के अधिकारों और हितों को नुकसान पहुँचा सकते हैं। जाँच के अभाव से सत्तावादी व्यवहार हो सकता है।

प्रश्न 4. भारत के लोकतंत्र के संदर्भ में इन वास्तविक जीवन की स्थितियों पर विचार करें–

(i) क्या संसद देश की सबसे शक्तिशाली संस्था होनी चाहिए? क्यों या क्यों नहीं?

उत्तर– संसद देश की सबसे शक्तिशाली संस्था होनी चाहिए, लेकिन बिना सीमा के सबसे शक्तिशाली नहीं। उसे संविधान द्वारा निर्धारित सीमाओं के भीतर कार्य करना चाहिए। शक्ति के दुरुपयोग की जाँच करने के लिए न्यायपालिका जैसी अन्य संस्थाओं की आवश्यकता होती है।

(ii) क्या संसद के पास कोई भी कानून बनाने की शक्ति होनी चाहिए, चाहे वह आपके अधिकारों को प्रभावित करता हो?

उत्तर– संसद को अपनी मर्जी से कोई भी कानून बनाने का अधिकार नहीं होना चाहिए। कानूनों को संविधान द्वारा गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अधिकारों की रक्षा करना आवश्यक है।

(iii) यदि कानून बनाने की कोई सीमा न हो तो क्या गलत हो सकता है? क्या इससे अनुचित या अन्यायपूर्ण कानून बन सकते हैं?

उत्तर– असीमित कानून निर्माण से ऐसे कानून बन सकते हैं जो अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों को नुकसान पहुँचाते हैं। व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनुचित रूप से प्रतिबंधित किया जा सकता है। इसके परिणामस्वरूप शक्ति का दुरुपयोग और अन्याय हो सकता है।

(iv) भारत में कौन अधिक शक्तिशाली है, संसद या सर्वोच्च न्यायालय? अपने कारण दें।

उत्तर– न तो संसद और न ही सर्वोच्च न्यायालय एक दूसरे से पूरी तरह अधिक शक्तिशाली हैं। संसद कानून बनाती है, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय इन कानूनों की समीक्षा कर सकता है। सर्वोच्च न्यायालय उन कानूनों को रद्द कर सकता है जो संविधान का उल्लंघन करते हैं। शक्ति का यह संतुलन सुनिश्चित करता है कि कोई भी संस्था बहुत अधिक शक्तिशाली न हो जाए।

प्रश्न **5. अपने माता-पिता/अभिभावकों से पूछें कि पिछले वर्ष के दौरान उन्होंने सरकार के साथ कैसे जुड़ाव रखा, एक सूची बनाएँ और उन वस्तुओं को वर्गीकृत करें जिनके आधार पर उन्हें किस स्तर की सरकार के साथ काम करना पड़ा तथा उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?**

उत्तर– (i) उन्होंने अनियमित कचरा संग्रहण की शिकायत करने के लिए नगर निगम कार्यालय का दौरा किया, जिसमें स्थानीय सरकार शामिल थी।

(ii) उन्होंने तहसील कार्यालय में आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया, जो राज्य सरकार के अंतर्गत आता है।

(iii) उन्होंने सरकारी अस्पताल सेवाओं का उपयोग किया, जो केंद्रीय योजनाओं के समर्थन से राज्य सरकार द्वारा प्रबंधित हैं।

(iv) उन्होंने केंद्र सरकार की एक कल्याणकारी योजना का विवरण जाँचने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल का उपयोग किया।

मेरे अभिभावकों के सामने मुख्य चुनौतियों में समस्या समाधान के लिए लंबा इंतजार, स्पष्ट जानकारी की कमी और प्रक्रिया की जटिलता जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. राज्य है–
(अ) एक सीमित भौगोलिक क्षेत्र
(ब) स्थायी जनसंख्या का क्षेत्र
(स) एक सम्प्रभुता वाला क्षेत्र
(द) ये सभी

2. सरकार के कार्य हैं–
(अ) नियम बनाना
(ब) विवाद सुलझाना
(स) कानून लागू करना (द) ये सभी

3. भारतीय सरकार है–
(अ) कुलीन तंत्र (ब) राजतंत्र
(स) लोकतांत्रिक (द) तानाशाही

4. डोंगरिया कोंध जनजाति सम्बन्धित है–
(अ) राजस्थान से (ब) उड़ीसा से
(स) मध्य प्रदेश से (द) गुजरात से

5. अर्थशास्त्र के लेखक हैं–
(अ) कौटिल्य (ब) नागार्जुन
(स) वराहमिहिर (द) आर्यभट्ट

6. कानून बनाने का कार्य करती है–
(अ) कार्यपालिका (ब) न्यायपालिका
(स) विधायिका (द) ये सभी

7. भारतीय नौकरशाही में सर्वोत्तम है–
(अ) भारतीय विदेश सेवा
(ब) भारतीय प्रशासनिक सेवा
(स) भारतीय पुलिस सेवा
(द) भारतीय राजस्व सेवा

8. विवादों का निपटान करने का कार्य करती है–
(अ) विधायिका (ब) न्यायपालिका
(स) कार्यपालिका (द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– **1.** (द), **2.** (द), **3.** (स), **4.** (ब), **5.** (अ), **6.** (स), **7.** (ब), **8.** (ब)।

रिक्त स्थान पूर्ति

1. सरकार के .... प्रमुख कार्य होते हैं।
2. राज्य को सरकार दोनों .... हैं।
3. .... राज्य का एक अनिवार्य लक्षण है।
4. भारत एक लोकतांत्रिक .... है।
5. न्यायपालिका कानून के शासन की .... करती है।

उत्तर– **1.** तीन, **2.** अलग-अलग, **3.** सम्प्रभुता, **4.** राज्य, **5.** रक्षा।

सत्य-असत्य कथन

1. राज्य एक राजनैतिक संगठन है।
2. सरकार राज्य से ऊपर होती है।
3. भारत में ब्रिटिश शासन 5 शताब्दी तक रहा था।
4. कनाडा एक गणतंत्र है।
5. साइलेन्ट वैली केरल में है।

उत्तर– **1.** सत्य, **2.** असत्य, **3.** असत्य, **4.** असत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1.	लोकतंत्र	(अ) तालिबान
2.	राजतंत्र	(ब) लोगों का शासन
3.	तानाशाह	(स) आरटीआई
4.	सूचना का अधिकार	(द) ब्रिटेन
5.	लोकसभा	(य) निम्न सदन

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (द), **3.** (अ), **4.** (स), **5.** (य)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सरकार से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– सरकार वह संस्था या निकाय है जो किसी राज्य या देश पर शासन करती है।

● कानून बनाती है। ● कानूनों को लागू करती है। ● विवादों का निपटारा करती है। ● जनता के कल्याण के लिए नीतियाँ बनाती है।

2. राज्य के प्रमुख लक्षण कौन से हैं?

उत्तर– राज्य के चार प्रमुख लक्षण हैं–

● जनसंख्या– एक निश्चित संख्या में लोग।

● निश्चित भूभाग–सीमित भौगोलिक क्षेत्र।

● सरकार–शासन करने वाली संस्था।

● सम्प्रभुता– आंतरिक और बाह्य मामलों में पूर्ण स्वतंत्रता।

3. सम्प्रभुता क्या है?

उत्तर– सम्प्रभुता राज्य का सबसे महत्वपूर्ण लक्षण है। इसका अर्थ है–

● राज्य अपने आंतरिक मामलों में पूर्णत: स्वतंत्र है।

● राज्य किसी बाहरी शक्ति के अधीन नहीं है।

● राज्य को कानून बनाने और लागू करने का सर्वोच्च अधिकार है।

भारत एक सम्प्रभु राष्ट्र है।

4. सरकार के प्रमुख स्तर कौन से हैं?

उत्तर– भारत में सरकार के तीन प्रमुख स्तर हैं–

1. केंद्र सरकार– पूरे देश के लिए।

2. राज्य सरकार– प्रत्येक राज्य के लिए।

3. स्थानीय सरकार– जिला, नगर निगम, पंचायत स्तर पर।

5. विधायिका क्या है तथा इसका कार्य क्या है?

उत्तर– विधायिका सरकार का वह अंग है जो कानून बनाने का कार्य करती है।

मुख्य कार्य–

● नए कानूनों का निर्माण करना।

● मौजूदा कानूनों में संशोधन करना।

● सरकार के कार्यों पर नियंत्रण रखना।

● बजट पारित करना।

भारत में विधायिका : संसद (लोकसभा + राज्यसभा)

6. नौकरशाही के प्रमुख कार्य कौन से हैं?

उत्तर– नौकरशाही सरकार के स्थायी अधिकारियों का समूह है (IAS, IPS, IFS आदि)।

प्रमुख कार्य–

● सरकार की नीतियों और योजनाओं का क्रियान्वयन।

● प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखना।

● सरकार को नीति-निर्माण में सलाह देना।

● कानूनों का पालन सुनिश्चित करना।

● चुनाव बदलने पर भी ये नहीं बदलते (स्थायी होते हैं)।

7. न्यायपालिका के प्रमुख कार्य कौन से हैं?

उत्तर– न्यायपालिका सरकार का वह अंग है जो न्याय प्रदान करती है।

प्रमुख कार्य–

● विवादों का निपटारा करना।

● कानूनों की व्याख्या करना।

● मौलिक अधिकारों का संरक्षण करना।

● न्यायिक समीक्षा (कानूनों की संवैधानिकता की जाँच)

● अपराधियों को दंड देना।

भारत में न्यायपालिका: सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, जिला अदालतें।

8. विकेन्द्रीकरण क्या है?

उत्तर– विकेंद्रीकरण सरकार के विभिन्न स्तरों के बीच शक्ति और निर्णय लेने का वितरण है, ताकि स्थानीय मुद्दों को स्थानीय स्तर पर हल किया जा सके।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A):** सरकार राज्य को संचालित करने का कार्य करती है।

कारण (R): राज्य लोकतांत्रिक, गणतंत्र, कुलीनतंत्र, राजतंत्रात्मक होते हैं।

उत्तर– (ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

2. **कथन (A):** विकेन्द्रीकरण किसी भी राज्य/राष्ट्र/संगठन के लिए लाभदायक होता है।

कारण (R): इससे शक्ति का सभी में विभाजन होने से किसी एक के प्रबल होने की सम्भावना समाप्त हो जाती है।

उत्तर– (अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

"स्थायी कार्यपालिका में सभी सरकारी अधिकारी शामिल होते हैं जो निर्वाचित नहीं होते अपितु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित किये जाते हैं। इनको नौकरशाह भी कहा जाता है। इनको प्रत्येक चुनाव के बाद हटाया नहीं जाता है। इनके द्वारा कानूनों व सरकारी कार्यक्रमों तथा योजनाओं के कार्यान्वयन का कार्य किया जाता है।"

1. सरकारी अधिकारी होते हैं?

(अ) नेता (ब) मंत्री
(स) नौकरशाह (द) ये सभी

2. नौकरशाहों का कार्य है?

(अ) चुनाव कराना
(ब) प्रशासनिक व्यवस्था बनाये रखना
(स) कानूनों को लागू करना
(द) ये सभी

उत्तर– **1.** (स), **2.** (द)

मानचित्र कार्य

निम्न को विश्व के रूपरेखा मानचित्र में प्रदर्शित कीजिए–

1. साइलेंन्ट वैली (शांत घाटी)
2. संयुक्त राज्य अमेरिका
3. कनाडा
4. ब्रिटेन
5. डोंगरिया पहाड़ी

उत्तर– **1.** केरल (भारत), **2.** उत्तरी अमेरिका महाद्वीप में स्थित देश, **3.** उत्तरी अमेरिका महाद्वीप में स्थित देश, **4.** यूरोप महाद्वीप में स्थित देश, **5.** ओडिशा (भारत)।

7 अवसंरचना : भारत के विकास का इंजन

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. आपके क्षेत्र में पिछले दशक के दौरान किस प्रकार के भौतिक बुनियादी ढाँचे का निर्माण किया गया है? आपको क्या लगता है कि इससे आपको या आपके परिवार के सदस्यों को कुछ लाभ हुआ है? यदि आप समुदाय के लिए कुछ बना सकते हैं, तो वह क्या होगा?

उत्तर– पिछले दशक में हमारे क्षेत्र में बेहतर सड़कों और बेहतर मोबाइल नेटवर्क जैसी भौतिक अवसंरचनाओं का विकास किया गया है। इन्होंने यात्रा के समय को कम किया है, स्कूलों, अस्पतालों और बाजारों तक पहुँच में सुधार किया है और परिवार के सदस्यों के लिए संचार को आसान बनाया है। यदि मैं समुदाय के लिए कुछ बना सकता, तो मैं एक सुसज्जित सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र या डिजिटल सुविधाओं वाला एक सामुदायिक पुस्तकालय बनाता।

प्रश्न 2. बंदरगाहों, राजमार्गों और हवाई अड्डों जैसी बुनियादी सुविधाएँ देश के विभिन्न हिस्सों में रोजगार कैसे पैदा करती हैं? क्या आप अप्रत्यक्ष तरीकों के बारे में सोच सकते हैं, जिनसे लोग लाभान्वित होते हैं?

उत्तर– बंदरगाह, राजमार्ग और हवाई अड्डे निर्माण श्रमिक, इंजीनियर, ड्राइवर, पायलट, ग्राउंड स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों जैसे प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करते हैं। वे होटल, रेस्तराँ, परिवहन सेवाओं, गोदामों, दुकानों और पर्यटन में अप्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा करते हैं। स्थानीय किसानों, व्यापारियों और छोटे व्यवसायों को लाभ होता है क्योंकि उनका माल व्यापक बाजारों तक पहुँचता है, जिससे आय के अवसर बढ़ते हैं।

प्रश्न 3. सड़कों या हवाई अड्डों जैसे नए बुनियादी ढाँचे का निर्माण करते समय पर्यावरण के बारे में सोचना क्यों महत्वपूर्ण है? क्या बुनियादी ढाँचे का विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चल सकते हैं? यदि हाँ, तो कैसे?

उत्तर– प्रदूषण को कम करने और जंगलों, जल निकायों और वन्यजीवों को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए पर्यावरण की रक्षा करना महत्वपूर्ण है। अवसंरचना ढाँचे का विकास और पर्यावरण संरक्षण पर्यावरण के अनुकूल सामग्री का उपयोग करके, हरित हवाई अड्डे और सड़कें बनाकर, पेड़ लगाकर, नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके, उचित अपशिष्ट प्रबंधन और जैव विविधता को नुकसान कम करने के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाकर एक साथ चल सकते हैं।

प्रश्न 4. बाढ़ या भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बेहतर बुनियादी ढाँचा (जैसे सड़कें, हवाई अड्डे, संचार प्रणाली) कैसे मदद कर सकता है?

उत्तर– बाढ़ या भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बेहतर सड़कें और हवाई अड्डे बचाव दलों, राहत सामग्री और चिकित्सा सहायता को प्रभावित क्षेत्रों तक जल्दी पहुँचने में मदद करते हैं। संचार प्रणालियाँ प्रारंभिक चेतावनी, आपातकालीन अलर्ट और अधिकारियों के बीच समन्वय की अनुमति देती हैं। मजबूत बुनियादी ढाँचा नुकसान को कम करता है और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान तेजी से निकासी, बचाव और बहाली में मदद करता है।

प्रश्न 5. क्या आपने कभी देखा है कि लोग सार्वजनिक स्थानों का दुरुपयोग करते हैं, जैसे कि दीवारों पर लिखना, स्ट्रीट लाइट तोड़ना या बेंच को नुकसान पहुँचाना? इसके क्या परिणाम होते हैं? अपने अवलोकन लिखें और इसे रोकने के लिए समाधान सुझाएँ।

उत्तर– हाँ, मैंने सार्वजनिक स्थानों का दुरुपयोग अक्सर कूड़ा फैलाने, दीवारों पर लिखने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने के रूप में देखा है। इससे स्वच्छता कम होती है, मरम्मत की लागत बढ़ती है और सार्वजनिक स्थान असुरक्षित और अप्रिय हो जाते हैं। समाधानों में जागरूकता फैलाना, जुर्माना लगाना, रखरखाव में समुदायों को शामिल करना और कम उम्र से ही नागरिक जिम्मेदारी सिखाना शामिल हैं।

प्रश्न 6. निम्नलिखित स्थितियों के लिए 'पोस्टर' तैयार करें–

- **एक क्षेत्र में एक नए कारखाने की योजना बनाई गई है। इसके सुचारु संचालन के लिए किस प्रकार के बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता है?**

उत्तर– एक क्षेत्र में एक नई फैक्ट्री स्थापित करने के लिए कच्चे माल और माल के परिवहन के लिए सड़कें, रेलवे या बंदरगाह, विश्वसनीय बिजली और पानी की आपूर्ति, संचार नेटवर्क, अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली और श्रमिकों के लिए आवास सुविधाओं की आवश्यकता होगी।

● **स्व-सफाई वाली सड़कें, भूमिगत राजमार्ग और उच्च गति वाली बुलेट ट्रेनें भविष्य के शहरों का हिस्सा हो सकती हैं। कल्पना कीजिए कि भविष्य में किस तरह के बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता होगी, जो आपके शहर, कस्बे या गाँव में विभिन्न दैनिक कार्यों के लिए लोगों और समुदायों के जीवन को आसान बनाने में मदद कर सकती है।**

उत्तर– उन्नत परिवहन प्रणाली, स्मार्ट सेंसर, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत, स्वचालित अपशिष्ट प्रणाली, उच्च गति रेल नेटवर्क, मजबूत डिजिटल संचार बुनियादी ढाँचा और स्मार्ट यातायात प्रबंधन की आवश्यकता होगी।

● **अपने क्षेत्र के इलाके, यथा तटीय, पहाड़ी, मैदानी इलाकों को ध्यान में रखकर आपके क्षेत्र में किस प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं का खतरा है, इस पर विचार करते हुए अपने आस-पास के बुनियादी ढाँचे के उन्नयन के बारे में सोचें।**

उत्तर– तटीय क्षेत्रों को मजबूत बंदरगाहों, तटबंधों और चक्रवात आश्रयों की आवश्यकता होती है। पहाड़ी क्षेत्रों में सुरंगों, पुलों और भूस्खलन-रोधी सड़कों की आवश्यकता होती है। बाढ़ प्रवण मैदानी इलाकों में उचित जल निकासी और ऊँची सड़कों की आवश्यकता होती है।

● **यदि आप एक नया रेलवे या मेट्रो स्टेशन डिजाइन कर सकते हैं, तो यह कैसा दिखेगा और आप यात्रियों के लिए इसे और अधिक रुचिकर और आरामदायक बनाने के लिए क्या सुविधाएँ जोड़ेंगे?**

उत्तर– स्टेशन विशाल, स्वच्छ और बाधा मुक्त होगा, जिसमें लिफ्ट, एस्केलेटर, डिजिटल सूचना बोर्ड, सौर पैनल, वर्षा जल संचयन, बैठने की जगह, पीने का पानी, स्वच्छ शौचालय और हरित क्षेत्र होंगे।

प्रश्न 7. आज के आधुनिक बुनियादी ढाँचे के लिए निरंतर तकनीकी नवाचारों की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, लोगों द्वारा डीजल या पेट्रोल जैसे प्रदूषणकारी ईंधन के सस्ते विकल्प के रूप में इलेक्ट्रिक वाहनों का तेजी से उपयोग किया जा रहा है। बुनियादी ढाँचे के अन्य नवाचारों के बारे में पता करें जो समुदायों के लिए जीवन की सुगमता या गतिशीलता में सुधार कर सकते हैं।

उत्तर– तकनीकी नवाचारों में स्मार्ट ट्रैफिक लाइट, इलेक्ट्रिक बसें, सौर ऊर्जा से चलने वाली स्ट्रीट लाइटें, नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने वाली मेट्रो प्रणाली, वर्षा जल संचयन, हरित भवन, उन्नत परिवहन प्रणाली और डिजिटल भुगतान-आधारित सार्वजनिक सेवाएँ शामिल हैं, जो सभी गतिशीलता और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करते हैं।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. भौतिक अवसंरचना का भाग है–
(अ) सड़कें (ब) रेलवे
(स) पुल (द) ये सभी

2. भाखड़ा नांगल बाँध स्थित है–
(अ) राजस्थान में
(ब) मध्य प्रदेश में
(स) हिमाचल प्रदेश में (द) हरियाणा में

3. सड़क जाल की दृष्टि से भारत का विश्व में कौनसा स्थान है–
(अ) प्रथम (ब) दूसरा
(स) तीसरा (द) पाँचवाँ

4. भारत का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग कौनसा है?
(अ) एन. एच. 12 (ब) एन. एच. 15
(स) एन. एच. 44 (द) एन. एच. 72

5. भारत में रेलवे का प्रारम्भ हुआ था–
(अ) 1853 में (ब) 1857 में
(स) 1912 में (द) 1919 में

6. भारत रेल परिवहन जाल की दृष्टि से विश्व में कौनसा स्थान रखता है?
(अ) प्रथम (ब) चतुर्थ
(स) सातवाँ (द) आठवाँ

7. भारत के कितने शहरों में मेट्रो संचालित हो रही है?
(अ) 12 (ब) 15
(स) 17 (द) 23

8. 2025 के अनुसार भारत में कुल कितने हवाई पत्तन थे?
(अ) 25 (ब) 75
(स) 159 (द) 216

उत्तर– **1.** (द), **2.** (स), **3.** (ब), **4.** (स), **5.** (अ), **6.** (ब), **7.** (द), **8.** (स)।

रिक्त स्थान पूर्ति

1. .... अवसंरचना हमारे देश की रीढ़ है।

2. विश्व में सड़क परिवहन की दृष्टि से .... प्रथम स्थान रखता है।

3. भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई .... किमी. है।

4. वायु परिवहन, परिवहन का .... माध्यम है।

5. मार्कोनी ने .... में नोबेल पुरुस्कार जीता था।

उत्तर– **1.** भौतिक, **2.** अमेरिका, **3.** 1,50,000, **4.** तीव्र, **5.** 1909।

सत्य-असत्य कथन

1. अवसंरचनाएँ भारतीय विकास का आधार हैं।

2. वर्तमान में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 7 भारत का सबसे लम्बा राजमार्ग है।

3. भारत में ब्रिटिश लोगों ने रेल परिवहन प्रारम्भ किया था।

4. वंदे भारत एक डीजल संचालित ट्रेन है।

5. भारत वायु परिवहन की दृष्टि से विश्व में तीसरा स्थान रखता है।

उत्तर– **1.** सत्य, **2.** असत्य, **3.** सत्य, **4.** असत्य, **5.** सत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'		स्तम्भ 'ब'
1.	रेलमार्ग	(अ)	ऊर्जा अवसंरचना
2.	सौर पार्क	(ब)	भारत का सबसे लम्बा सामुद्रिक पुल
3.	अटल सेतु	(स)	भौतिक संरचना
4.	भड़ला पार्क	(द)	जयपुर
5.	सांगानेर हवाई अड्डा	(य)	राजस्थान

उत्तर– **1.** (स), **2.** (अ), **3.** (ब), **4.** (य), **5.** (द),

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. भौतिक अवसंरचनाओं से क्या तात्पर्य है?

उत्तर– भौतिक अवसंरचनाओं से तात्पर्य किसी समाज के सुचारु रूप से कार्य करने के लिए आवश्यक तकनीकी संरचनाओं से है।

2. विश्व का सबसे ऊँचा रेलवे पुल कहाँ है?

उत्तर– विश्व का सबसे ऊँचा रेलवे पुल भारत के जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर स्थित है।

3. द्रुतमार्ग किसे कहते हैं?

उत्तर– द्रुतमार्ग उच्च गति वाले 6 या 8 लेन के नियंत्रित-प्रवेश राजमार्ग होते हैं, जो मुख्य रूप से लंबी दूरी की तेज और सुरक्षित यात्रा के लिए डिजाइन किए जाते हैं।

4. स्वर्णिम चतुर्भुज किसको जोड़ता है?

उत्तर– स्वर्णिम चतुर्भुज भारत के चार प्रमुख महानगरों – दिल्ली (उत्तर), मुंबई (पश्चिम), चेन्नई (दक्षिण) और कोलकाता (पूर्व) को जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग है।

5. वायु परिवहन क्यों उपयोगी है?

उत्तर– वायु परिवहन दुर्गम क्षेत्रों तक पहुँचने, आपातकालीन सेवाओं, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने और नाशवान वस्तुओं के तीव्र परिवहन के लिए अत्यंत उपयोगी और आवश्यक है।

6. भारतीय समुद्र तटरेखा की लम्बाई कितनी है?

उत्तर– भारतीय समुद्र तटरेखा की लम्बाई 11,100 किमी. है।

7. भारत के मुख्य पत्तनों की संख्या कितनी है?

उत्तर– भारत के मुख्य पत्तनों की संख्या 13 है।

8. ई. कॉमर्स से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– ई-कॉमर्स का अर्थ-इंटरनेट के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद-बिक्री करना है।

9. जे. सी. बोस ने किसका आविष्कार किया था?

उत्तर– जे. सी. बोस ने वायरलैस ट्रांसमिशन का आविष्कार किया था।

10. प्रदूषण रोकने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

उत्तर– प्रदूषण रोकने के लिए हमें अधिक-से-अधिक पेड़ लगाने, निजी वाहनों की जगह सार्वजनिक परिवहन (बस, मेट्रो) या साइकिल का उपयोग करने, प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करने और बिजली बचाने की आवश्यकता है।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं, जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A):** भौतिक, ऊर्जा व मूलभूत अवसंरचनाएँ विकास का आधार होती हैं।

कारण (R): सड़कें, पुल, रेलमार्ग, सौरपार्क, पवन चक्की, विद्युत अवसंरचनाओं के प्रकार हैं।

उत्तर– (अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

2. **कथन (A):** वायु परिवहन सबसे उपयोगी परिवहन माध्यम है।

कारण (R): यह सबसे तीव्रतम भौतिक व जलवायु विषमता वाले क्षेत्रों में पहुँच सुनिश्चित करता है।

उत्तर– (अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

भारत की तटीय स्थिति इसे विश्व के साथ संयोजित करने का कार्य करती है। भारत के पूर्वी तट पर कोलकाता, हल्दिया, पाराद्वीप, विशाखापट्टनम, चेन्नई, तूतीकोरन पत्तन हैं, जबकि पश्चिमी तट पर कांडला, मुम्बई, मार्मागाओ, न्यू मैंगलोर व कोची पत्तन स्थित हैं। ये पत्तन भारतीय व्यापार को बढ़ावा देते हैं।

1. पूर्वी तट पर स्थित बंदरगाह नहीं है?

(अ) हल्दिया (ब) चेन्नई
(स) कांडला (द) एन्नोर

2. कांडला बंदरगाह का सम्बन्ध किस राज्य से है?

(अ) गुजरात (ब) तमिलनाडु
(स) उड़ीसा (द) केरल

उत्तर– **1.** (स), **2.** (अ)।

मानचित्र कार्य

भारत के रेखा मानचित्र पर, निम्नलिखित भौगोलिक विशेषताओं को ढूँढ़ें और उन्हें चिह्नित करें–

1. विशाखापट्टनम बंदरगाह

2. छत्रपति शिवाजी हवाई अड्डा

3. राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या **44**

4. मध्य रेलवे का मुख्यालय

उत्तर– **1.** आंध्र प्रदेश, **2.** मुंबई, महाराष्ट्र, **3.** श्रीनगर से कन्याकुमारी, **4.** छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस।

8 बैंक और वित्त का जादू

पाठ्यपुस्तक अभ्यास

प्रश्न 1. वित्तीय अवसंरचना क्या है? यह भौतिक अवसंरचना की पूरक कैसे है?

उत्तर– वित्तीय अवसंरचना बैंकों, भुगतान प्रणालियों, शेयर बाजारों और अन्य वित्तीय संस्थानों की प्रणाली को संदर्भित करती है, जो लोगों, व्यवसायों और सरकार को धन का प्रबंधन करने और वित्तीय लेनदेन करने में मदद करती है। यह उनके निर्माण, रखरखाव और उपयोग के लिए आवश्यक धन प्रदान करके सड़कों, रेलवे और संचार नेटवर्क जैसी भौतिक अवसंरचना की पूर्ति करती है। जहाँ भौतिक अवसंरचना वस्तुओं और लोगों के

आवागमन को सुगम बनाती है, वहीं वित्तीय अवसंरचना धन के सुचारु प्रवाह को सुगम बनाती है जो आर्थिक गतिविधियों का समर्थन करती है।

प्रश्न 2. बैंक खाता होने से लोगों को क्या लाभ मिलता है? क्या सभी के लिए बैंक खाता होना आवश्यक होना चाहिए?

उत्तर– बैंक खाता होने से लोगों को अपना पैसा सुरक्षित रखने, बचत पर ब्याज कमाने, आसानी से पैसे ट्रांसफर करने और ऋण, डेबिट कार्ड और डिजिटल भुगतान जैसी सेवाओं तक पहुँच प्राप्त करने में मदद मिलती है। यह लोगों को सीधे मजदूरी, पेंशन और सरकारी लाभ प्राप्त करने की भी अनुमति देता है। सभी को बैंक खाता रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, क्योंकि यह वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देता है, नकदी पर निर्भरता कम करता है और लोगों को पैसे का बेहतर प्रबंधन करने में मदद करता है।

प्रश्न 3. बचतकर्ताओं और उधारकर्ताओं के लिए चक्रवृद्धि ब्याज के संभावित लाभ और हानियाँ क्या हो सकती हैं?

उत्तर– बचतकर्ताओं के लिए, चक्रवृद्धि ब्याज फायदेमंद है क्योंकि उनका पैसा तेजी से बढ़ता है। इसमें ब्याज मूल राशि और पिछले ब्याज दोनों पर अर्जित होता है। समय के साथ, छोटी बचत भी बड़ी राशि में बढ़ सकती है। उधारकर्ताओं के लिए, चक्रवृद्धि ब्याज हानिकारक हो सकता है क्योंकि यदि ब्याज बार-बार जोड़ा जाता है तो ऋण राशि बढ़ जाती है, जिससे यदि ऋण समय पर नहीं चुकाए जाते हैं तो पुनर्भुगतान अधिक महँगा हो जाता है।

प्रश्न 4. वित्तीय अवसंरचना परिवारों और व्यवसायों के बीच धन के प्रवाह को कैसे सक्षम बनाती है? क्या आप बता सकते हैं कि सरकार इस प्रवाह को सुगम बनाने में कैसे मदद करती है?

उत्तर– वित्तीय अवसंरचना परिवारों को बैंकों में पैसे बचाने में सक्षम बनाती है, जिसे फिर निवेश और उत्पादन के लिए व्यवसायों को उधार दिया जाता है। व्यवसाय मजदूरी, लाभ और रिटर्न परिवारों को वापस भुगतान करते हैं। सरकार बैंकिंग सेवाओं को बढ़ावा देकर, डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करके, जन-धन योजना जैसी योजनाओं की पेशकश करके और भारतीय रिजर्व बैंक जैसी संस्थाओं के माध्यम से बैंकों को विनियमित करके इस प्रवाह को सुगम बनाती है।

प्रश्न 5. बचत खाते की तुलना में सावधि जमा पर ब्याज दर अधिक होने का क्या कारण हो सकता है?

उत्तर– सावधि जमा पर अधिक ब्याज मिलता है क्योंकि पैसा एक निश्चित अवधि के लिए रहता है और आसानी से निकाला नहीं जा सकता। यह बैंकों को पैसे का उपयोग लंबी अवधि के उधार और निवेश के लिए करने की अनुमति देता है। इसके विपरीत, बचत खाते बार-बार निकासी की अनुमति देते हैं, इसलिए बैंक उन पर कम ब्याज देते हैं।

प्रश्न 6. साहिल को एक पोस्टर-निर्माण प्रतियोगिता में पुरस्कार के रूप में ₹ 10,000 मिले। उसके पिता ने उसे प्रतिवर्ष 12 प्रतिशत ब्याज देने का वादा किया। यदि वह राशि खर्च नहीं करता है तो 3 साल बाद, साहिल के पास कितना पैसा होगा?

उत्तर– पहले वर्ष के बाद राशि = ₹ 10,000 + ₹ 10,000 का 12% = ₹ 10,000 + ₹ 1,200 = ₹ 11,200।

दूसरे वर्ष के बाद राशि = ₹ 11,200 + ₹ 11,200 का 12% = ₹ 11,200 + ₹ 1,344 = ₹ 12,544।

तीसरे वर्ष के बाद राशि = ₹ 12,544 + ₹ 12,544 का 12% = ₹ 12,544 + ₹ 1,505.28 = ₹ 14,049.28।

अतः, 3 वर्षों के बाद, साहिल के पास ₹ 14,049.28 होंगे।

प्रश्न 7. शेयर बाजार व्यक्तियों की बचत को जुटाने में कैसे मदद करता है? कंपनियों को लोगों को शेयर जारी करने से किस प्रकार लाभ होता है?

उत्तर– शेयर बाजार व्यक्तियों को कंपनियों के शेयर खरीदकर अपनी बचत का निवेश करने की अनुमति देता है। यह घरेलू बचत को उत्पादक व्यावसायिक गतिविधियों में प्रवाहित करता है। कंपनियों को ऋण लिए बिना विस्तार, मशीनरी और संचालन के लिए धन जुटाने से लाभ होता है। शेयर जारी करना जोखिम को भी फैलाता है और कंपनियों को दीर्घकालिक पूँजी प्रदान करता है।

प्रश्न 8. हम डिजिटल भुगतान की सुविधा के साथ साइबर धोखाधड़ी के जोखिम को कैसे संतुलित कर सकते हैं?

उत्तर– हम डिजिटल बैंकिंग नियमों का पालन करके सुविधा और सुरक्षा को संतुलित कर सकते हैं, जैसे ओटीपी, पिन या पासवर्ड साझा न करना, संदिग्ध लिंक और कॉल से बचना, सुरक्षित ऐप का उपयोग

करना और तुरंत धोखाधड़ी की रिपोर्ट करना। डिजिटल भुगतान प्रणालियों के प्रति जागरूकता और सावधानीपूर्वक उपयोग साइबर धोखाधड़ी के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

प्रश्न 9. अपने परिवार के सदस्यों या पड़ोसियों से पूछें-

- **वे पैसे कैसे बचाते हैं?**
- **क्या वे यूपीआई, एटीएम या चेक का उपयोग करते हैं।**
- **वे किस प्रकार का लेनदेन यूपीआई के माध्यम से करते हैं?**
- **क्या वे यूपीआई को नकदी का उपयोग करने से बेहतर पाते हैं या नहीं, और क्यों?**
- **क्या उन्होंने या उनके परिचित ने बैंक विवरण माँगने वाले नकली कॉल या संदेश के माध्यम से डिजिटल धोखाधड़ी का अनुभव किया है?**
- **जब उन्हें एहसास हुआ कि यह एक घोटाला था, तो उन्होंने क्या किया और उस अनुभव से उन्होंने क्या सीखा?**
- **अपने निष्कर्षों को एक तालिका या संक्षिप्त प्रतिवेदन में सारांशित करें।**

उत्तर– (i) परिवार के सदस्य मुख्य रूप से बैंक बचत खातों, सावधि जमा और डाकघर योजनाओं के माध्यम से पैसे बचाते हैं। (ii) उनमें से अधिकांश दैनिक लेनदेन जैसे खरीदारी, बिल भुगतान और धन हस्तांतरण के लिए यूपीआई और एटीएम का उपयोग करते हैं और यूपीआई को नकदी की तुलना में तेज और अधिक सुविधाजनक पाते हैं। (iii) कुछ ने ओटीपी माँगने वाले नकली कॉल वाले डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों के बारे में सुना है। उन्होंने ऐसे मामलों की सूचना दी और सीखा कि व्यक्तिगत विवरण कभी साझा न करें। एक आश्चर्यजनक अंतर्दृष्टि यह थी कि बुजुर्ग लोग भी अब छोटे भुगतानों के लिए यूपीआई का उपयोग करने में कठिनाई महसूस नहीं करते हैं।

प्रश्न 10. एक वित्तीय सुरक्षा पोस्टर बनाएँ–

- **डिजिटल बैंकिंग सुरक्षा के करने व नहीं करने के बिन्दुओं (उदाहरण के लिए, ओटीपी साझा न करना, धोखाधड़ी की रिपोर्ट करना) के साथ एक पोस्टर डिजाइन करें।**
- **इसमें आपातकालीन नंबर या वेबसाइट जैसे https://cybercrime.gov.in या 1930 शामिल करें।**
- **पोस्टर विद्यालय या पुस्तकालय के गलियारों में लगाएँ।**

उत्तर– छात्र स्वयं यह गतिविधि कर सकते हैं।

प्रश्न 11. चेक का उपयोग अक्सर उपयोगी बिलों के भुगतान के लिए किया जाता है। अपने माता-पिता से मासिक भुगतानों के लिए कुछ चेक भरने की अनुमति प्राप्त करें।

उत्तर– छात्र स्वयं प्रयास कर सकते हैं।

प्रश्न 12. मान लीजिए कि आपको अपने बैंक खाते से 10,000 निकालने हैं, आप अपने बैंक में नकद निकासी पर्ची कैसे भरेंगे? आइए प्रयास करें।

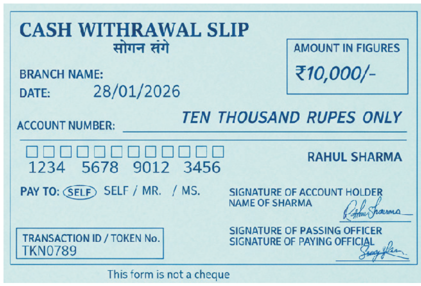
CASH WITHRAWAL SLIP
सोगन संगे
AMOUNT IN FIGURES
₹10,000/-
BRANCH NAME:
DATE: 28/01/2026
ACCOUNT NUMBER:
TEN THOUSAND RUPES ONLY
1234 5678 9012 3456
RAHUL SHARMA
PAY TO: SELF SELF / MR. / MS.
SIGNATURE OF ACCOUNT HOLDER
NAME OF SHARMA
TRANSACTION ID / TOKEN No.
TKN0789
SIGNATURE OF PASSING OFFICER
SIGNATURE OF PAYING OFFICIAL
This form is not a cheque

चित्र–नकद आहरण पर्ची

उत्तर– 10,000 निकालने के लिए, मैं निकासी पर्ची पर अपना नाम, खाता संख्या, तिथि और शब्दों एवं अंकों दोनों में 10,000 की राशि लिखूँगा। फिर मैं पर्ची पर हस्ताक्षर करूँगा और उसे अपनी पासबुक या पहचान प्रमाण के साथ बैंक काउंटर पर जमा करूँगा।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. बैंक है एक–
(अ) राजनीतिक संस्था
(ब) सामाजिक संस्था
(स) वित्तीय संस्था
(द) इनमें से कोई नहीं

2. निश्चित अवधि के लिए एक बार पैसे जमा करवाने वाला खाता कहलाता है–
(अ) बचत खाता (ब) चालू खाता
(स) सावधि जमा (द) ये सभी

3. तिमाही से तात्पर्य है–
(अ) तीन महीने (ब) छः महीने
(स) नौ महीने (द) बारह महीने

4. जन धन योजना प्रारम्भ हुई थी–
(अ) **2010** में (ब) **2014** में
(स) **2019** में (द) **2023** में

5. भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना हुई थी–
(अ) **1919** में (ब) **1923** में
(स) **1935** में (द) **1947** में

6. एटीएम का व्यापक रूप है–
(अ) ऑटोमोबाइल ट्रैकर मशीन
(ब) ऑटोग्राफ ट्रेलर मशीन
(स) ऑटोमेटिक ट्रेलर मशीन
(द) ऑटो ट्रांसफर मशीन

7. चेक है एक–
(अ) कागजी दस्तावेज
(ब) धात्विक दस्तावेज
(स) डिजिटल दस्तावेज (द) ये सभी

8. कोविड महामारी आयी थी–
(अ) **2016** में (ब) **2019** में
(स) **2023** में (द) **2025** में

उत्तर– **1.** (स), **2.** (स), **3.** (अ), **4.** (ब), **5.** (स), **6.** (स), **7.** (अ), **8.** (ब)।

रिक्त स्थान पूर्ति

1. सड़क एक .... अवसंरचना है।

2. व्यापारियों व कारोबार के लिये .... खाता उपयोगी होता है।

3. ब्याज पर मिलने वाला ब्याज .... कहलाता है।

4. बैंक जमाकर्ताओं की अपेक्षा ऋण लेने वालों से .... ब्याज दर लेते हैं।

5. यूपीआई को .... में प्रारम्भ किया गया था।

उत्तर– **1.** भौतिक, **2.** चालू खाता, **3.** चक्रवृद्धि ब्याज, **4.** अधिक, **5.** 2016।

सत्य-असत्य कथन

1. सरकार वित्तीय हस्तांतरण व प्रबंधन का कार्य करती है।

2. चालू खाते में ब्याज मिलता है।

3. मूलधन में ब्याज शामिल होता है।

4. डाकघर एक वित्तीय संस्थान है।

5. भारतीय शेयर बाजार कोलकाता में है।

उत्तर– **1.** सत्य, **2.** असत्य, **3.** असत्य, **4.** सत्य, **5.** असत्य।

सुमेलन

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
(i)	क्रेता	(अ) बचत खाता
(ii)	दैनिक बचत वाला खाता	(ब) उधार ली गयी रकम वस्तु
(iii)	ऋण	(स) भारतीय मत में धन के देवता
(iv)	किसान विकास पत्र	(द) व्यापारी
(v)	कुबेर	(य) डाकघर

उत्तर– **1.** (द), **2.** (अ), **3.** (ब), **4.** (य), **5.** (स)।

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वित्तीय संस्थान से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– वित्तीय संस्थान ऐसे संगठन हैं जो जमा, ऋण, निवेश, बीमा और मुद्रा विनिमय जैसी वित्तीय सेवाओं का प्रबंधन करते हैं। ये आर्थिक विकास के लिए अनिवार्य हैं।

2. भौतिक अवसरंचनायें कौन-कौनसी हैं?

उत्तर– इसमें परिवहन नेटवर्क, बिजली ग्रिड, जल आपूर्ति, सीवरेज सिस्टम, दूरसंचार, इमारतें और सामाजिक बुनियादी ढाँचे जैसे स्कूल और अस्पताल शामिल हैं।

3. बैंक क्या करते हैं?

उत्तर– लोगों की बचत जमा स्वीकारते हैं, उसे सुरक्षित रखते हैं और जरूरतमंदों को ब्याज पर ऋण देते हैं।

4. सावधि जमा खाता क्या है?

उत्तर– सावधि जमा खाता वित्तीय संस्थानों में एक निश्चित अवधि के लिए एकमुश्त राशि जमा करने का एक सुरक्षित निवेश विकल्प है।

5. चक्रवृद्धि ब्याज क्या है?

उत्तर– वह ब्याज जो मूलधन के साथ-साथ पिछले समय में अर्जित ब्याज पर भी लगाया जाता है।

6. नाबार्ड का क्या काम है?

उत्तर– नाबार्ड ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि, कुटीर उद्योग और बुनियादी ढाँचे के विकास हेतु ऋण (पुनर्वित्त) प्रदान करता है।

7. आहरण किसे कहते हैं?

उत्तर– बैंक खाते से जब किसी व्यवसाय का मालिक अपने निजी उपयोग के लिए या व्यवसाय के लिए नकदी या सम्पत्ति निकालता है, तो उसे आहरण (Drawings) कहते हैं।

8. इन्टरनेट बैंकिंग क्या है?

उत्तर– नेट बैंकिंग, जिसे ऑनलाइन बैंकिंग भी कहते हैं, बैंक द्वारा दी जाने वाली एक डिजिटल सेवा है।

9. शेयर बाजार किसे कहते हैं?

उत्तर– शेयर बाजार (स्टॉक मार्केट) एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म या बाजार है, जहाँ सार्व. जनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों के शेयर खरीदे और बेचे जाते हैं।

10. शेयर बाजार के धराशायी होने से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– शेयर बाजार के धराशायी होने का मतलब है कुछ ही दिनों या घंटों में शेयरों की कीमतों में अचानक और भारी गिरावट आना।

कथन-कारण आधारित प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न में दो वाक्य दिए गए हैं, जिन्हें कथन **(A)** और कारण **(R)** के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर अपना उत्तर चुनें:

(अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(ब) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(द) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

1. **कथन (A):** बैंक एक वित्तीय अवसंरचना है।

कारण (R): यह लोगों की रकम को जमा करने व लोगों को ऋण प्रदान करने का कार्य करता है।

उत्तर– (अ) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

2. **कथन (A):** भारतीय रिजर्व बैंक भारत का केन्द्रीय बैंक है।

कारण (R): अन्य बैंक अपनी इच्छानुसार बिना नियंत्रण के लेन-देन का कार्य कर सकते हैं।

उत्तर– (स) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

केस स्टडी/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें–

शेयर बाजार शेयरों की खरीद-फरोख्त का स्थान होता है। भारत में यह मुम्बई में है, जिसकी स्थापना **1875** में की गयी थी। यह विश्व के सबसे पुराने शेयर बाजारों में से एक है। शेयर खरीदकर हम किसी कम्पनी के आंशिक हिस्सेदार/स्वामी बन सकते हैं। शेयरों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव के कारण ही शेयर बाजार धराशायी व उछलने की स्थिति उत्पन्न होती है।

1. मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज की स्थापना कब हुई थी?

(अ) **1857** (ब) **1875**
(स) **1912** (द) **1945**

2. हम किसी कम्पनी के आंशिक स्वामी कैसे बन सकते हैं?

(अ) उसके शेयर खरीदकर
(ब) उसके शेयर बेचकर
(स) अपनी कम्पनी बनाकर
(द) दूसरी कम्पनी में शामिल होकर

उत्तर– **1.** (ब), **2.** (अ)

मानचित्र

भारत के रेखा मानचित्र पर, निम्नलिखित भौगोलिक विशेषताओं को ढूँढ़ें और उन्हें चिह्नित करें–

1. मुम्बई
2. रिजर्व बैंक का मुख्यालय वाला स्थान
3. भारतीय यूपीआई प्रणाली को अपनाने वाला पहला देश

उत्तर– **1.** मुम्बई, महाराष्ट्र, **2.** मुम्बई, महाराष्ट्र, **3.** भूटान।